

सरयू से सागर तक

श्री मीती बी.ए. की मिसाल का सम्पूर्ण परिचय



लेखक

किंजनीकुमारउपाध्याय





सरयू से साधार तक

श्री मोती बीए की फिल्मों का सम्पूर्ण परिचय



Title: SARAYU SE SAGAR TAK
(SHRI MOTI BA KI FILMO KA SAMPURN PARICHAY)
Author's name: ANJANI KUMAR UPADHYAY
Published by : Self Published
Publisher's Address-
MOTI BA NIWAS, NANDANA WARD WEST
BARHAJ DEORIA

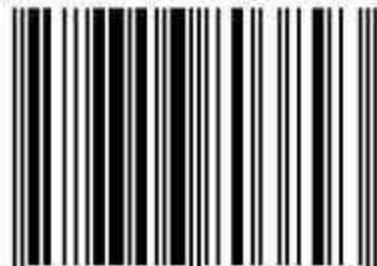


Printer's Details-
Faiz & Jaish Publishing Team
Nandana Pashchimi
Barhaj Deoria
U.P. 274601

Edition Details - I st Edition

ISBN: 978-93-5680-389-3

ISBN 978-93-5680-389-3



9 789356 803893 >

Copyright © Anjani Kumar Upadhyay-Author

Email-

editorsampadanews@gmail.com

anjanikumarupadhyaya@gmail.com

editorsampada@sampadanews.in

Website

www.sampadanews24.blogspot.com

www.sampadanews.in





समर्पण



पूज्य पिता श्री मोती बी ए
के चरणों में
समर्पित



सरयू से सागर तक

सूची



क्रम	विषय/फिल्म	सन्	पृष्ठ
01-	श्री मोती बींगु का परिचय.....	07	
02-	लेखक के सन्दर्भ में.....	11	
03-	सागर से निकले रत्न (भूमिका).....	13	
04-	कैसे कहूँ.....	1945.....	15
05-	सुभद्रा.....	1956.....	19
06-	शक्ति ध्रुव.....	1947.....	22
07-	रामबाण.....	1949.....	27
08-	सिन्धूर.....	1947.....	28
09-	काफिला.....	1952.....	29
10-	साजन (स्वतन्त्र भारत की पहली फिल्म)....	1947.....	30
11-	एक कदम.....	1947.....	34
12-	वीर घटोत्कच उर्फ सुरेखा हरण.....	1949.....	38
13-	ममता.....	1952.....	40
14-	रिमझिम.....	1949.....	42
15-	नदिया के पार.....	1948.....	44

-शेष ड्रगले पृष्ठ पर





16-निर्मल.....	1952.....	53
17-राम विवाह.....	1949.....	56
18-किसी की याद.....	1950.....	62
19-राजपूत (भारत की प्रथम जौगीरा वाली फ़िल्म).....	1951.....	64
20-हिप हिप हुरें उर्फ चौबे जी.....	1948.....	66
21-झन्दासन.....	1952.....	69
22-झन्तजार के बाद.....	1947.....	69
23-अमर आशा.....	1947.....	70
24-बजब भईलें रामा..... (अप्रदर्शित).....	71	
25-ठकुराईन.....	1983.....	74
26-चम्पा चमेली.....	1982.....	76
27-श्री मोती बीए से सम्बन्धित कुछ फ़िल्में.....	80	
28-क्या श्री मोती बीए फ़िल्मोंमें गीत भी गाये हैं ?.....	81	
29-श्री मोती बीए के गीतों को तोड़ मोड़ कर कुछ फ़िल्मों में रखे गये हैं.....	83	
30-श्री मोती बी ए फ़िल्म निर्माण करना चाहते थे, पर इसे पूरा नहीं कर पाये.....	84	





नाम	- अंजनी कुमार उपाध्याय
जन्म	- 16 जनवरी 1963
जन्म स्थान	- बरहज, देवरिया, उत्तर प्रदेश
पिता का नाम	- श्री मोती बीए
माता का नाम	- श्रीमती लक्ष्मी देवी उपाध्याय ।
प्रारंभिक शिक्षा	- श्रीकृष्ण इंटरमीडिएट कालेज आश्रम, बरहज, देवरिया ।
स्नातक	- बुद्ध पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज कुशीनगर ।
पोस्ट ग्रेजुएट	- फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज, रायबरेली से हिन्दी में परास्नातक । बुद्ध पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज कुशीनगर से मनोविज्ञान में परास्नातक ।

1982 से लेकर के उन्नीस सौ अद्वासी तक राजकीय निर्माण कार्य में सहायक। 1989 में सम्पदा का संपादन, बाबा नागार्जुन, डॉ. क्षेमचंद्र सुमन, डाक्टर शंभू नाथ सिंह, डॉ. त्रिलोचन शास्त्री, सत्येंद्र शर्मा, रामदरश मिश्र एवं पिता श्री मोती बीए के देख रेख में सहायक संपादक का कार्य। साथ ही साथ ज्योतिषाचार्य का कार्य।

अवैतनिक शिक्षक के रूप में शिक्षण कार्य, अग्रसेन इंटर कॉलेज लखनऊ, मदन मोहन मालवीय इंटरमीडिएट कॉलेज, गोरखपुर, सरोजनी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बरहज। विश्वनाथ त्रिपाठी शिक्षण संस्थान में अध्यापन कार्य।





श्री कृष्ण इंटरमीडिएट कॉलेज आश्रम, बरहज, देवरिया में अध्यापन। प्रधानाचार्य, बाबा बैद्यनाथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जिगनी सोहौली। श्री मोती बीए के साथ फ़िल्मों में निर्माण कार्य, “ठकुराइन, चंपा चमेली और गजब भईले रामा” में फ़िल्म निर्माता के पी शुक्ला, राकेश पांडे, सुजीत कुमार, पद्मा खन्ना, रवीन्द्र गायी, जैन के साथ कला और संस्कृति पर कार्य। श्री मोती बी.ए. की फ़िल्म मातृमंदिर, और ‘प्रेम प्रेम है’ के निर्माण का कार्य जारी।

श्री मोती बीए वेलफेयर सोसाइटी द्वारा पुस्तक के प्रकाशन में सहयोग और उपाध्यक्ष के पद पर कार्यरत। श्री मोतीलाल वेलफेयर सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी। जवाहर प्रकाशन बरहज देवरिया के स्थापना में बहुमूल्य योगदान तथा उसके पदाधिकारी। श्री मोती बीए पुस्तकालय के अध्यक्ष।

श्री मोती बीए द्वारा स्थापित सम्पदा न्यूज के संचालक एवं संपादक प्रमुख। सम्पदा न्यूज चैनल के एडिटर इन चीफ। रेडियो मोती के प्रमुख डायरेक्टर। पत्रकारिता में, “जुल्म से जंग, हम वतन, न्यूज एक्सप्रेस चैनल” में प्रमुख रूप से रिपोर्टिंग, महाखबर, स्वतंत्र चेतना एवं अन्य दैनिक समाचार पत्र में भी सक्रिय पत्रकारिता। स्वतंत्र रूप से लेखन कार्य। कविता, कहानी, आलोचना, समालोचना, संस्मरण, ऐतिहासिकता और धार्मिक स्थलों के खोज पर विस्तृत रिपोर्ट कार्य।

सम्पदा न्यूज के वेबसाइट के ओनरा। श्री मोती बीए के समस्त फ़िल्मों और गीतों के संकलन कर्ता। सम्पदा के वेबसाइट पर श्री मोती बीए. की पुस्तकों का प्रकाशनकर्ता।

निवास -

श्री मोती बीए निवास, नंदना पश्चिमी, बरहज,

देवरिया, उत्तर प्रदेश 274001

www.sampadanews24.blogspot.com

www.facebook.com/anjanipadhyay

www.pinterest.com/sampadanews

www.twitter.com/anjanikumarupadhyay

www.linkedin.com/in/anjanipadhyay

[email-editorsampadanews@gmail.com](mailto:editorsampadanews@gmail.com)

mo.8299015136



मोती बीए का संक्षिप्त जीवन परिचय



जन्मतिथि	-01 अगस्त 1919 पुण्यतिथि : 18 जनवरी 2009
जन्मस्थान	-ग्राम-बरेजी, डाकघर-तेलिया कला, जिला-देवरिया (उ.प्र.)
निवास स्थान	-लक्ष्मी निवास, नन्दना पश्चिमी, बरहज, देवरिया (उ.प्र)
परिवार	-पिता श्री राधाकृष्ण उपाध्याय,
माता	-श्रीमती कौशल्या देवी,
सहोदर भ्राता	-श्री जगदीश नारायण मालवीय, डॉ परमानन्द उपाध्याय,
बहनें	-सुश्री शान्ती देवी, कान्ती देवी,
पत्नी	-श्रीमती लक्ष्मी देवी उपाध्याय,
पुत्र	-जवाहर लाल उपाध्याय, भालचन्द्र उपाध्याय, अंजनी कुमार उपाध्याय,
पुत्रियाँ	-उर्मिला देवी, शारदा देवी।
शिक्षा एवं शैक्षणिक	
उपाधियाँ	-बरहज से हाई स्कूल, गोरखपुर से इण्टर मीडिएट तथा वाराणसी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से एम.ए.(इतिहास), बी.टी. साहित्यरत्न।
सर्जनात्मक लेखन	-1936 से 2000 तक हिन्दी, भोजपुरी, उर्दू तथा अंग्रेजी में गीत, गजल, कविता, निबन्ध, अनुवाद, आत्मकथ्य इत्यादि प्रकाशित/अप्रकाशित कुल मिलाकर पचास से अधिक रचनाएँ।
पत्रकारिता	-1939 से 1943 तक अग्रगामी, आज, संसार, आर्यावर्त समाचार पत्रों के सम्पादकीय विभाग में मूर्धन्य पत्रकार बाबूराव विष्णु पराड़कर तथा सुप्रसिद्ध क्रान्तिकारी शचीन्द्रनाथ सान्याल के साथ सम्पादकीय विभाग में सहायक के रूप में कार्य।
स्वाधीनता सेनानी	-1943 में वाराणसी में चेतगंज थाना तथा सेण्ट्रल जेल में भारत रक्षा कानून के अन्तर्गत नजरबन्द।





सिने गीतकार एवं कलाकार

-1944 से लेकर 1951 तक पंचोली आर्ट्स

पिक्चर्स लाहौर, फिल्मस्तान लिमिटेड बम्बई,

प्रकाश पिक्चर्स, बम्बई, के गीतकार के रूप में 'नदिया के पार' (पुरानी गायी, दिलीप कुमार, कामिनी कौशल) 'कैसे कहूँ', 'साजन', 'सिन्दूर', 'रिमझिम', 'सुभद्रा', 'धीर-घटोत्कच उर्फ सुरेखा हरन', 'निर्मल', 'राम विवाह', 'ममता', 'राम बाण', 'काफिला', 'भक्त ध्रुव', 'किसी की याद', 'राजपूत', 'हिप-हिप हुरें उर्फ चौबे जी', 'इन्तजार के बाद', 'अमर-आशा', 'चम्पा-चमेली', 'ठकुराइन', ('एक कदम', 'गजब भईले रामा'-अप्रदर्शित) इत्यादि लगभग 50 फिल्मों में गीत लेखन। फिल्म 'साजन' का प्रसिद्ध गीत 'हमको तुम्हारा ही आसरा, तुम हमारे हो न हो' तथा 'नदिया के पार' के सभी गीतों का भोजपुरी में सर्वप्रथम लेखन-'कठवा के नइया बनइहे मलहवा', 'मोरे राजा हो, ले चल नदिया के पार' इत्यादि गीतों के अतिरिक्त प्रथम फिल्मों में जोगीरा 1951 में फिल्म 'राजपूत' में लिखने का श्रेय फिल्मों में भोजपुरी भाषा के प्रवर्तक। पुनः 1984-85 में भोजपुरी फिल्म 'गजब भइले रामा' 'चम्पा चमेली', 'ठकुराइन' इत्यादि में गीत लेखन एवं अभिनय। कुल मिलाकर पचास से अधिक फिल्मों में गीत लेखन।

आकाशवाणी तथा दूरदर्शन

-बम्बई, इलाहाबाद, लखनऊ, गोरखपुर से काव्य पाठ तथा

अनेक स्वरचित लोक संगीतिकाओं का प्रसारण। अनेक कवि

गोष्ठियों, कवि सम्मेलनों आयोजनों के माध्यम से काव्य पाठ एवं साहित्यिक रचनाओं का प्रचार प्रसार।

अध्यापन

-1952 से 1980 तक श्रीकृष्ण इण्टर कालेज, बरहज में

इतिहास, अंग्रेजी एवं तर्क शास्त्र के प्रवक्ता के रूप में

प्रतिष्ठित। वर्ष 1978 में उत्तर प्रदेश शासन (शिक्षा विभाग) द्वारा 'आदर्श अध्यापक' पुरस्कार से सम्मानित। अध्यापन काल में विद्यार्थियों के लाभार्थ हाई स्कूल/ जूनियर हाई स्कूल पोइट्री तथा अन्य अंग्रेजी कविताओं का हिन्दी में पद्यानुवाद।

साहित्यिक रचनाएँ

-हिन्दी कविता में तेइस प्रकाशित तथा सात अप्रकाशित

कविता पुस्तकें, हिन्दी गद्य में 'इतिहास का दर्द', निबन्ध

एवं आत्मकथ्य का लेखन, भोजपुरी में पाँच प्रकाशित एवं दो अप्रकाशित पुस्तकें। उर्दू में





पाँच प्रकाशित तथा एक अप्रकाशित पुस्तक, अंग्रेजी में दो प्रकाशित तथा एक अप्रकाशित कविता पुस्तक तथा अंग्रेजी में शेक्सपीयर के सानेट्रस तथा पाँच अन्य लम्बी अंग्रेजी कविताओं तथा कई अन्य छोटी अंग्रेजी कविताओं का हिन्दी एवं भोजपुरी में पद्धानुवाद। अब्राहम लिंकन (अंग्रेजी नाटक) का भोजपुरी में अनुवाद, कालिदास कृत 'मेघदूत' (संस्कृत) का भोजपुरी में पद्धानुवाद। इस प्रकार पचास से अधिक पुस्तकों का लेखन और अनुवाद। कुछ अन्य अप्रकाशित निबन्ध एवं कविताएँ अभी छपने के लिए शेष। भोजपुरी में सॉनेट एवं हाइकू विधा में लिखने वाले सर्वप्रथम रखनाकार।

सम्मान एवं पुरस्कार

-दो दर्जन से अधिक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त, जिसमें से कुछ प्रमुख हैं- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'समिधा' पुस्तक के लिए राज्य साहित्यिक पुरस्कार (1973-74), उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा 'आदर्श अध्यापक' पुरस्कार (1978), उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ द्वारा राहुल सांस्कृत्यायन पुरस्कार (1984), हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग द्वारा 'भोजपुरी रत्न' उपाधि (1992), 'श्रुतिकीर्ति' सम्मान (1997), विश्व भोजपुरी सम्मेलन, भोपाल द्वारा 'सेतु' सम्मान (1998), साहित्य अकादमी नई दिल्ली द्वारा भोजपुरी के लिए प्रथम 'भाषा सम्मान' (2001-02), 'किसलय' सम्मान (2005), 'सरयूरत्न' सम्मान (2005), सांस्कृतिक संस्थान गोरखपुर द्वारा 1986 में 'संस्कार भारती' सम्मान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा 1992 में 'भोजपुरी रत्न अलंकरण' की उपाधि, अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य परिषद द्वारा 1993 में 'कवि रत्न' की उपाधि, विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर द्वारा 1984 में 'विद्या सागर सम्मान', संस्कृति संस्थान भाटपाररानी द्वारा 1987 में 'कवि कुल चूड़ामणि' की उपाधि एवं प्रशस्ति, पूर्वांचल साहित्य परिषद, सलेमपुर द्वारा 1995 में 'पूर्वांचल श्री' की उपाधि तथा 'सरस्वती स्मृति चिन्ह, श्रुतिकीर्ति स्मृति संस्थान, बरहज द्वारा 1993 और 1997 में 'श्रुतिकीर्ति सम्मान', श्री महावीर प्रसाद केडिया हिन्दी साहित्य एवं सांस्कृतिक संस्थान देवरिया से 1993-94 में 'आनन्द सम्मान', संस्था काव्यलोक जमशेदपुर, बिहार द्वारा श्रेष्ठ साहित्य साधना हेतु 1991 में काव्य भूषण की उपाधि।

अकादमिक/साहित्यिक स्वीकृति, अभिमत एवं मान्यताएँ -देश-विदेश की अनेक लब्ध प्रतिष्ठ





पत्रिकाओं में परिचय एवं रचनाएँ प्रकाशित। विभिन्न प्रयोजनों हेतु सम्पादित अनेक पुस्तकों में रचनाएँ सम्मिलित एवं प्रकाशित। कई विश्वविद्यालयों के भोजपुरी लोक साहित्य विषयक पाठ्यक्रम में रचनाएँ सम्मिलित। विश्वविद्यालयों में मोती बीए के साहित्य पर पी-एचडी. उपाधि हेतु कई शोध प्रबन्ध स्वीकृत। वर्ष 1999 में डॉ शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी (शान्ति निकेतन) द्वारा मोती बी. ए. की प्रतिनिधि कविताओं का सम्पादन 'आग और अनुराग' पुस्तक के नाम से रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा (मध्य प्रदेश) द्वारा प्रकाशित। अखिल भारतीय विक्रम परिषद काशी द्वारा वर्ष 1972 में प्रकाशित एवं आचार्य सीताराम चतुर्वेदी द्वारा सम्पादित 'तुलसी ग्रन्थावली' (द्वितीय खण्ड) के व्यवस्थापक मण्डल के सदस्य रूप में कार्य। प्रसिद्ध साहित्यकार सर्वश्री हजारी प्रसाद द्विवेदी, हरवंश राय 'बच्चन', विशम्भर 'मानव', रामबली पाण्डेय, श्याम नारायण पाण्डेय, डॉ रामचन्द्र तिवारी, डॉ प्रताप सिंह तथा कई अन्य साहित्यकारों द्वारा रचनाएँ समालोचित, प्रशংসित एवं सम्मानित।





सागर से निकले रत्न-

-कैंजनीकुमारउपाध्याय की कलम है

फिल्मी दुनियां में गीतों के सफर का एक अलग आलोक है।

बिना गीत-संगीत के फिल्म मानसिक दबाव का कारण बन जाते हैं, जबकि कहीं-कहीं तो गीत-संगीत मानसिक आह्लाद सहित आनन्दमय क्षण के प्रतीक बन जाते हैं। इन्हीं फिल्मी गीतों के प्रणेता के रूप में श्री मोती बीए जी का नाम आता है। श्री मोती बीए जी का फिल्मों में गीतकार के रूप में पदार्पण कैसे हुआ, इस तथ्य को हम यहां नहीं लिख रहे हैं क्योंकि इसे हम श्री मोती बीए की आत्मकथा में पूर्ण रूप में अलग से विस्तृत रूप से हम दे रहे हैं, लेकिन फिल्मी सफर के उनके जीवन के अनेक पहलू हैं जो मनोरंजन भी करते हैं, ऊर्जा का संचार भी करते हैं, प्रेरणा भी देते हैं और सामाजिक मानसिकता को भी उजागर करते हैं।

श्री मोती बीए के फिल्मी सफर के कई भाग हैं, प्रथम तो गीतकार के रूप में उनके द्वारा प्रस्तुत किए गये गीत, दूसरा वो गीत जो उनकी आवाज में रिकार्ड होते-होते रह गये, तीसरा वह भाग जो उनके गीतों को सुना तो गया, पर कुछ व्यक्तिगत कारणों से श्री मोती बीए जी समय से उपस्थित नहीं हो सके, तो वे गीत किसी और के नाम हो गये। चौथा जीवन के अंतिम समय में उन्होंने बाम्बे का रुख किया और फिल्म में कुछ गीत लिखे, जिनमें कुछ गीत सामने आये, कुछ आकर विलुप्त हो गये और कुछ रिकार्ड होकर रह गये और अंतिम भाग उन गीतों का है जिनको उन्होंने अपने फिल्मों के लिए लिखा। वे फिल्में बन नहीं पायी और गीत डायरी के पन्नों तक सीमित रह गए। जीवन में फिल्म जगत का एक भाग और है। श्री मोती बीए जी फिल्म का निर्माण करना चाहते थे, अपनी लिखी गयी कहानी और संवादों पर वह बन नहीं पायी। हमने उन फिल्मों का और उनके गीतों को भी इसमें रखने का कार्य किया है। कुछ फिल्मों में भी मोती बीए जी ने संवाद लिखे हैं, और एक फिल्म में अभिनय भी किया है। इन सभी प्रसंगों को इस संकलन में रखने को कार्य किया गया है।

वैसे तो श्री मोती बीए जी के समग्र गीत और फिल्मों की जानकारी प्राप्त करना असंभव है। हम आभारी हैं, रेडियो सीलोन के प्रमुख अश्वनी कुमार जी के, मनोहर महाजन जी के, पद्मिनी परेरा जी के, ज्योति परमार जी और उनके ग्रुप का, जिनकी मदद से हमें यह अमूल्य जानकारी मिल सकी है। रेडियो सीलोन ने 70 वर्षों से महान गीतकारों की इस थाती को सेजोए हुए है और भारतीय फिल्मी गीतों का सबसे बड़ा संग्रहालय भी होने का उसे गौरव प्राप्त है। इससे हमें बहुत ही मदद मिली। हम आभारी हैं यू ट्यूब के कुछ शुभचिन्तकों के जिनके संग्रह से यह कार्य सम्भव हो सका है। स्थानीय स्तर पर हम अपने तमाम सहयोगी, परिवार जन के सदस्य के श्री मोती



बीए के पुत्र श्री जवाहर लाल उपाध्याय, कवि गायक भालचन्द्र उपाध्याय सहित सम्पदा के सम्पादक देवेन्द्र द्विवेदी, राकेश श्रीवास्तव, मोनिका राणा और विशेष सहयोगी प्राचार्य अजय पाण्डेय, एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रो० अजय मिश्र, जेपी श्रीवास्तव, सच्चिदानन्द पाण्डेय, अजय पाण्डेय, संतोष उपाध्याय और टेक्निकल टीम सम्पदा न्यूज चीफ टेक्निशियन फैजान गायी, अंसारी, एसिसटेण्ट टेक्निशियन जीशान अंसारी, जूनियर टेक्निशन अयान अंसारी जिनके सहयोग से यह संकलन आपकी सेवा में हाजिर है।

अन्त में हम सभी अपने मित्रों और शुभचिन्तकों को हार्दिक धन्यवाद देते हैं जिनके सहयोग से यह दुर्लभ कार्य सम्भव हो सका है।

धन्यवाद ।

निवेदक-

अंजनी कुमार उपाध्याय

निवास -

श्री मोती बीए निवास, नंदना पश्चिमी, बरहंज,
देवरिया, उत्तर प्रदेश 274001

www.sampadanews24.blogspot.com
www.facebook.com/anjanikumarupadhyay
www.pinterest.com/sampadanews
www.twitter.com/anjanikumarupadhyay
www.linkedin.com/in/anjanikumarupadhyay
email-editorsampadanews@gmail.com
email-editorsampada@sampadanews.in
www.sampadanews.in
Mob. 8299015136



फिल्म 'कैसे कहूँ?'

श्री मोती बीए के गीत 'हम आज चले' को जाने के लिए 1943 में शमशाद बेगम को बहुवर्ष से लाहौर खुलाया गया था। इस फिल्म के मथाहूर कलाकार प्राण ने भी कुछ समय के लिए अभिनय में थे।

श्री मोती बीए की प्रथम फिल्म 'कैसे कहूँ ?' थी। यह फिल्म 'पंचौली आर्ट पिक्चर्स लाहौर' से बनी थी। पंचौली आर्ट पिक्चर्स के मालिक थे सेठ दलसुख एम पंचौली। पंचौली आर्ट पिक्चर लाहौर के सन्दर्भ में श्री मोती बीए जी के विचार इस प्रकार से है, "आज मैं सेठ जी से नहीं सम्पूर्ण

फिल्मी वातावरण से पृथक हूँ और लाहौर में न तो पंचौली आर्ट पिक्चर ही रह गया और सेठ दलसुख एम पंचौली भी अब दुनियां में नहीं रह गए। किन्तु उन दिनों की खुशबू जो मेरी आत्मा में व्याप्त हुई और पंचौली साहब के प्रति मेरे मन में जो भाव अंकित हुए आज भी एक गुनगुने नशे का असर पैदा कर देते हैं। न तो मैं उन दिनों को हेरता हूँ और न उन दिनों के व्यक्तित्वों के फेर में रहता हूँ। मगर पंचौली का वह वातावरण हमेशा शीत-ताप नियंत्रित वायुमण्डल में आन्तरिक सुख प्रदान किये रहता है।

फिल्म कैसे कहूँ? में कुल 10 गीत थे जिसमें श्री मोती बीए के गीत थे। इस गीतों के इन गीतों के रिकार्ड्स कोलम्बिया रिकार्ड कम्पनी द्वारा बनाए गये थे जिनके नम्बर्स गीत के साथ दिए गए थे। फिल्म में श्री मोती बीए का गीत 'हम आज चलें आज चलें' दो बार फिल्माया गया है। इस फिल्म में कलाकार रागिनी, जागीरदार, प्राण, दुर्गा खोटे, अख्तर, नज्म, जी एन बट्ट थे। संगीतकार पण्डित अमरनाथ शर्मा थे जो संगीतकार हुस्नलाल भगतराम के बड़े भाई थे। इस फिल्म के गीत 'दामन ना छोड़ देना' के धुन की नकल करके हुस्नलाल भगतराम ने फिल्म प्यार की जीत 1948 में सुरैया से "वो दूर जाने वाले वादा न तोड़ देना"



Pancholi

DOES IT AGAIN!

IT'S THE HAVEN OF
MIRTH AND MELODY

"Kaise Kahun?"

Entertainment at its Best Dalsukh Pancholi Production

Music: PANDIT AMARNATH

STARRING:
RAGINI
NAJMAL
AKHTAR
JAGIRDAR
AJMAL
DURGA MOTA



गवाकर काफी यश अर्जित किया था। वैसे यह फ़िल्म 1945 में प्रदर्शित हुई थी। इसके कथानक को खोजने का प्रयास जारी है। यह एक सामाजिक फ़िल्म थी। फ़िल्म अब उपलब्ध नहीं, पर गीत उपलब्ध हैं। श्री मोती बीए के गीत 'हम आज चलें' को गाने के लिए 1943 में शमशाद बेगम को बम्बई से लाहौर बुलाया गया था। इस फ़िल्म में मशहूर कलाकार प्राण भी कुछ समय के लिए अभिनय में थे।



फ़िल्म-कैसे कहूँ- प्रथम गीत

आओ हम आज चलें । -4
 कुर्बानियों पे जिंदगी, जिंदगी
 क्याम हैं, क्या पता
 ठोकर लगा के देख -2
 ये पहाड़ हैं चलें
 आओ हम आज चलें ।
 सोने के बदलो का घर हैं
 आसमान मे आसमान मे
 हैं आग सी लगी हुई
 सारे जहाँ मैं
 लूट जाये उजड़ जाये
 चलें आँधिया चलें
 आओ हम आज चलें
 बढ़ते ही चलो साथ साथ
 आसमान तले
 जब तक जमीन हैं हमारे
 पावो के तले
 चल चल बढ़ा के हाथ वो
 चल साथ चल चल साथ चल
 आओ हम आज चलें

स्वर-शमशाद बेगम, जीनत बेगम
 रिकार्ड नं- JP1089/GE5104

फ़िल्म-कैसे कहूँ- द्वितीय गीत

गीत बनो, हो गीत बनो
 मेरे तुम बनो गीता, ओ मेरी गीता
 अपने मन की मुमसे बात बताओ
 इस अँधेरी रात में, तुम राह दिखाओ
 रौशनी बिना अब तक जीवन बीता
 ओ मेरी गीता, गीत बनो ओ गीत बनो
 दिल में चुप चुप कर, ये कौन गा रहा
 भला ये कौन गा रहा
 आग मेरे दिल में, वो क्यों लगा रहा
 भला वो क्यों लगा रहा
 प्यासी आँखों में तुम, सावन की बूंद बनो
 ओ मेरी गीता गीत बनो
 आती हूँ मैं बंधन तोड़ रही हूँ
 आँखों की लाज आज छोड़ रही हूँ
 देख रहा हूँ कबसे राह तुम्हारी
 ये दर्द भरा गीत और रात है प्यारी
 जो न कभी टूट सके
 तुम ऐसी दीद बनो, ओ मेरी गीता
 गीत बनो, ओ गीत बनो.

स्वर-जीनत बेगम, एस.डी.बातिश
 रिकार्ड नं- JP1097/GE5118



फिल्म कैसे कहूँ - तीसरा गीत

दामन न छोड़ देना
 गुलशन में मोहब्बत की,
 फूली हुई कली ये
 मदहोश जवानी में,
 भूली हुयी गली ये
 कोमल सी पंखुडिया है,
 इनको न तोड़ देना
 दामन न छोड़ देना
 ये जिन्दगी सफर है
 हम साथ ही रहेंगे
 तूफान तूफान और झोके
 हस हस के हम सहेंगे
 तुम बीच धार मेरी
 कश्ती डुबो ना देना
 दामन न छोड़ देना
 कश्ती अगर भवर में
 पड़ जाये जिन्दगी की
 हम साथ ही मरेंगे
 सौगन्ध मोहब्बत की
 तुम रुह के ढाँचे पे
 ये रुह जोड़ देना
 दामन न छोड़ देना
 दामन न छोड़ देना.

स्वर-शमशाद बेगम, जी.एम.दुर्गानी
 रिकार्ड नं- JP1089/GE5104

फिल्म कैसे कहूँ - चौथा गीत

गोरी गागर की गंगा उधार दिए जा
 उधार दिए जा, तुझे गंगा कसम
 हो बाबू दिल ही दिल में व्यापार किये जा
 तुझे गंगा कसम
 गोरी गागर की गंगा उधार दिए जा
 मुँह तो शीशे में देखो, सौदागर बड़े
 कही मोती भी मिलते हैं, दातों तले
 बाबू दिल में ही, दिल का व्यापार किये जा
 गोरी गागर की गंगा उधार दिए जा
 गोरी हर रोज तुमसे तो कहना नहीं
 सदा गागर की गंगा में तो बहना नहीं
 सदा रूप जवानी में रहना नहीं
 अजी दिल है तो रोज उपकार किये जा
 बाबू दिल में ही दिल का, व्यापार किये जा
 तुझे गंगा कसम, गोरी गागर की गंगा उधार दिए जा
 बाबू बाला जो बना है, प्यार किये जा, प्यार किये जा
 कच्ची कलियां हैं, कच्ची कलियां हैं
 तन मन निसार किये जा
 निसार किये जा
 गोरी गागर की गंगा उधार दिए जा
 उधार दिए जा
 तुझे गंगा कसम
 गोरी गागर की गंगा उधार दिए जा.

स्वर-शमशाद बेगम, एस.डी.बातिश
 रिकार्ड नं- JP1097/GE5118



फिल्म कैरो कहूँ - पाठ्यवार्ता गीत

मन से चिन्ता की घटा दूर होजा
 मन से चिन्ता की घटा दूर होजा
 अंग अंग मे उमंग नाच उठी
 अंग अंग मे उमंग नाच उठी
 मन मे कोई तरंग जाग उठा
 मन मे कोई तरंग जाग उठा
 आँखो मे सुन्दर संसार बसा
 मन से चिन्ता की घटा दूर होजा
 मन से चिन्ता की घटा दूर होजा

हो साथी क्यार मे फूल खिले
 दो कोमल प्राणो के तार मिले
 डाली पे कोमल पात हिले
 जीवन मे नया नया प्यार बसा
 मन से चिन्ता की घटा दूर होजा

दूर देश से आयी काली घटाए
 दूर देश से आयी काली घटाए
 बरसे एक नया गीत सुनाए
 बरसे एक नया गीत सुनाए
 दुख के सागर मे है सुख का संसार बसा
 मन से चिन्ता की घटा दूर होजा

फिल्म कैरो कहूँ - छठवार्ता गीत

कोई मन मे मेरे बोले
 कोई मन मे मेरे बोले
 कोई मन मे मेरे बोले
 बाहर एक तुफान उठा है
 बादल गादल शोर मचाले
 काले काले रूप बना के
 चोरी चोरी आते
 कॉप रही है मन की गलियां
 दिल की दुनिया डोले
 कोई मन मे मेरे बोले

रात अंधेरी विजली चमके
 कोरा मन डर जाए
 बोल अभागन ऐख डाक पर
 भौरा पिया बुलाए
 हवा निगड़ी ये किवाड़ क्यू
 चुपके चुपके खोले, कोई मन मे मेरे बोले

रिमझिम रिमझिम बादल बरसे
 हे रस की नदी बहाए
 क्या कारण इस बन का पंछी
 प्यासा ही रह जाए।
 सबकी शूर वीर की ओखे
 जैसे काई शोले
 कोई मन मे मेरे बोले

स्वर-जोहरा
रिकार्ड नं- JP1090/GE5105

स्वर-शमशाद बेगम, जोहरा, एस.डी.बातिश
रिकार्ड नं- JP1097/GE5118



सुभद्रा

इस फिल्म में मैं खिली खिली फुलवारी को शान्ता आप्टे के साथ लता जी ने गाया है। इस गीत पर लता जी ने अभिनय भी किया है। इस गीत के रिहर्सल में मास्टर विनायक राव के यहाँ लता से श्री मोती बीए की प्रथम मुलाकात हुई थी।

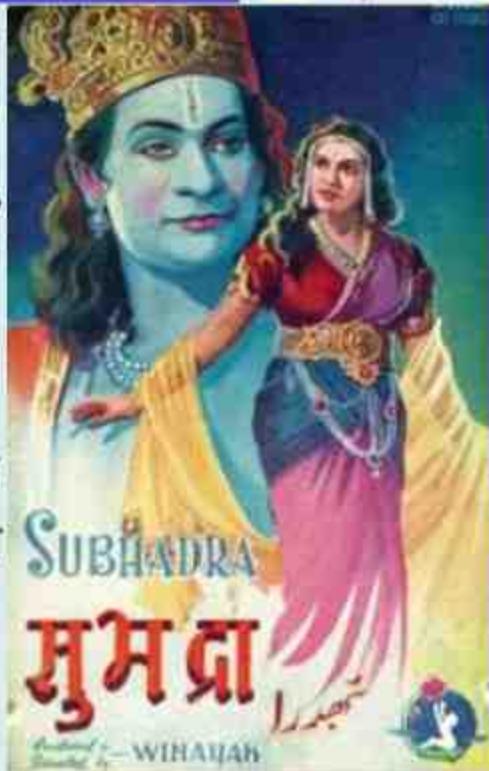
लाहौर में एक माह की छुट्टी लेकर बम्बई होते हुए घर आते समय श्री मोती बीए जी वी.शान्ताराम से मिलने राजकमल कलामन्दिर पहुँचे जहाँ उनके भाई वी.काशीराम से मुलाकात हुयी, उन्होंने मास्टर विनायक राव से मिलने की राय दी। मास्टर विनायक राव ने सुभद्रा के गीत और संवाद लिखने का उत्तरदायित्व दिया। ये प्रफुल्ल पिक्चर के मालिक थे। श्री मोती बीए ने 6 गीत लिखे और घर चले आये। यही विनायक राव के यहाँ कीट्स की नाइटिंगेल, शेली की स्काईलार्क, भारत की आत्मा की आवाज बाल कलाकार लता से मुलाकात हुई थी।

सुभद्रा फिल्म प्रफुल्ल पिक्चर्स बम्बई के बैनर तले बनी थी। संगीतकार बसन्त देसाई थे। यह फिल्म 1946 में बनकर प्रदर्शित हुई थी। यह पौराणिक कथा पर आधारित फिल्म थी जिसमें 8 गीत थे। श्री मोती बीए के 5 गीत रखे गये थे। एक गीत, “मेरे नैनों में जल भर आये, वो नहीं आये” स्पाट बदल जाने के कारण निकाल दिया गया था। श्री मोती बीए के कई महीने घर रुक जाने के कारण शेष 3 गीत पं. इन्द्र और सुदर्शन से लिये गये।

इस फिल्म में नायिका शान्ता आप्टे सुभद्रा के रूप में, शान्तारीन रूपा के रूप में, ऊषा मंत्री रेवती के रूप में, प्रभाकर मजुमदार घटोत्कच के रूप में, ईश्वर लाल अर्जुन के रूप में, याकूब खान दुर्योधन के रूप में कार्य किया है। इस फिल्म में मीनाक्षी, सालवी, जोग, दानूबत्रा, निम्बलकर, प्रेम अदीब और लता ने भी कार्य किया है। इस फिल्म में श्री मोती बीए जी के द्वारा लिखे गए गीत है-

- 1— मुरली बजाने वाले इतने बदल गए,
- 3— चारों ओर अन्धेरा,
- 5— पिया आएगा, गोरी सुध न बिसार,

- 2— मैं खिली, खिली फुलवारी,
- 4— मेरे मन जा उन्हें सन्देश सुना,



अन्य गीत- ‘सॉवरिया ओए, बॉसुरिया ओए’, ‘लाल हुई पूरब दिशा, हँसने लगा प्रभात’, ‘गिरिजा रानी आवो आवो’ थे।

इस फिल्म में मैं खिली खिली फुलवारी को शान्ता आप्टे के साथ लता जी ने गाया है। इस गीत पर लता जी ने अभिनय भी किया है। इस गीत के रिहर्सल में मास्टर विनायक राव के यहाँ लता से श्री मोती बीए की प्रथम मुलाकात हुई थी।

श्री मोती बीए के सन्दर्भ में मास्टर विनायक राव के विचार “श्री मोती, प्रदीप और मधोक से हजार गुना बढ़े हैं। मगर दुनिया अभी उनको जानने वाली है और वितरक उनके नाम पर अपनी थेलियों का मुँह खोलने वाले हैं। मैं किसी सच्चे कलाकार का अपमान नहीं कर सकता।”

श्री मोती बीए के पौच गीतों में “मैं खिली खिली फुलवारी और चारों ओर अन्धेरा” ये दो गीत ही अभी तक मिल पाए हैं शेष तीन गीत के लिए प्रयास जारी हैं।

सुभद्रा फिल्म का गीत-मैं खिली, खिली फुलवारी

मैं खिली, खिली फुलवारी,
खिली खिली फुलवारी
क्या चाँद हाथ पे आया
लो तेरे सनम आया
लहराया लहराया
कौन लेगा चादर कलंकी
वो हँसता बढ़ता जाये
मैं सोच सोच शरमाती
मैं खिली खिली फुलवारी
मैं समझ गयी, मैं समझ गयी,
क्या समझ गयी, मैं समझ गयी,
मैं समझ गयी, तू नहीं समझती,
बातें मेरे मन की
है क्या कारन जो बनी बावड़ी,
तू बनी बावड़ी अपने, जिस प्रियतम की,
संसार बड़ाई करता है,
उस राजा दुर्योधन की,

सावधान मत लेना ये नाम
साफ साफ बतलादो उनका नाम
प्राणो से मेरे प्रीतम, का प्यारा नाम,
कहो, कहो, ले सुन, पर सुनके,
भूल ही जाना सखी री,
ये भेद कही न सुनाना
मेरा प्रीतम है, मत भेदने वाला
क्यारी क्यारी है जिसकी, मोतियों की माला
जिसके आगे सुरपति का संख लजाया
वो बाग में जिसने
प्यारे सखा बनाया
मोहन है मेरे सजन
वो है मेरे साजन
नाम है जिसका अर्जुन
वीर धनुर्धारी
हो गयी उन पर बलिहारी
मैं खिली खिली फुलवारी ।



फिल्म सिन्दूर - चारों ओर अँधेरा

चारों ओर अँधेरा,
बीच भैवर में,
डगमगाये नैया,
घबराये मन मेरा,
चारों ओर अँधेरा,
प्रेम का मंदिर प्रिया की पूजा,
मैं अल्हड मतवाली,
बिखर गयी पूजा सब मेरी,
गिर गयी हाथ से थाली,
काली रात छायी जीवन में,
होगा आगे सवेरा,
चारों ओर अँधेरा,
एक झक्कोरा ऐसा आया,
छूटा संग सहारा,
बिछड़ गयी मुरली होठो से,
रुक गया बिच हमारा,
टूट गया दुःख सपन सलोना,
दुःख ने डाला डेरा,
चारों ओर अँधेरा,
चारों ओर अँधेरा ।

स्वर-शान्ता आए

रिकार्ड नं- HMV-N-26795/26796

फिल्म सिन्दूर - पिया आएगा

पिया आएगा पिया आएगा,
पिया आएगा पिया आएगा,
गोरी सुध न बिसार,
पिया आएगा,
गोरी आँखिया उभार,
पिया आयगा,
गोरी आँखिया उभार,
पिया आयगा पिया आएगा,
गोरी सुध न बिसार,
पिया आएगा,
आस तिहारी रुत मतवारी,
रंग कोमल लहराय,
फूलन के घर चाँद,
हा हा फूलन के घर चाँद,
चढ़ा है जो देखे ललचावे,
हार बढ़ावे, हार बढ़ावे,
अभी नैनो में तो है,
बसायेगा, बसायेगा,
गोरी सुध न बिसार, पिया आएगा,
आज काली ने धूंधट खोला
पिया आएगा ।

स्वर-लता

रिकार्ड नं- HMV-N-26797



इस फिल्म के अन्य गीतों के लिये प्रयास जारी है।

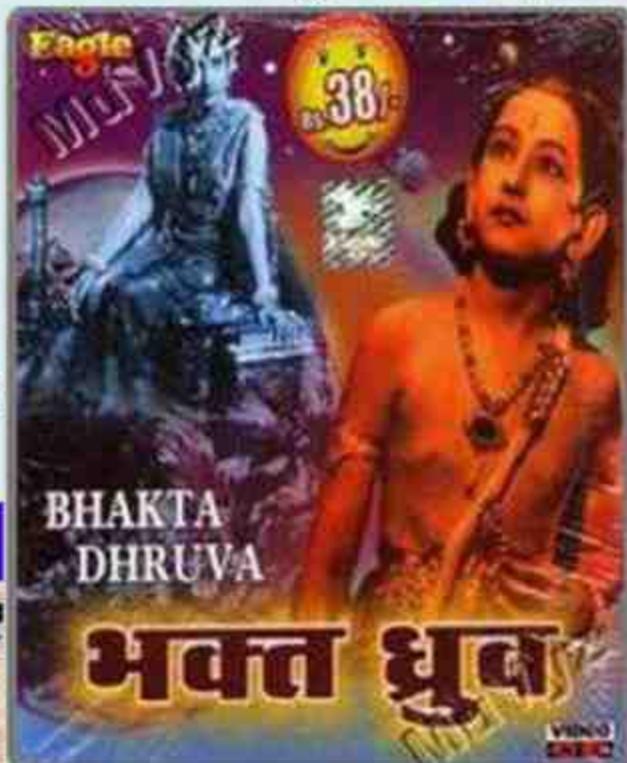
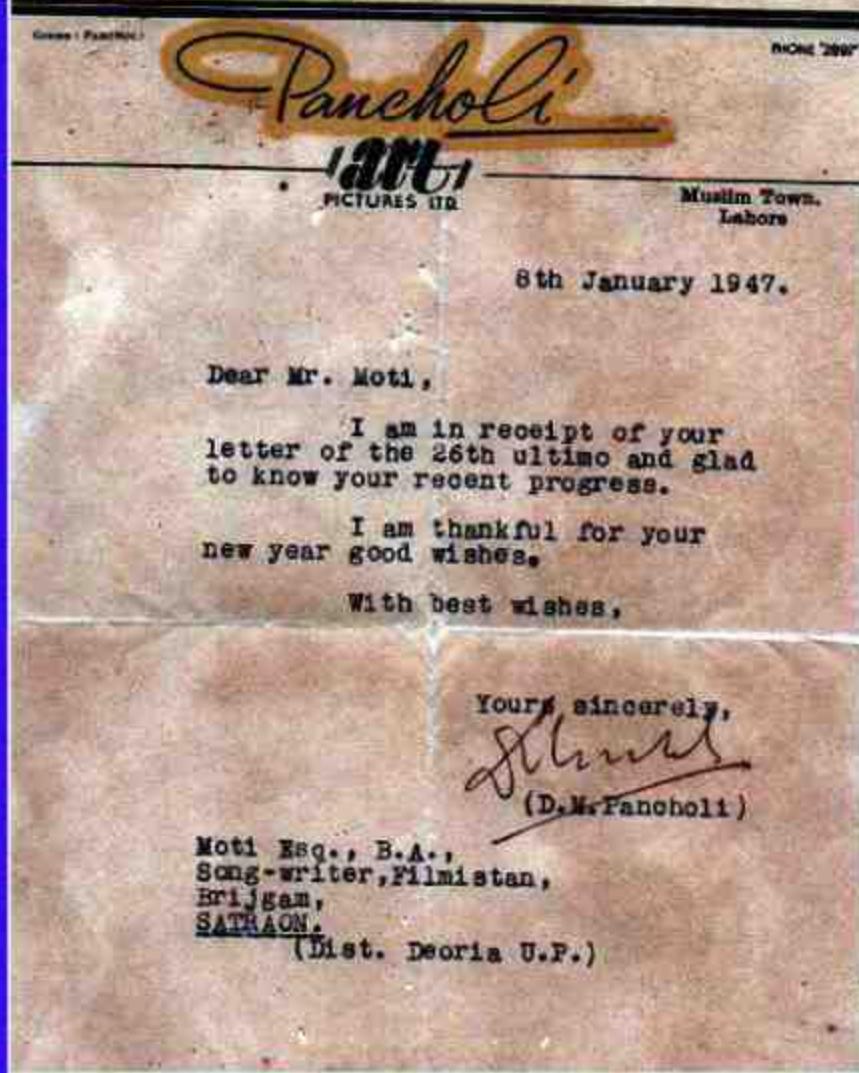


भक्त ध्रुव

इस फिल्म में पहली बार शशि कपूर ने श्री मोती बीए के गीत पर अभिनय किया था।

विजय भट्ट उर्फ बीजू भाई ने श्री मोती बीए को भक्त ध्रुव में गाया। वीजू भाई ने श्री मोती बीए के गीत लिखने को कहा। इसके निर्देशक शान्ति कुमार जी थे। यह प्रकाश पिक्चर्स बम्बई की फिल्म थी। इसके संगीतकार शंकर राव व्यास थे। यह फिल्म आज भी मौजूद है। भक्त ध्रुव के जीवन पर यह केन्द्रित है। इस फिल्म में पहली बार शशि कपूर ने बाल कलाकार के रूप में श्री मोती बीए के गीत पर अभिनय किया था।

पंचोली आर्ट पिक्चर्स का श्री मोती बीए को शुभकामना



इस फिल्म में श्री मोती बीए के आठ गीत हैं।

- 1-प्रभु अपनी झलक दिखलाओ,
- 2-झुलना झुलो मेरे प्यारे लला रे,
- 3-भजन के दिन दो चार,
- 4-दया करो दया करो,
- 5-मेरी नाव पड़ी मझदार पार करो,
- 6-मिलने की रुत आयी सखी रे,
- 7-गावो बधाई रे,
- 8-मंदिर सूना दीप बिन,

इस फिल्म में शेष 5 गीत पण्डित इन्द्र के लिखे हुए हैं। इस फिल्म में शशि



कपूर, मृदुला, जीवन, रमेश सिन्हा, लीला मिश्र ने अभिनय किया था। इस फिल्म में पहली बार श्री मोती बीए के गीत पर शशि कपूर ने बाल कलाकार के रूप में अभिनय किया है।

झूलना झूलो मोरे प्यारे लाल रे



प्रभु अपनी झलक दिखाओ,

प्रभु अपनी झलक दिखाओ,
मुझे अष्टरूप दिखाओ,
प्रभु अपनी झलक दिखा,
जिस रूप को ध्यानि लावे,
औ' योगी योग लगावे,
जो बिराजे हृदय बीच,
तुम ज्योति वही दिखलाओ,
प्रभु अपनी झलक दिखाओ,
नख ज्योति से जग उजियारा,
चरनन चुमत बन माला,
कटि पर पट पिताम्बर,
श्यामल घन बदन निराला,
इस मन का मोह मिटाओ,
प्रभु अपनी झलक दिखाओ,
वो रूप चतुर्भुज न्यारा,
मुख चंद्र बदन उजियारा,
दो नैना कमल सरीखे,
सिर मोर मुकुट अति प्यारा,
हाथों में लेकर शंख चक्र,
और गदा कदम तुम आओ,
प्रभु अपनी झलक दिखाओ,
प्रभु अपनी झलक दिखाओ,
स्वर-मोहनतारा, रिकार्ड नं- N26994

झूलना झूलो मोरे प्यारे लाल रे
छोटे लला मोरे, छोटे-छोटे पाइया,
बड़े-बड़े आस लगी रे, मोरे ललन,
झूलो मोरे प्यारे लाल रे,

पलना निहार और लेवे बलैया,
तेरे माता पिता रे ओ ललना,
तेरे माता पिता रे,
झूलो मोरे प्यारे लाल रे,

सुख की नींदिया सोयो मोरे प्यारे,
आँखों के तारे राजदुलारे,
चंदा को लोरी सुनाओ रे,
मेरे नन्हे को आके सुला रे,
झूलो मोरे प्यारे लाल रे
झूलना झूलो मोरे प्यारे लाल रे
झूलना झूलो मोरे प्यारे लाल रे
झूलना झूलो मोरे प्यारे.

**स्वर-ललिता देवलकर, कृष्ण गाँगुली
रिकार्ड नं- N26995**



भजन के दिन दो चार

मैं मुद मंद मति बालक,
 जग छोड़ सरन में आया,
 तुम दीन बंधु करुणामय,
 जो मुझे अपना दास बनाया,
 मुझे अपना रूप दिखाया,
 अब चरण धूल दे जाओ,
 भजन के दिन दो चार,
 प्राणी भजन के दिन दो चार,
 भजन के दिन दो चार,
 जन्म मरन तूं सुधार रे,
 वाणी से हर नाम ले,
 हाथों से तूं दान दे,
 कानों से सुन महिमा प्रभु की,
 नैनों से रूप निहार रे,
 भजन के दिन दो चार,
 कोई रोता है कोई गाता है,
 कोई जाता है कोई आता है,
 आवा गमन मिटाने को तू
 आवा गमन मिटाने तूं निश दिन
 प्रभु पुकार रे,
 भजन के दिन दो चार
 दूज का बना चंद्रमा,
 बढ़ कर पूरा चंद्र हुआ,

कली फूल होकर यूँ बोली,
 घन घन घन गर्जन हर रे
 भजन के दिन दो चार रे
 भजन के दिन दो चार
 भजन के दिन दो चार प्राणी
 भजन के दिन दो चार
 जय नारायण हर नारायण
 जय नारायण हर नारायण
 जय नारायण हर नारायण
 नारायण नारायण
 नारायण नारायण
 नारायण नारायण
 जय नारायण हर नारायण
 जय नारायण हर नारायण
 नारायण नारायण
 नारायण नारायण
 नारायण नारायण
 जय नारायण हर नारायण
 जय नारायण हर नारायण
 जय नारायण हर नारायण

स्वर-ललिता देवलकर
रिकार्ड नं- N26997/
35175

दया करो, दया करो,

मंदिर सूना दीप बिनु,
 नैया बिन पतवार,
 तख्वर सुना पात बिनु,
 पुत्र बिना परिवार,
 दया करो, दया करो,
 विश्वभर है नाम तुम्हारा,
 सूनी गोद भरो, भरो,
 दया करो, दया करो,
 देख गणन के नौलाख तारे
 मेरी सूनी गोद पुकारे,
 रनझूं रनझूं पग पैजनिया,
 आगे पग धारो,
 दया करो, दया करो,
 जगके तारणहार होतुम तो
 फूल का तारणहार मुझेदो,
 मैं तुम्हरे दर दीप जलाऊ,
 तुम अँधियारा हरो, हरो,
 दया करो, दया करो,
 प्रभु दया करो,

स्वर-ललिता देवलकर
रिकार्ड नं- N26993



मेरी नाव पड़ी मझधार, दुर्लभ-दस्तावेज, फिल्म गिरिधकी के लिए

श्री मोती बीए को पी.एल.संतोषी ने
एसिस्टेंट डायरेक्टर नियुक्त किया था।

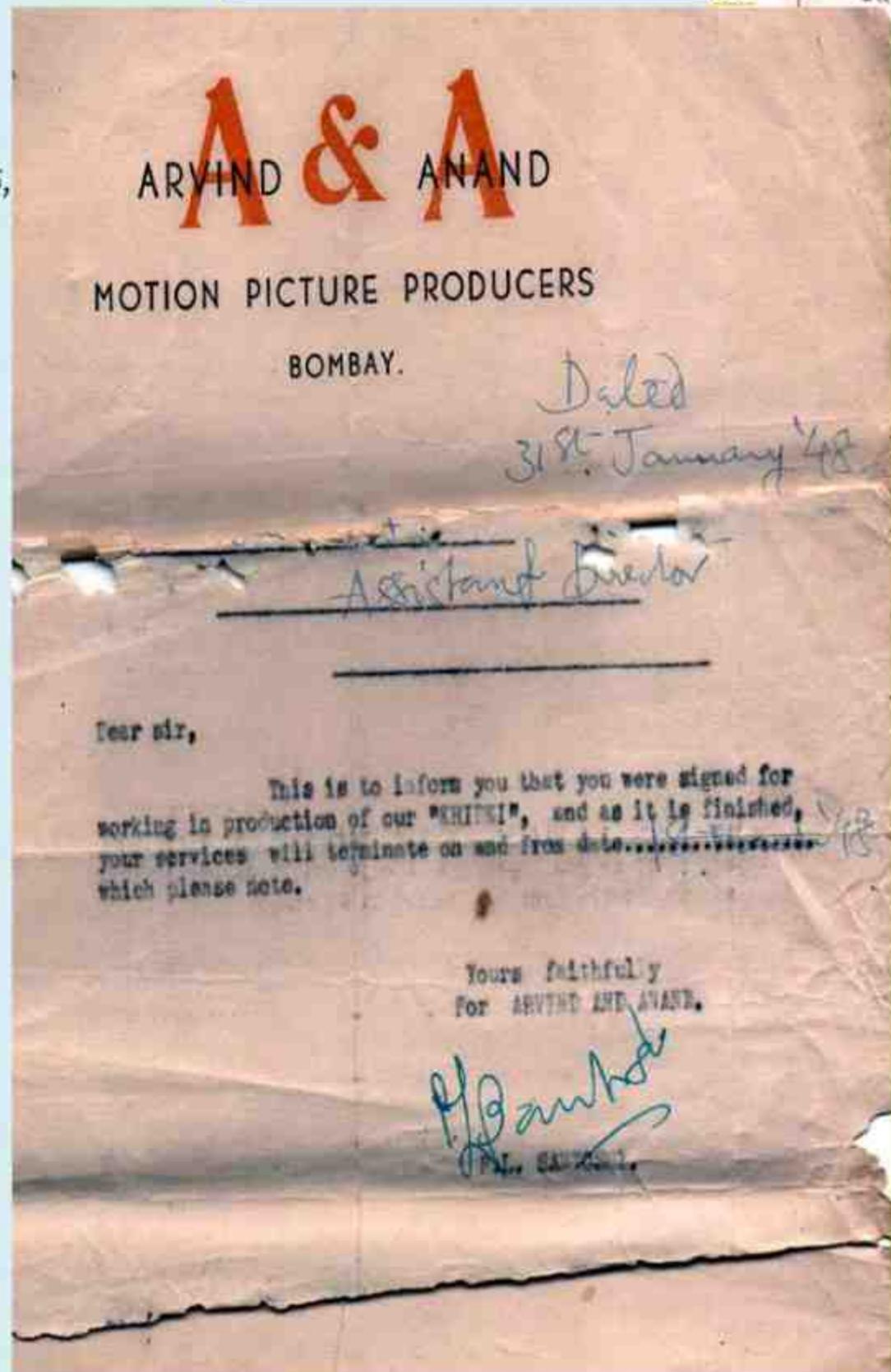
मेरी नाव पड़ी मझधार,
पार करो न करो,
मेरी लाज तुम्हारे हाथ,
बाह धरो न धरो,

थक गयी पूजा दीप जला के,
हार गयी मैं आरती गा के,
मेरी आशा की सूनी गोद-
नाथ भरो न भरो,
मन की बीना तुम्हे सुनाऊं,
आओ आंसू फूल चढ़ाऊं,
मैं तो आन पड़ी द्वार,
विपदा हरो न हरो,

नारायण जय नारायण
नारायण नारायण
श्री नारायण जय नारायण
नारायण नारायण

श्री नारायण जय नारायण
श्री नारायण जय नारायण
श्री नारायण जय नारायण
श्री नारायण जय नारायण.

स्वर- ललिता देवलकर
रिकार्ड नं.- N26996



मिलने की रुत आयी सखी री,

मिलने की रुत आयी सखी री,
खिलने की रुत आयी,

आओ आओ बसंत मनाओ जरा,
आओ आओ बसंत मनाओ,
फूल रानी, फूल रानी,
आओ खिल जाओ, जरा मुस्काओ,
जरा इठलाओ,
आओ आओ बसंत मनाओ जरा

अपने रसिया को कैसे,
बोलती हो तुम,
रुठ जाये तो,
कैसे रीझाती हो तुम,
न कहूँगी किसी से बताओ जरा,
आओ आओ बसंत मनाओ जरा,

ये पवन क्या सदेसा सुनाने लगा,
क्यों पूनम का चंदा लजाने लगा,
ये बतिया है क्या, समझाओ जरा
आओ आओ बसंत मनाओ जरा
आओ आओ बसंत मनाओ.

आओ आओ बसंत मनाओ जरा
आओ आओ बसंत मनाओ.

स्वर- अमीरबाई कर्नाटकी, राजकुमारी
रिकार्ड नं- N26998

गाओ बधाई रे,

गाओ बधाई रे,
सुहागन आँगन आयी,
गाओ बधाई रे,

गाओ बधाई रे,
सुहागन आँगन आयी,
गाओ बधाई रे,

रहे अमर सुहाग तिहारो,
सखी नेहा नेहर को बिसारो,
मानो कि तुम दीप जलायी,
सुहागन आँगन आयी,
गाओ बधाई रे,

सखि घर में लाल खिलाओ,
कुल गौरव मैहका दो,
दीन दुखिओं का दुखड़ा मिटाओ
जनो की पीर हरो रे,
सुहागन आँगन आयी,
गाओ बधाई रे,

गाओ बधाई रे,
सुहागन आँगन आयी,
गाओ बधाई रे,

स्वर- ललिता देवलकर
रिकार्ड नं- N26995



राम बाण

यह फिल्म पौराणिक है। इस फिल्म के निर्देशक विजय भट्ट और संगीतकार शंकर राव व्यास है। इस फिल्म को प्रकाश पिक्चर्स बम्बई द्वारा निर्मित किया गया है। इस फिल्म के गीत इस प्रकार है-

- 1 बनवासी मोरे राम
- 2 बन में आई जानकी
- 3 सीते-सीते-सीते राम-राम का करता पुकार
- 4 भगवान,आओ आओ
- 5 बिना राम जानकी सुनी
- 6 जपो राम-राम-राम-राम
- 7 उठ लखन लाल प्रिय भाई
- 8 तोम तनननन, तोम तनननन

इस फिल्म के गीतकार मोती बीए का एक गीत है और कुछ शेष गीत पं. इन्द्र और नीलकण्ठ तिवारी द्वारा लिखे गये हैं।

इस फिल्म के कलाकार शोभना समर्थ, प्रेम अदीब, उमाकान्त, चन्द्रमोहन, भुजबल, रामसिंह, राज अदीब, लीला मिश्रा, अमीरबाई, जानकीदास, प्रवीण, आनन्द तिवारी, पटेल, वेदपुरी, विमल, धौसास, निर्मल कुमार, लक्ष्मण थाण्डी, सीताराम हैं।



उठ लखन लाल प्रिय भाई

उठ लखन लाल प्रिय भाई,
दशा तुम्हारी देख, राम जी,
की अखियां भर-भर आयी,
उठ लखन लाल प्रिय भाई,
मात पिता पल्ली की माया,
भाई के कारण सब दुख उठाया,
छोड़ अयोध्या का सुख तुमने,
योगी रूप बनाया,
जिस भाई के लिए युद्ध में,
प्राण की बाजी लगाई,
उठ लखन लाल प्रिय भाई,

पहिले मुझे खिलाकर भाई,
और खिलाना सोचे,
अनुज तुम्हारे काम कभी तो,
बात राम की होती,
स्वर्ग पुरी के सुख हित कैसे,
पहिले पहुँचो जाई,
उठ लखन लाल प्रिय भाई
मात कौशल्या और सुभित्रा,
जोहत बात तुम्हारी,
पंथ हेरती हाय उर्मिला,
की अंखियां बेचारी,

आंख मूंदते हुए तुम्हें क्या,
तनिक दया न आई,
उठ लखन लाल प्रिय भाई,
सीता रावण के घर के बन्दी
मेघनाथ चढ़ि आयो,
जगत कहेगा नारी कारण,
राम ने बन्धु गवायो,
धीरज दूतट जात सभी का,
कबसे टेर लगाई,
उठ लखन लाल प्रिय भाई,
स्वर- शंकरदास गुप्ता
रिकाई नं- N35563



सिन्दूर

यह फिल्म सामाजिक है। यह फिल्म, फिल्म इन्डस्ट्रीज की सबसे बड़ी कम्पनी फिल्मस्तान लिमिटेड बम्बई द्वारा निर्मित है। इस फिल्म के निर्देशक और निर्माता किशोर साहू हैं। इस फिल्म के संगीतकार सी. रामचन्द्र और गीतकार नीलकण्ठ तिवारी, कमर जलालाबादी और मोती बोए हैं। इस फिल्म के गीत इस प्रकार हैं-

- 1 ओ मेरे नैना पड़ू तोरे पैया
- 2 मेरे नैना हुए बावले किसी के लिए
- 3 ओ रुठे हुए भगवान
- 4 सिलवा दे रे सजनवा मोहे रेशमी सलवार
- 5 किसी के मधुर प्यार में
- 6 कोई रोके उसे और कह दे
- 7 वो दुनिया बनाने वाले
- 8 बसन्त रितु आई

इस फिल्म में 8 गीत थे जिनमें कुछ गीत कमर जलालाबादी और नीलकण्ठ तिवारी ने भी लिखा हैं। इस फिल्म के संवाद और गीत को लेकर स्टोरी सेट नाम से चार HMV रिकार्ड नं. 24500, 01, 02, 03, 04, जारी हुए थे।

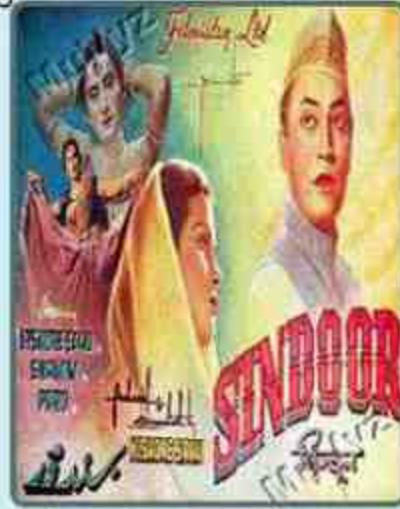
इस फिल्म के कलाकार किशोर साहू, शमीम पारो, गुलाब, राजेन्द्र, रमेश गुप्ता, प्रतिमा देवी, मोनी चटर्जी, सुशील-साहू, किरन प्रवीन, महमूद, शान्ता बाई थे।

ओ मोरे सैया, पड़ू मैं तोरे पैया,
कि तेरे बिना जियरा ना लागे,
आंखों पर मस्ती और लबों पर हँसी है,
दिल में मुहब्बत की दुनियां बसी हैं,
हो मेरे सैया कि तेरे बिना जियरा ना लागे,
ना ना मोरी गुइयां पड़ो न मोरी पइयां,
कि तुम संग जियरा ना लागे,
मेले मैं आके न जाना बलमा
मेले के देखो बहार मोरे बालमा
मेले की बहार बिन बोतल न सुहाय,
हम तो हैं शराबी हमें थोड़ी सी मिल जाय,

ओ मोरे सैया

जो अभी तुने मांगी तो मैं लड़ जाऊंगी,
कुएं में गिर के अभी मर जाउंगी,
अरे रे रे रे तुम्ही हो कैसी दीवानी,
मैने तो मजाक किया सच तुमने मानी।
अब ना हसूंगा ओ मोरी रानी
सच मोरे राजा सच मोरी रानी
ओ कसम से राजा, कसम तोरी-रानी
कि तेरे बिना जियरा ना लागे।

स्वर- पारो और एस.एल. पुरी
रिकार्ड नं- N35005



काफिला

यह फिल्म मुंशी प्रोडक्शन द्वारा निर्मित है। इस फिल्म के निर्देशक अरविन्द सेन थे और संगीतकार भोला श्रेष्ठ और हुस्नलाल भगतराम थे। इस फिल्म में गीत श्री मोती बीए, प्रदीप और वृजेन्द्र गौड़ के हैं। इस फिल्म में कुल 8 गीत हैं जिसमें श्री मोती बीए का बस एक ही गीत है। गीत के बोल इस प्रकार है “ चोरी-चोरी दिल में समाया, सजन मन भाया मैं जान गयी ।” इस फिल्म में उस समय के तीन बेजोड़ गीतकारों ने गीत लिखा था। गीतकार प्रदीप और वृजेन्द्र गौड़ के साथ मोती बीए ने लिखा था। इसमें श्री मोती बीए के गीत के लिए अलग से संगीतकार हायर किया गया था, हुस्नलाल भगतराम को। संगीतकार भोला श्रेष्ठ श्री मोती बीए की धुन को संगीतबद्ध नहीं कर पा रहे थे। निर्देशक को यह गीत मोती बीए के धुन में पसन्द था। इस फिल्म में कलाकार अशोक कुमार, नालिनी जयवन्त, मोतीलाल, रंजन, सुनलिनी देवी, नजीर हुसैन, अमिता, भगवान इत्यादि थे।



फिल्म- काफिला गीत- चोरी-चोरी दिल में समाया, सजन मन भाया, मैं जान गयी

चोरी चोरी हाँ हाँ,
चोरी चोरी दिल में समाया,
साजन मन भाया,
मैं जान गयी हो,
मैं जान गयी हो।
मुंह भी न खोले,
कुछ भी न बोले,
आँखों ही आँखों में,
मस्ती सी गोली,
मैं तो जान गयी,
हो मैं तो जान गयी हो,
कैसे कैसे हाँ, हाँ,
कैसे कैसे जाल बिछाया,

फंसाया रिझाया,
मैं जान गयी हो,
चोरी चोरी हाँ, हाँ,
चोरी चोरी दिल में समाया,
साजन मन भाया,
मैं जान गयी हो,
मैं जान गयी हो,
कोई मेरी दुनिया में,
छुप छुप के डोले,
छुप छुप के डोले,
मैं तो जान गया,
हो मैं तो जान गया,
हो मैं तो जान गया,,

आँखों में नाचे,
और साँसों में डोले,
मैं तो जान गया,
मैं तो जान गया हो,
कैसे, कैसे,
हो, कैसे, कैसे,
दिल को लुभाया,
फंसाया रिझाया,
मैं जान गयी हो,
मैं जान गयी हो ।

स्वर- गीता दत्त, तलत महमूद
रिकार्ड नं- N50054



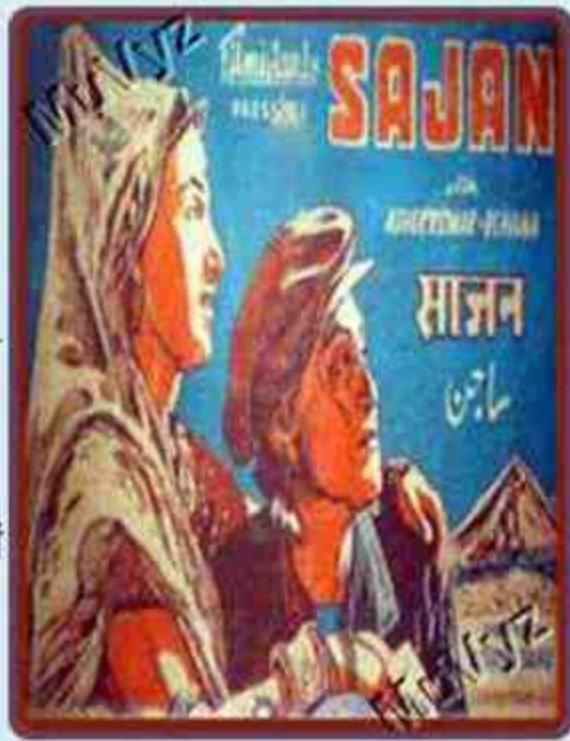


यह फिल्म फिल्मस्तान लिमिटेड, बम्बई, द्वारा निर्मित है। इस फिल्म के निर्देशक किशोर साहू थे और संगीतकार सी. रामचन्द्र। इस फिल्म में गीत मोती बीए, राममूर्ति चतुर्वेदी और कमर जलालाबादी ने दिये थे। इस फिल्म में कुल 9 गीत थे, जिसमें श्री मोती बीए के चार गीत थे। गीत के बोल इस प्रकार हैं-

- 1 तुम हमारे हो न हो
- 2 हमको तुम्हारा ही आसरा
- 3 हम बंजारे संग हमारे
- 4 सेभल-सेभल के जइयो, वो बंजारे

इस फिल्म में कलाकार अशोक कुमार, रेहाना, रणजीत कुमारी, रमेश गुप्ता, सुरेया, लीला मिश्रा, इत्यादि थे। यह फिल्म नायक द्वारा यादाश्त खो देने और खलनायक का नायक के परिवार में प्रवेश करजाने पर आधारित है, जिसमें 'तुम हमारे हो न हो' गीत का अहम रोल है। फिल्म की नायिका रेहाना का अभिनय उत्कृष्ट है।

डाउन मेलोडी लेन में मोहम्मद रफी ने इस गीत के सन्दर्भ में लिखा है कि साजन का गीत 'हमको तुम्हारा ही आसरा' अशोक कुमार द्वारा गाया जाना था लेकिन ऐन वक्त पर सम्प्रदायिक माहौल हो जाने के कारण अशोक कुमार स्टूडियो नहीं पहुँच



पंचौली आर्ट पिक्चर्स लाहौर से बम्बई आने पर सन् 1945 में श्री मोती बीए ने फिल्मस्तान लिमिटेड बम्बई के फिल्म साजन में गीत लिखा जो अप्रत्याशित रूप से काफी हिट हुई और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराही गयी। श्री मोती बीए के इस उपलब्धि पर फिल्मस्तान ने नदिया के पार के सम्पूर्ण गीतों को इनसे लिखवाया।

पाये और यह गीत हमें मिल गया। यह मेरे जीवन का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाने वाला गीत बना। अशोक कुमार ने इस गीत को सुनने पर कहा कि अब मुझे गाने की आवश्यकता नहीं है और इसके बाद उन्होंने फिल्मों में गाना बन्द कर दिया। इस प्रकार श्री मोती का लिखा गया यह गीत एक महत्वपूर्ण गीत है जिसे कई अवसरों पर कई लोगों ने अपने अपने तरीके से गाया है।



फिल्म साजन का गीत-किसको सुनाऊँ हाले दिल

किसको सुनाऊँ हाल-ए-दिल,
किसको दिखाऊँ दर्द-ए-दिल,
तुमको ही बस पहचानती,
तुम हमारे हो न हो,
हमको तुम्हारा ही आसरा-
तुम हमारे हो न हो,
लब पे तुम्हारा ही नाम है,
तुम हमारे हो न हो,
हमको तुम्हारा ही आसरा।
सासो में जब तक आवाज है,
हम तेरे ही गीत गाएंगे,
हम तेरी प्रीत निभाएंगे,
तेरे ही दम से जी रहे,
तुम हमारे हो न हो,
लब पे तुम्हारा ही नाम है,
तुम हमारे हो न हो,
हमको तुम्हारा ही आसरा,
बोलो मुझे तुम जवाब दो,
तुमसे ही मेरा सवाल है,
तेरे लिए बेकरार जो,
उस से ही तूने ये क्या किया,
कदमों पे तेरे है मर रहे,
तुम हमारे हो न हो,
लब पे तुम्हारा ही नाम है
तुम हमारे हो न हो

सम्पदा रंगकल्पना टे

सम्पदा
अप्रैल 2015

पुरानी फिल्मों का अपना एक अलग प्रभाव रहा है। इस प्रभाव के चलते पहले शासन ने सम्पदा ऐसी ही कुछ फिल्मों के सन्दर्भ में उसका विवरण कथानक संहिते पेश कर रहा है। सब प्रथम इस कही में प्रस्तुत है १९८७ में प्रदीपीत फिल्मसान की फिल्म साजन जिसके गीत सम्पदा के सम्बन्ध में भी विवाहित था।

इसे तो ऐसी कथानक की आज
कई फिल्में देखने का मिल जायेगी पर

१९८७ में इसका कथानकों दर्शकों ने खासी सराहा था। इसमें नायक का नाम प्रकाश है जिसका किलदार अशोक कुमार ने बधूबी निभाया है। प्रकाश अमेरिका से ११ वर्षों बाद कमाकर अपने पर लौट रहा है। अनिम यात्रा ट्रेन से करते हुये वह दुर्घटना घ्रस्त हो जा रहा है, जिसमें उसकी बाददाशत चली जा रही है। उसी बात में उसके साथ उसका एक दोस्त भी होता है और उसका भी नाम प्रकाश होता है। दुर्घटना के बाद अपनी सम्पत्ति और बाददाशत के गुम हो जाने के कारण प्रकाश (अशोक कुमार) भटक जाता है और नकली प्रकाश (रमेश गुप्ता) असली प्रकाश के पर पहुंच जाता है।

वर में वह सबको धोखा देने में सफल रहता है पर असली प्रकाश की एली को धोखा नहीं दे पाता। कारण इस फिल्म का गीत हमको तुम्हारा ही आसरा प्रभुष है। एक दिन फनी सच्चायी की स्तोत्र में वर से निकल जाती है। प्रकाश की पत्नी कमला (रेहना) बुम्कड़ त्रिपियों के समूह में चली जाती है। कई परिस्थितियों के बावजूद कमला और प्रकाश नितते हैं। दोनों मिलकर अपने बन को ग्राह तो हैं और सत्य से पर्व उठाते हैं।

इसमें अन्य कलाकारों
में रंजीत कुमारी जिसी नहीं
बिजली, एम एल पुरी जिसियों
के सरदार तथा अनंत प्रभु,
सेमसन, लीला मिश्रा प्रभुष
हैं। इसके डायरेक्टर और ले
वेक किशोर साहू, संगीत सी
रुमधन ने दिया है। इसमें
कुल ८ गाने हैं- १-को बालूनी
गती में छोद चमका, २-मैं हूँ
जल्पुर की बंजारन, ३-सैफत
के ज़इदों वो बंजारे दिल्ली दूर
है, ४-धोर आ गये, ५-
जिसको सुनाऊँ शासे दिल,
६-हम बंजारे संग हमारे, ७-
ठंडी ठंडी रेत ने छज्जूर के तले



Ashok Kumar and Rehana in Sajna 42
www.sampadanews.in/sampadanewspaper



SCNNV



फिल्म साजन का गीत- हमको तुम्हारा ही आसरा

हमको तुम्हारा ही आसरा,
 तुम हमारे हो न हो,
 लब पै तुम्हारा ही नाम है,
 तुम हमारे हो न हो।
 आंखों में कुछ मुस्करा दिया,
 होठों को भी कुछ दबा दिया,
 मैंने जो पूछा सवाल तो,
 पलकों को नीचे झुका दिया,
 दुनियां ही मेरी बदल गयी,
 तुम हमारे हो न हो,
 हमको तुम्हारा ही आसरा,
 धड़कन में तुम हो बसी हुई,
 तड़पन में तुम हो बसी हुई,
 लेकिन हम तुम न मिल सके,
 कैसी ये बेबसी हुई,
 आंखों में जलता चिराग है,
 तुम हमारे हो न हो,
 हमको तुम्हारा ही आसरा,
 दौलत नहीं मुझको चाहिये,
 ऐश और इशरत न चाहिये,
 दोनों जहाँ के मुकाबले,
 तेरी मुहब्बत ही चाहिए,
 हम तो तुम्हारे हैं हो चुके-
 तुम हमारे हो न हो,
 हमको तुम्हारा ही आसरा।

सम्पदा रींकलन ट्रे

सम्पदा अप्रैल 2015

८- हमको तुम्हारा ही आसरा

इसके अनिम चार गीत मोती बी० ए० के लिखे हुये हैं। शेष गीत राम मूर्ति चतुर्वेदी और कमर जलालाबादी के हैं। आवाज मु० रफी, ललिता देवलकर, गीता दत्त, सी रामचन्द्र के हैं। ले बैक सिंगर मु० रफी ने अपनी पुस्तक 'ए जर्नी डाउन मेलोडी लेन' में लिखा है कि १९५७ में दरे की बजह से अशोक कुमार समय से नहीं पहुंचे और मोती का गीत "हमको तुम्हारा ही आसरा" हमें गाने को मिल गया जो मेरे जीवन की अप्रत्याशित हिट सौंग थी।



Ashok Kumar and Rehana in Sajan

फिल्म साजन का गीत- हम बंजारे, संग हमारे

हम बंजारे, संग हमारे, धूम मचाले दुनियों,
 तू भी गाले, होये मौज उड़ाले, तू भी गाले,
 अपने पैरो की ठोकर से, राह बनाले दुनियों,
 हम है मस्त बड़े अलबेले, निसदिन तूफानों से खेलें,
 सर्दी गर्मी तन पर झेले, नगर नगर में, डगर डगर में,
 जहाँ जहाँ जी चाहेगा, उसे-

धूम मचाले दुनियों।

होये मौज उड़ाले तू भी गाले,
 मेरी घाट की मढ़ैया, चांदी सोने की तलैया,
 प्यारा मुखड़ा प्यारी गैया, अपनी दुनियों तीर चलादे,
 अपना बोझ, अपने कंधे, तेरा जहाँ जहाँ जी चाहे,
 ले रंग जमा ले, दुनियों,
 धूम मचाले, झूमे गौए,
 होये मौज उड़ाले, तू भी गाले।



फिल्म साजन का गीत- हमको तुम्हारा ही आसरा

संभल संभल के, संभल संभल के जइयो,
 संभल संभल के जइयो,
 हो बनजारे हो बनजारे,
 दिल्ली दूर है,
 संभल संभल के जइयो,
 मारवाड़ माथे पे चमके,
 नैना चमके काशी,
 मुख में मन, मोहन की मथुरा,
 जो है बरज के वासी,
 रमा जो है बरज के वासी,
 होठों पे है अवध राम की,
 गाल तेरे गुजरात,
 रंग में धरे हो बनजारे,
 दिल्ली दूर है,
 संभल संभल के जइयो,
 संभल संभल के जइयो,
 झुमके में झाँसी वाली की,
 तेज चम-चम चमके,
 बाजू ये बंगाल बॉस की
 कुरबानी से चमके,
 मालव मोरि बेस जवाहर,
 मालव मोरि बेस जवाहर,
 मोती लाल दुलारे,
 हो बनजारे हो बनजारे,
 दिल्ली दूर है,

संभल संभल के जइयो,
 हो संभल संभल के जइयो,
 चुनरी में लहराए तिरंगा,
 मन में भारत घारा,
 जीत लिया दिल्ली हमने,
 जय हिन्द हमारा नारा,
 हो जय हिन्द हमारा नारा,
 कदम रुके न, शीश झुके न,
 हिम्मत भी न हारे,
 हो बनजारे हो बनजारे,
 दिल्ली दूर है,
 संभल संभल के जइयो,
 हो बनजारे हो बनजारे,
 दिल्ली दूर है,
 संभल संभल के जइयो,
 हो संभल संभल के ।

गायक-

किसको मुनाझँ-ललिता देवलकर, रफी N35301

हमको तुम्हारा ही- रफी N35301

**संभल-संभल कर- गीतारौय, ललिता देवलकर,
 रफी N35300**

**हम बंजारे संग हमारे- गीतारौय, ललिता देवलकर,
 रफी N35303**



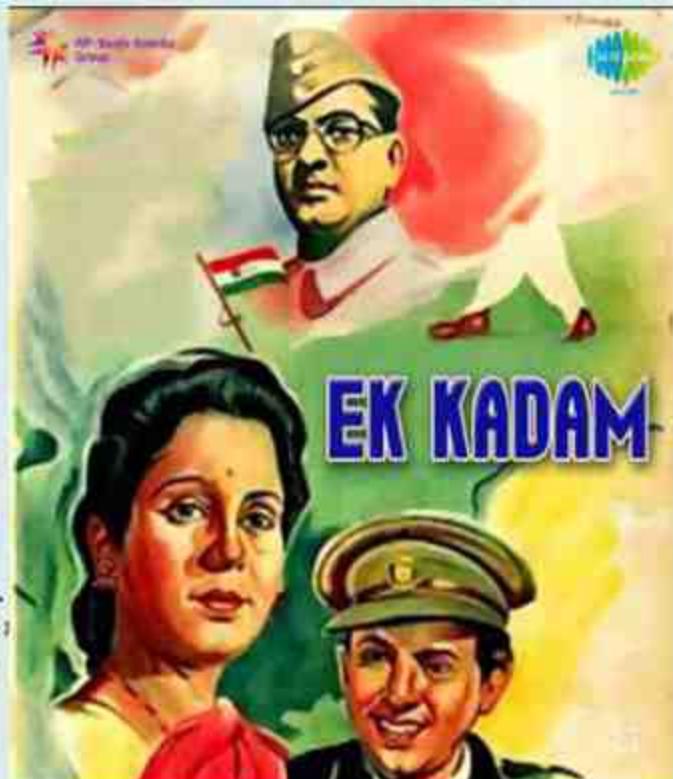
एक कदम



यह फिल्म सनरिच प्रोडक्शन बम्बई द्वारा निर्मित है। यह एक सामाजिक फिल्म है और सुभाष चन्द्र बोष पर केन्द्रित है। इस फिल्म के निर्देशक रमणीक देसाई और संगीतकार प्रकाश नाथ वर्मा हैं। इस फिल्म में गीत अवतार विसारद और मोती बीए ने दिया है। गीत के बोल इस प्रकार है-

- 1 एक और कदम आखिरी कदम
- 2 काटे न कटे मोरे दिनवा
- 3 चलो बिरादर चलो
- 4 तु भी रह मै भी
- 5 पंक्षी भूल गया वो गाना
- 6 अब फिर से
- 7 वो भूलने वाले

इस फिल्म में कलाकार दमयन्ती साहनी, अन्सारी, रामकचलु, गायत्री, बाबू राव। इसके रिकार्ड्स कोलम्बिया रिकार्ड द्वारा बनाये गये।



यह फिल्म सुभाष चन्द्र बोस पर केन्द्रित थी बलराज साहनी की पत्नी दमयन्ती साहनी के बीमार पड़ने और दिवंगत होने से फिल्म के प्रदर्शन में काफी विलम्ब हुआ।

इस फिल्म में 'काटे न कटे मोरे दिनवा' नामक गीत को अशोक कुमार बहुत पसन्द करते थे और इसपर अभिनय करना भी चाहते थे लेकिन यह गीत फिल्मस्तान में न आ सका। बाद में फिल्म एक कदम में इसे मोती बीए ने दिया था।

इस फिल्म में गीतों के रिकार्ड के नम्बर इस प्रकार से हैं-

- | | |
|-------------------------------|------------------------------|
| एक और कदम आखिरी कदम GE3931 | काटे न कटे मोरे दिनवा GE3930 |
| चलो बिरादर चलो GE3930 | तू भी रह मै भी GE3931 |
| पंक्षी भूल गया वो गाना GE3932 | अब फिर से GE3932 |
| वो भूलने वाले GE3933 | |



काटे न कटे मोर दिनवाँ,

काटे न कटे मोर दिनवाँ,
गवनवा कब होई,
किसके अंगनवा जवनवा,
गवनवा कब होई,

नैनन प्यास लगी है,
ऑख मिलने को लगी है,
नीर भरे न मोरे मनवा,
गवनवा कब होई,
माने न कहनवा भवनवा,
गवनवा कब होई,

मन न लगो रे,
सखियन में,
नीर मरी रे अखियन में,
भई रे सजनवा सपनवा,
गवनवा कब होई,
मानेन कहनवा मनवा,
गवनवा कब होई,
काटे न कटे रे मोर दिनवा,

मोहे जवानी सताए,
बात न कोई भाए,
कोई मुझे समझाए,
पिया का मिलनवा,
हो हो गवनवा कब होई,
काटे न कटे मोर दिनवाँ,
गवनवा कब होई,

चलो बिरादरो चलो चलो

चलो बिरादरो चलो चलो
लड़ाए अपनी जान जो
बढ़ाए अपनी शान
भारत की सन्तान
चलो बिरादरो चलो चलो

मौत से कह दो
मरने वालों लेके हाथ में जान
बढ़ाए अपनी शान जो
लड़ाए अपनी शान
भारत की सन्तान
चलो बिरादरो चलो चलो
टपना मान जहों हो
गौरव का निशान

आजादी के मंजिल में
हो जाएंगे कुरबान
हो आधी या तुफान
हर एक दे देंगे जान
तूँ आता है जवान
चलो बिरादरो चलो चलो

स्वर-कुसुममती, जोहरा बाई

देश हमारा, राज हमरा,
नहीं किसी का काम
ना होंगे बदनाम
बढ़ाएं अपनी शान
जो गवाएं अपनी जान
भारत की सन्तान
चलो बिरादरो चलो चलो
इज्जत अपनी धरती
अपनी,
खेती अपना प्राण
भूखे नंगे भाई बहन
जे होते हैं बेजान
तो धरती है वीरान
कहां तेरा स्थान
तू सातो है अंजान

स्वर-कुसुममती, जोहरा बाई
और समूह



पंछी भूल गया वो गाना

पंछी भूल गया वो गाना,
भूल गया आजाद हवाएं,

भूल गया मधुमस्त फिजाए,
अपनी वे उलझन में उलझाए,

अब भूला पंख फैलाना,
पंछी भूल गया वो गाना,

नाम तो उड़ने वाला पंछी,
आज हुआ पिजरे का बंदी,
मस्ती आंखों को देखा वो,

आंख भर भर आया,
पंछी भूल गया वो गाना,

कोटि-कोटि करें के कदमें,
पूरे कर दे वादे अपने,

अपने ही अरमानों से हमने,
भूला पंख फैलाना,
पंछी भूल गया वो गाना,

स्वर-शमशाद बेगम

वो भूलने वाले

वो भूलनेवाले,
इस दिल से तेरी याद,
कोई कैसे निकाले,
कब तक ये जवानी,
जवानी यूही नाशाद रहेगी,
उजड़ी हुई दुनियां,
मेरी बरबाद रहेगी,
कब तक न सुनोगे,
दिले बेताब के नाले
वो भूलनेवाले

मझदार मे नैया, ये नैया,
हो मेरी छोड़ गये हो,
पतवार मेरी छोड़कर,
मुँह मोड़ गए हो,
नैया तुम्हारे शिवा कौन सम्हाले
वो भूलनेवाले

आ जाना कभी शिकवा,
न बेताब करूँगी,
तुम से न गिला कोई ना,
फरियाद करूँगी,
होठों पे लगा लूँगी मै,
अब सब्र के प्याले,
वो भूलनेवाले,

स्वर-शमशाद बेगम



एक और कदम

एक और कदम,
आखिरी कदम,
मंजिल अब कुछ भी दूर नहीं,
हम भी इतने मजबूर नहीं,
साथियो, उठाओ आज कदम,
एक और कदम,
आखिरी कदम,
दिल से गद्दारी हुई,
बन्धन की कड़ियों चूर हुई,
मन में स्वतन्त्रता दीप जला,
अधियारी देखो दूर हुई,
सामने चमकता आजादी का,
सिंहासन चमचम चमचम,
एक और कदम,
आखिरी कदम,
जिस ताकत से हम खड़े रहे,
उस ताकत से ही मंजिल पर,
पल भर में ही पहुँचेंगे हम,
एक और कदम,
आखिरी कदम,
एक नयी रोशनी आज जगी,
नस नस में आग नयी सुलगी,
हम कोटि कोटि भारतवासी,
सब की आशा की कली खिली,
बस इसी के आग से,
बस इसी के आग से हम,
स्वदेश में,
सुख के दिये जलायेंगे,

सारी दुनियां हो चकाचौंध,
हम ऐसी ज्योति जगायेंगे,

हम एक खून,

हम एक जान,

हिन्दू हों या हों मुसलमान,

दुनिया में है हम किससे कम,

एक और कदम,

आखिरी कदम,

हम जेल गये कोड़े खाये,

पर नहीं जरा भी घबराये,

बस एक आन पर डटे रहे,

माता का दूध न शरमाये,

हम लोगों की कुरबानी से,

बस एक और अटके से ही,

फिर खिलें जर्मीं पर फूल नये, आखिरी बन्द भी टूटेगा,

बस इसीलिए लाठी खायी, अब एक और ठोकर से ही,

और फॉसी पर भी झूल गये, यह घड़ा पाप का फूटेगा,

हम आगे बढ़ते गए और, दुनियां में अमन चैन फैले,

दुश्मन ने फेंके बम पर बम, घरघर में सुख के दिये जलें,

एक और कदम,

आखिरी कदम,

स्वर-शमशाद बेगम, रक्षी



EK-KADAM

भारत माता की गोदी में,

कितने परदेशी सुख पाये,

अपने बच्चे जैसे मॉ ने,

सबके ही सुख अपनाये,

वह माता दुनिया की माता,

दिन काट रही हैरानी के,

चक्कर में पड़ी हुई है मॉ,

शैतानों की शैतानी के,

बस एक और अटके से ही,

फिर खिलें जर्मीं पर फूल नये, आखिरी बन्द भी टूटेगा,

बस इसीलिए लाठी खायी, अब एक और ठोकर से ही,

और फॉसी पर भी झूल गये, यह घड़ा पाप का फूटेगा,

हम आगे बढ़ते गए और, दुनियां में अमन चैन फैले,

दुश्मन ने फेंके बम पर बम, घरघर में सुख के दिये जलें,

हम वह दिन फिर से लायेंगे,

हम आगे बढ़ते जायेंगे,

जबतक हममें हैं,

दम में दम,

एक और कदम,

आखिरी कदम ।



वीर घटोत्कच उर्फ सुरेखा हरण

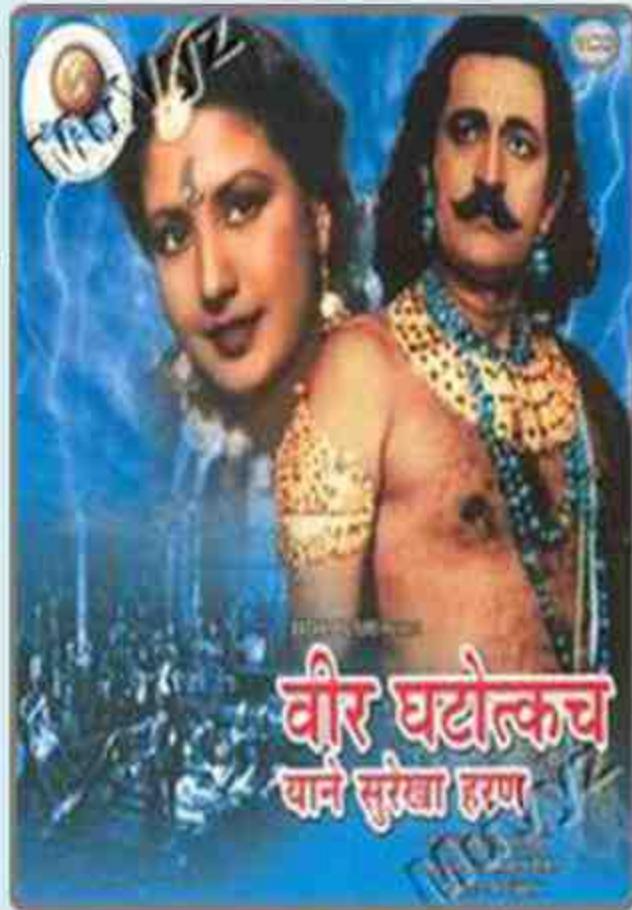


वीर घटोत्कच उर्फ सुरेखा हरण, बसन्त पिक्चर्स, बम्बई द्वारा निर्मित नाना भाई भट्ट द्वारा निर्देशित फ़िल्म है। इसमें गीतकार मोती बीए, रमेश जोशी, अंजुम रहमानी, सरस्वती कुमार दीपक थे।

यह एक पौराणिक फ़िल्म है। इस फ़िल्म में बसन्त पहलवान, साहू मधोक, निरंजन शर्मा, मीना कुमारी, सुमिति गुप्ता, सोना चटर्जी, एस. एन. त्रिपाठी कलाकार थे। इसमें संगीतकार एस. एन. त्रिपाठी थे। इस फ़िल्म में कुल 9 गीत थे जिनमें श्री मोती बी.ए. के तीन गीत हैं।

- १- कहाँ चली वो वृज की बाला
- २- मोरे दरश दीवाने नैन
- ३- गोरी अंखिया से अंखिया

इस फ़िल्म का वीडियो उपलब्ध है। इसमें ‘कहाँ चली वो’ का फी हिट हुआ था।



गीत- कहाँ चली वो वृज की बाला

कहाँ चली ओ वृज की बाला,
सिर पर लिए गगरिया,
छेड़ा करो न ओ नंदलाला,
छोडो मोरि डगरिया,
वृन्दावन की कुंज गली,
आओ रास रचाए,
जमुना तट पर चल कर सजनी,
गीत मिलन के गाए,
मैं हूँ ग्वाला,

मेरी मुरली वाला, तुम हो मेरी गुजरिया,
तुम हो मेरी गुजरिया,
कहाँ चली ओ वृज की बाला,
सिर पर लिए गगरिया,
पनिया भरन को जाती हूँ मै,
देखे सखियों सगरी, छेड़ छाड़ में तूँ टँगाये,
माटी की है गागरी, छैल छबीले शाम हठीले,
चला न करो सांवरिया, छेड़ा करोन ओ नंदलाला,
छोडो मोरि डगरिया, छोडो मोरि डगरिया।

स्वर- मोहनतारा, रोहिणी राय



मेरे दरस दीवानी नैन रे



ओ राधा रानी रूप सजा के,
प्रीत जता के,
खोली प्रेम की डोरी,
ओ बंसी वाले, बंसी बजा के,
चल दिए,

मेरे दरस दीवानी नैन रे,
पिया काहे, पिया काहे, देर लगाए,
हो पिया,
काहे देर लगाए,

तेरे प्रेम में बनी बावड़ी,
काहे सुध बिसराई,
तेरे नाम की माला जपती,
पी की रटन लगायी,
मेरे मन को न भाये,
रे, पिया काहे,
पिया काहे, देर लगाए,
हो पिया, काहे देर लगाए,

नीले गगन में,
चंदा चमके,
मन में आग लगाए,
मैं तो देखूँ बाट पिया की,
नैनो में दीप जलाये,

मेरी बैरन हो गयी,
रेन रे,
पिया काहे देर लगाए,
हो पिया,
काहे देर लगाए,

इस बिरहन को भूल गए,
जो रो रो,
तुझको बुलाये,
तेरे पथ पे खड़ी रही,
पिया भूले से न आये,
तेरे पथ पे खड़ी रही,
पिया भूले से न आये,

तेरा पथ निहारे,
नैन रे,
हो पिया काहे,
हो पिया काहे,
देर लगाए,

मेरे दरस दीवाने नैन रे,
पिया काहे, पिया काहे देर लगाए,
हो पिया काहे देर लगाए।

स्वर-गीता दत्त



ममता

यह एक सामाजिक फ़िल्म है और यह फ़िल्म सनराईज पिक्चर्स बम्बई द्वारा निर्मित है। इस फ़िल्म के निर्देशक गुंजल थे। इस फ़िल्म में कुल 8 गीत थे। जिनमें 1 गीत मोती बीए का है जो कि इस प्रकार का है-

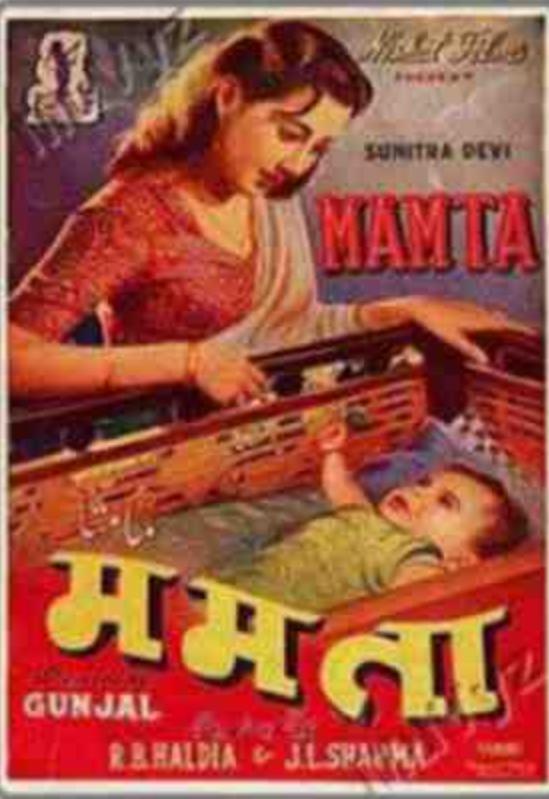
‘भोर भई इक परी गगन से उतरी’

शेष 7 गीत वर्मा मलिक, श्याम और शिवान रिजवी का है। इस फ़िल्म के संगीत-कार सोनिक ओमी थे। फ़िल्म के कलाकर सुमित्रा, उल्हास, पारो, राजन हक्सर, रमेश, कमल मेहरा, और चित्रलेखा थे।

सम्पदा फ़िल्मी पटकथा

गई जून 2015

ममता 1952



बैनर- निशान्त फ़िल्मस्
प्रदर्शन- 01 जनवरी 1952

प्रोड्यूसर- आर० बी० हल्डिया और जे० एल० शर्मा
डायरेक्टर- गुंजल

संगीत- सोनिक और हंसराज बहल

गीत- मोती बी० ए०, वर्मा मलिक, शेवान रिजवी, श्याम गायक- मुबारक बेगम, गीता दत्त, रफी, मुकेश, प्रेमलता,

सुलोचना, श्याम कुमार

कलाकार- सुमित्रा देवी, उल्हास, मिर्जा मुसरफ, राजन हक्सर, कमल मेहरा, चित्रलेखा

www.sampadanews.in/sampadanewspaper

सम्पदा न्यूज

नेटवर्क ने महाकवि मोती बी० ए० के फ़िल्मी संस्करणों और गीतों को संकलित करने का प्रयास कर रहा है। मोती बी० ए० ने 1952 में फ़िल्मों से सन्यास ले लिया था। उन्होंने लगभग 70 से अधिक फ़िल्मों में गीत लिखे। समय के साथ अब उनका मिलना कठिन हो गया है। सम्पदा ने लगभग 50 फ़िल्मों का संकलन तैयार कर रखा है जो क्रमशः आपके सामने प्रकाशित कर रहा है।

प्रस्तुत फ़िल्म ममता में कुल आठ गीत थे, लेकिन आज सिर्फ़ एक गीत ही सुनने को मिलता है। इसमें मोती बी० ए० का एक ही गीत था। ‘भोर भई इक परी गगन से उतरी’ यह गीत रिकार्ड तो 1948 में मुकेश की आवाज में हुआ था पर फ़िल्म को 1952 में प्रदर्शित होने के कारण मुकेश का प्रथम गीत नहीं गाना जा सका। लेकिन मुकेश के

सफलतम् गीतों में इसे माना जाता है। शीघ्र ही इन गीतों को हम सम्पदा के वेबसाईट पर

-कमलेश यादव, विशेष प्रधिनिधि

बड़का गाँव, बरहंज

30
www.sampadanews.in/sampadanewspaper
SCNN

30

SCNN

30



हाँ भोर भई,
हाँ भोर भई,
एक परी गगन से उत्तरी,
हाँ भोर भई,

लाल रंग की साड़ी पहने,
अंग-अंग फूलों के गहने,
परबत ऊपर खड़ी अकेली,
फहराती चुनरी,
हाँ भोर भई,

आँखों में संसार बसाये,
होठों में है प्यार छुपाए,
छवि दिखलाती लट लहराती,
छलकाती गगरी,
हाँ भोर भई,

कलियों के मन को ललचाये,
नीचे नैनों में शरमाये,
मेरे मन में बसी सुंदरी,
मुझ से दूर खड़ी,
हाँ भोर भई,
एक परी गगन से उत्तरी,
हाँ भोर भई।

रिकार्ड नं- N50297

सम्पदा टॉकलन ट्रै

सम्पदा

मई जून 2015

कथावक- फिल्म ममता

इस फिल्म की कहानी एक औरत के अपने संघर्ष की कहानी है। एक ही शहर के दो धनी सम्पन्न परिवार के अरुणा और विनोद बवधन के दोस्त हैं। विनोद अरुणा से मौन समर्पित प्यार करता है और यह मानता है कि अरुणा भी उसे ऐसा ही प्यार करती है घर अरुणा एक कवि अरविन्द के प्यार में खो जाती है। अरुणा और विनोद की गहरी दोस्ती देखकर उनके घर बाले अरुणा के जन्म दिन पर कवि अरविन्द के सामने विनोद से सगाई का ऐलान कर देते हैं। अरविन्द को सदमा लगता है। वह अपने को अपमानित महसूस करता है और पार्टी से बाहर चल देता है। अरुणा भी उसके पीछे चल देती है। वह कुछ नहीं जानती इस बात की सफाई देती है। अरविन्द अपनी गरीबी का एहसास करता है पर अरुणा उसके हाथ में अपना हाथ ढालकर नजदीक के मन्दिर में एक दूसरे को जीवन साथी मानने का सौभग्य खाते हैं। वह घटना सुनकर विनोद आवाक् रह जाता है। इसपर अरुणा उसको यह बाद बाद दिलाती है जहाँ विनोद कहता है कि अरुणा यदि उस आदमी से शादी करती है जिससे वह प्यार करती है तब विनोद बनमाला से शादी करेगा जो उसे बधपन से चाहती है, जो हमेशा विनोद की उपेक्षा की शिकार होती रहती है। इस प्रकार विनोद बनमाला से शादी करके जीवन बिताने लगता है।

शादी के बाद विनोद विश्व कवि समेलन दिल्ली में करवाता है जिसमें वह महाकवि का खिताब जीतता है। घर लौटते समय पंजाब मेल से एक्सीडेण्ट में वह मर जाता है। गरीब अरुणा किया हो जाती है। इतना ही नहीं अरुणा के पिता भी चल बसते हैं और वह सम्पत्ति विहीन हो जाती है। इसी त्रासदी में अरुणा एक बच्चे को जन्म देती है। संयोग से बनमाला भी उसी समय एक बच्चे को जन्म देती है पर उसका बच्चा मरा हुआ पैदा होता है। बच्चे आपस में बदल जाते हैं। बनमाला अरुणा के बच्चे को अपना बच्चा नामकर पालती है। इधर अरुणा को यह बताया जाता है कि उसका बच्चा मर गया है। बाद में अरुणा सच्चाई जान जाती है लेकिन तब तक बहुत देर हो गया होता है। अरुणा को नदद नहीं मिल पाती है और असहाय होकर वर्षा अपने बच्चे को पाने के लिये प्रवास करती है इस आशा में कि किसी ना किसी दिन उसका बच्चा उसे मिलेगा और उसे बो गोद में खिलायेगी।

यह अपने समय की एक सफल फिल्म है।

CAST of Manta



Ulhas



Rajen Haksar



Paro Devi



Sunitra Devi



Mirza Bushra



Rama Bai



Bhagwan Sampadan



रिमझिम

यह फिल्म किशोर साहू प्रोडक्शन, हिन्दुस्तान चित्र, बमाई द्वारा निर्मित है। इस फिल्म के निर्देशक रमेश गुप्ता और सुशील साहू थे। इस फिल्म में गाया गया गीत 'मेरे घर के आगे हैं, दो दो गलियाँ' अमर सिंह द्वारा गाया गया था।



के संगीतकार खेम चन्द्र प्रकाश थे। गीतकार मोती बीए और भरत व्यास थे। इस फिल्म में कुल 10 गीत थे जिनमें 2 गीत मोती बीए के थे।

- 1 हवा तु उनसे जाके कह दें
- 2 मेरे घर आगे दो दो गलियाँ

अन्य भरत व्यास के हैं। इस फिल्म में कलाकार किशोर साहू, रमोला, मुबारक, मोहना, जानकी दास इत्यादि थे।

गीत - मेरे घर के आगे हैं, दो दो गलियाँ

मेरे घर के आगे हैं, दो दो गलियाँ, दो दो गलियाँ,
एक जाये साहब के बँगले को, एक जाये जहाँ रहे,
भोली मलिनियाँ, हो हो हो, दो दो हैं गलियाँ,
मेरे घर के आगे,
बँगले में है इक साहब की छोरी, चट पट गोरी,
गोरी छोरी, सीटी बजावे, हमको बुलावे,

बोले अँगरेजी बतियाँ, गिटपिट गिटपिट, होहो हो,
मेरे घर के आगे हैं,
बगिया में आजा, ओ मोरे राजा, टूटी झोपड़िया
में रहनेवाली, मालन की छोरी, है भोली भाली,
हमके देख के गावे कजरिया, हाय रामा, देख के
गावे कजरिया, गावे कजरिया डाले झुलनियाँ,
हो हो हो, मेरे घर के आगे हैं।



गीत-हवा तू उनसे जाकर कह दे इक दीवाने आया है

हवा तू उनसे जाकर कह दे,
इक दीवाने आया है,
तेरी सूरत पे मरनेवाला,
इक परवाना आया है,

जब से मतवाली आँखों,
से आँखे हुयी हैं चार,
तुमको देखे बिना ना तब,
से मिलते हुए करार,
यही अफसाना लाया है,
तेरा दीवाना आया है,
हमको तुमसे तुमको,

हमसे, दिल को दिल से काम,
दिलवालों के लब पे रहता,
है दिलबर का नाम,
अजब मस्ताना आया है,
तेरा दीवाना आया है,

मिल जाए दीदार मुझे,
मैं हो जाऊं कुर्बान,
एक झलक दिखला दो रानी,
दे दूँ अपनी जान,
यही नजराना लाया है,
तेरा दीवाना आया है,

गीत- मेरे घर के आगे हैं, दो दो गलियाँ, स्वर- किशोर कुमार और शमशाद बेगम

गीत- हवा तू उनसे जा के कह दे, इक दीवाना आया है, स्वर- एसी



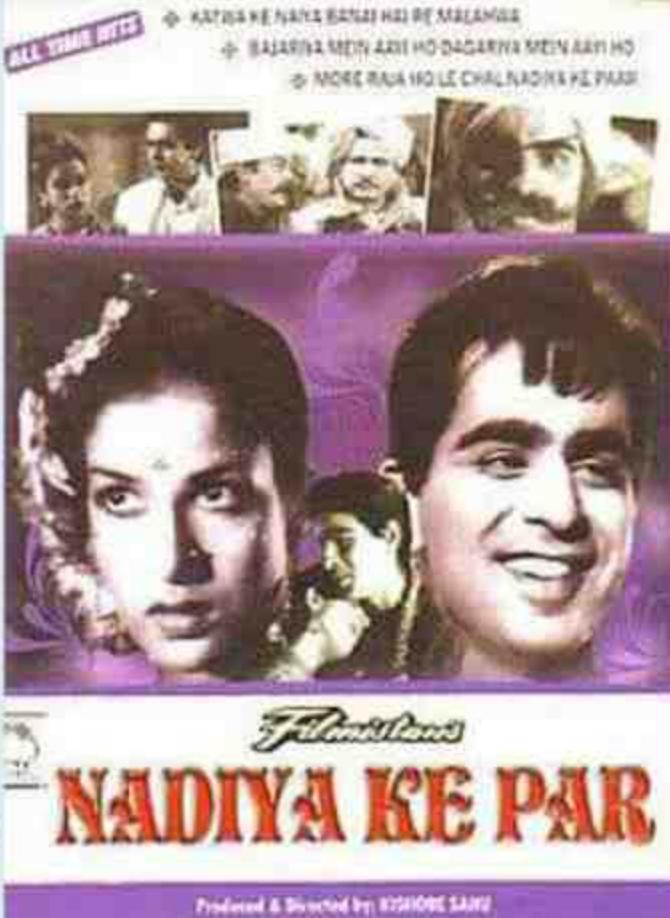
नदिया के पार

यह फिल्म फिल्मस्तान लिमिटेड बम्बई, द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 18 दिसम्बर 1948 को प्रदर्शित हुई थी। इस फिल्म के निर्देशक किशोर साहू थे। इस फिल्म में संगीत सी. रामचन्द्र ने दिया है। गीत मोती बीए गीत ने लिखा है। गीत के बोल इस प्रकार है-

- 1 नन्हीं सी जान में
- 2 मेरे राजा हो
- 3 कठवा के नईया
- 4 बजरीया में अझो
- 5 दिल लेके भागा
- 6 दिल काहू को देबना
- 7 वो गोरी ओ छोरी
- 8 अंखिया मिला के

इस फिल्म में कलाकार- कामिनी कौशल, दिलीप कुमार, सुशील साहू, रमेश गुप्ता, डेविड, माया बनर्जी, गुलाब, एस. एल पुरी, हरी शिवदासानी, सैम्सन, कान्ता कुमारी, सत्यनारायण, तिवारी इत्यादि थे। यह फिल्म भारत की प्रथम ऐसी फिल्म है जिसमें पहली बार भोजपुरी गीतों का प्रयोग हुआ। इसमें सात गीत भोजपुरी के गीतकार श्री मोती बीए के कहने पर रखे गये थे। इन गीतों के रिकार्ड एच एम वी कम्पनी द्वारा बनाये गये थे। उपर्युक्त क्रम संख्या के ही क्रम में रिकार्ड नंबर क्रमशः N35676, N35676, N35675, N35701, N35700, N35701, N35700, N35675 हैं। इसकी सफलता को लेकर इसका दुबारा एल पी रिकार्ड 25 वर्ष बाद 1973 में एच एम वी ने बनाये थे। ये फिल्म आज भी उपलब्ध है।

यह फिल्म भारत की प्रथम ऐसी फिल्म है, जिसमें पहली बार भोजपुरी गीतों का प्रयोग हुआ।



गीत-नहीं सी जान में है जवानी का सितम क्यों,

नहीं सी जान में है
जवानी का सितम क्यों,
रग रग में नशा और
नशे में है दर्द क्यों,

ये इस लिए के जिन्दगी
में प्यार किया जाए,
ये इस लिए के जिन्दगी
में प्यार किया जाए,
दो चार दिन यह
प्यार से गुजार दिया जाये,
दो चार दिन यह
प्यार से गुजार दिया जाये,

हाँ दो दिल जब एक होते हैं
तब दो बाणे हैं क्यूँ,
मिलने की तमन्ना है मगर
मिलते नहीं हैं क्यों,

ये इस लिए के दिल पे
दिल निसार किया जाये,
ये इस लिए के दिल पे
दिल निसार किया जाये,
दो चार दिन यह
प्यार से गुजार दिया जाये,

दो चार दिन यह
प्यार से गुजार दिया जाये,

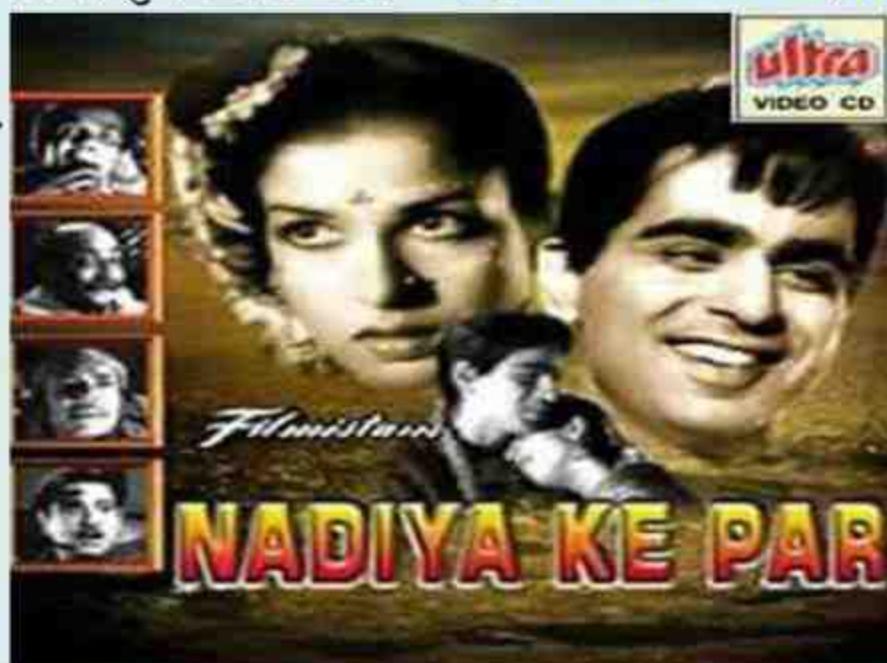
हाँ आँखों से आँख मिल गई
फिर भी न चैन क्यूँ,
हाँ पहचान हो गई
मगर बेवसी है क्यों,

ये इस लिए कि इश्क का
इजहार किया जाये,
ये इस लिए के इश्क का
इजहार किया जाये,
दो चार दिन यह
प्यार से गुजार दिया जाये,
दो चार दिन यह
प्यार से गुजार दिया जाये,

हाँ इन मस्त निगाहों से पूछो
परेशानियाँ है क्यूँ,
बेताब दो दिलों में यूँ
जवानियाँ है क्यों,

ये इस लिए के अब ना
इंतजार किया जाये,
ये इस लिए के अब ना
इंतजार किया जाये,
दो चार दिन यह
प्यार से गुजार दिया जाये,
दो चार दिन यह
प्यार से गुजार दिया जाये।

स्वर-शमशाद बेगम और रफी



गीत-मोरे राजा हो, ले चल नदिया के पार

ओ ओ ओ ओ
हा हा हा हा हा
मेरे राजा हो, हो मेरे राजा हो,
ले चल नदिया के पार,
मेरे राजा हो
ले चल नदिया के पार,
मेरी रानी हो तुम्ही
मोरि प्राण अधार,
मोरी रानी हो तुम्ही
मोरि प्राण अधार,
तूने ऐसा जादू डारा
बिक गयी तेरे हाथ,
तूने ऐसा जादू डारा
बिक गयी तेरे हाथ,
जनम जनम तक संग रहूंगी,
जनम जनम तक संग रहूंगी,
कभी न छोड़ो
साथ, मेरे राजा हो,
हमको तू देहो न बिसार,
मेरी रानी हो
तुम्ही मेरी प्राण अधार,
हो मेरे राजा हो
ले चल नदिया के पार,
मेरी रानी हो
तुम्ही मेरी प्राण अधार,

हो मेरे राजा हो
ले चल नदिया के पार,
मेरी रानी हो
तुम्ही मेरी प्राण अधार,
मेरे राजा हो
ले चल नदिया के पार,
ओ मेरी रानी हो
तुम्ही मेरी प्राण अधार,
प्यार की मीठी बातों
में साजनवा
मैं गयी हार,
प्यार की मीठी बातों
में साजनवा
मैं गयी हार,
प्यारी तेरी आँखों में मैं,
प्यारी तेरी आँखों में,
मैं भूल गया संसार,
मेरी आँखों में
झुलि है सुरतिया तोहार,
मेरी साँसों में
गूँजे है नाम तोहार,
मेरे राजा हो
ले चल नदिया के पार
गीत में चिन्हित पंक्तियाँ
सेसर द्वारा काट दी गयी।
देश के बाहर बिकने वाले
रिकार्ड में अभी भी
उपलब्ध है।

स्वर-शमशाद बेगम और एफी



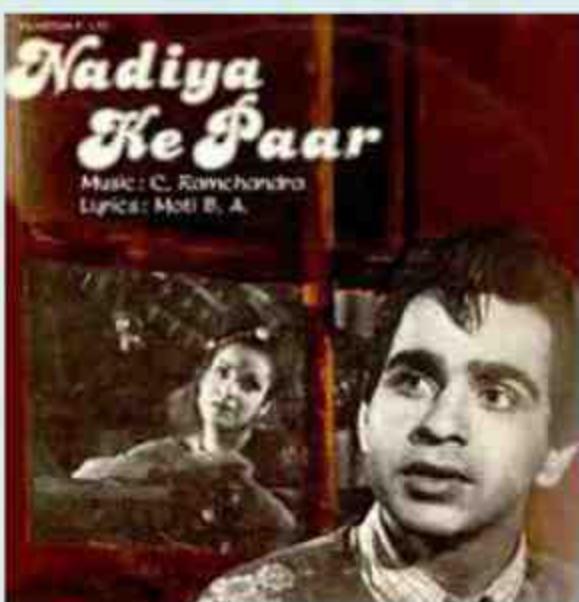
गीत-कठवा के नईया

कठवा के नैया
 बनाइहे रे मलहवा
 नदिया के पार दे उतार,
 अहा अहा हा,
 छपक छपक चले
 हो छपक छपक चले,
 तोरी नैय्या रे मलहवा,
 आयी पुरवाई के बहार,
 अहा अहा हा,
 अहा अहा हा,

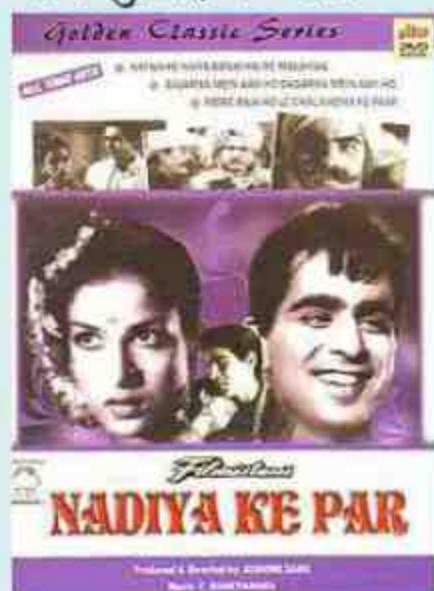
नदिया किनारे तोरी
 अखियाँ से अखियाँ मोरी,
 मिली हो सांवरिया,
 नैया लिए जाए तोहे,
 कछु न सुहाय मोहे,
 तरसे नजरिया हो,
 तरसे नजरिया,
 राम जी लगाइह पार हो
 राम जी लगाइह पार,
 ओ हो हो,
 कठवा के नैया
 बनाइहे रे मलहवा,
 नदिया के पार दे उतार,

नदिया के पार
 गोरी नदिया के पार,
 हो नदिया के पार गोरी
 देखे मोही चोरी चोरी
 मारे हो नजरिया,
 जियरा के बीच बसे
 अखियाँ के बिच हंसे,
 गोरी की सुरतिया हो,
 गोरी की सुरतिया,
 हमको है आसरा तोहर हो,
 हमको है आसरा तोहर,
 कठवा के नैया
 बनाइहे रे मलहवा
 नदिया के पार दे उतार
 अहा अहा हा,

स्वर-ललिता देवलकर, सी. रामचन्द्र



ए हो परदेशिया
 मोरे मनबसिया,
 भूल मत जइयो,
 नदिया किनारे कभी,
 जब याद मोरी,
 चुपके से अइहो राजा
 चुपके से अइहो
 आउंगी कर के सिंगार
 कठवा के नैया, बनइहे
 मलहवा, नदिया के पार दे
 उतार, अहा अहा हा
 छपाक छपाक चले
 हो छपाक छपाक चले,
 तोरी नैय्या रे मलहवा,
 आयी पुरवाई के बहार

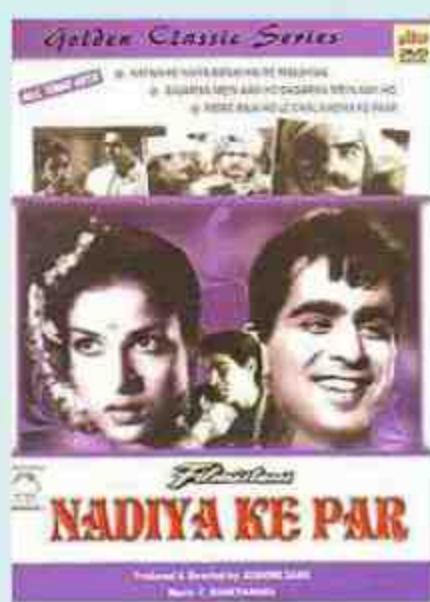
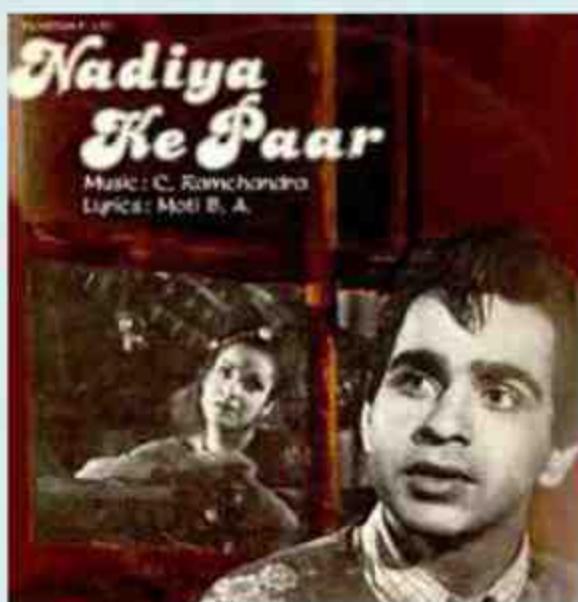


गीत-बजरिया में आईहो

नजरिया में आईहो
 डगरिया में आईहो
 बजरिया में आईहो
 हो आईहो हो आईहो
 हो सांवरिया मोर,
 सुरतिया दिखाई हो
 करेजवा लगाईहो
 झोपड़िया में आई हो
 हो आई हो हो आई हो
 हो गुजरिया मोर,
 हो जब बदरा घिर घिर आये,
 रह रह जियरा मोरा डराये,
 दुखवा हाय कहा न जाय,
 तुम बिन जरा चैन न आये,
 रैन न भाये, नैन घबराये,
 नजरिया में आयी हो
 हो आयी हो
 हो सांवरिया मोर
 हो गोरिया लहरे
 तोहार चुनरिया
 हो गोरिया बाली है
 तोहर उमरिया,
 हो गोरिया,
 हो गोरिया लचके,
 तोहर कमरिया;

मुझसे हाय सहा न जाए,
 कहा न जाए, रहा न जाए,
 आय हाय हाय,
 सुरतिया दिखाईहो
 गुजरिया मोर,
 ओ बन ठन चलि बजरिया घारे,
 मोरि अँखियाँ तोहे पुकारे,
 साजन जल्दी से आ जा रे,
 आ जा रे, जल्दी से आ जा रे,
 तुम बिन पिया नैन न माने,
 हुए दीवाने, न दुनिया जाने,
 हाय हाय हाय, नजरिया में आयी हो,
 डगरिया में आयी हो, बजरिया में आयी हो,
 हो आईहो हो आईहो, हो सांवरिया मोर,
 झोपड़िया में आईहो, हो आईहो हो, गुजरिया मोर.

स्वर-ललिता देवलकर, सी. रामचन्द्र

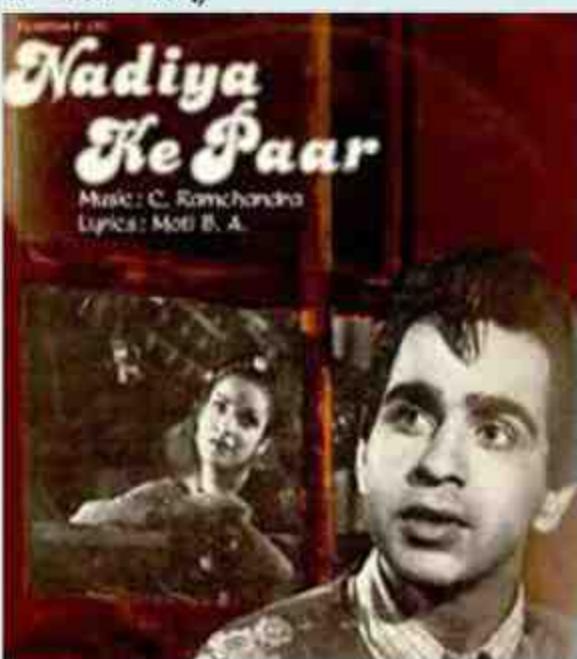


गीत-दिल ले के भागा

दिल ले के भागा देगा देके भागा,
 कैसे बेदर्दी से दिल मेरा लागा,
 चोरी चोरी दिल को, चुराया मैं जानू ना,
 मीठी मीठी बातों में जिया भरमाया,
 मैं जानू ना,
 बातें बनायी, आँखें मिलायी,
 भोले भाले दिल को फसाये लिओ जाए,
 हाय हाय भोले भाले दिल को फसाये
 लिओ जाए, ललचाये तरसाए,
 हाय हाय जाने ना, कलियों का रस लेके,
 भँवरा रे भागा,
 कैसे बेदर्दी से दिल मेरा लगा,
 लाख कहाँ दिल ने तो फिर भी मैं
 मानी ना, काहु से भी दिल ना लगाना
 मैं मानी ना, ऐसी जवानी अँधी दीवानी,
 ठोकर पे ठोकर, लगायी चली जाए,
 हाय रे ठोकर पे,
 ठोकर लगायी चली
 जाए, तड़पाये, जिया
 जाए ना, हाय हाय
 जाए ना, आँखें
 चुराके, वह अपनो
 से भगा, कैसे बेदर्दी
 से दिल मेरा लागा,
 दिल ले के भागा,

दगा देके भागा, कैसे बेदर्दी
 से दिल मेरा लागा,
 पहली नजर में हुई मैं दीवानी,
 लड़ गए नैना, हो गयी यह नादानी,
 अब तो इन आँखों से
 बहता है पानी,
 पापी मोरे जियरा, पिया को बुलाये,
 पापी मोरे जियरा पिया को बुलाये,
 हो सताये घबराये,
 हाय हाय जाने ना,
 ऐसी मुसीबत में छोड़ के भागा,
 कैसे बेदर्दी से दिल मेरा लागा,
 दिल ले के भागा देगा देके भागा,
 कैसे बेदर्दी से दिल मेरा लागा.

स्वर-ललिता देवलकर, सी. रामचन्द्र

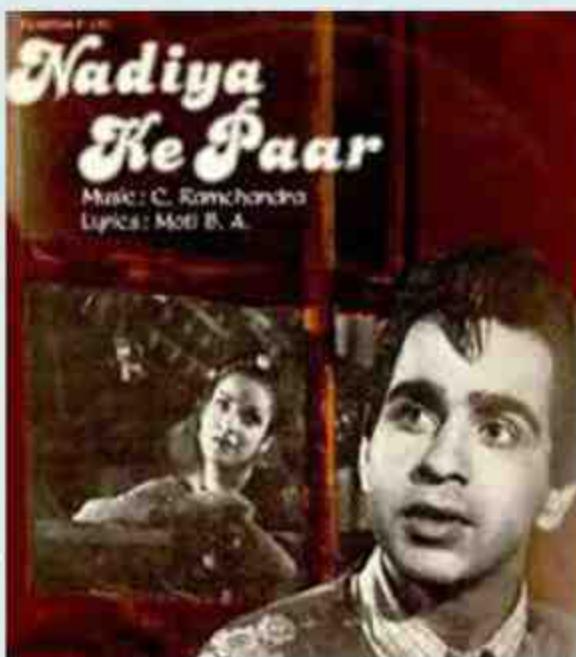


गीत-जुलम करे हो गोरी, अखिया तोहारी

दिल काहु को देवो न हाय
 दिल काहु को देवो न
 आँख करो न चार,
 अरे महंगा सौदा प्यार का
 कर लो खूब विचार,
 उई मार गयो रे, हाय मार गयो रे,
 मेरे दिल पे कटारी,
 जुलम करे रे गोरी अखिया तुम्हारी,
 एक परदेसी से लागे है नैना
 हाँ लागे है नैना,
 रात नहीं निन्दिया वह दिन नहीं चैना,
 पिया पिया बोले दिल की यह मैना,
 मेरे दिल की यह मैना, की भूल नहीं रे
 की भूल नहीं रे यह सूरत प्यारी,
 की भूल नहीं रे
 जुलम करे रे गोरी
 अखिया तुम्हारी
 जुलम करे रे
 आँखों की बरछी,
 दिल का निशाना,
 हो दिल का निशाना,
 मछुओं की छोरी से
 दिल न लगाना
 होंजि दिल न लगाना,
 होगी बदनामी,

हँसेगा जमाना,
 हाय देख रही रे,
 हाय देख रही रे, हो नागरिया
 यह सारी, हो मार गयो रे मेरे दिल
 पे कटारी, हाय मार गयो रे,
 दिल को लगाके बताओ क्या पाया,
 दिल तोड़ना था तो दिल क्यूँ लगाया,
 झूठी कसम खाके, मुझको लुभाया,
 अजी मुझको लुभाया, सताये मति रे,
 वह कसम है हमारी, सताये मति रे,
 जुलम करे रे गोरी अखिया तुम्हारी,
 मार गयो रे मेरे दिल पे कटारी,
 हाय मार गयो रे.

स्वर-शमशाद बेगम, सी. रामचन्द्र



गीत-ओ गोरी ओ छोरी, कहाँ चली हो

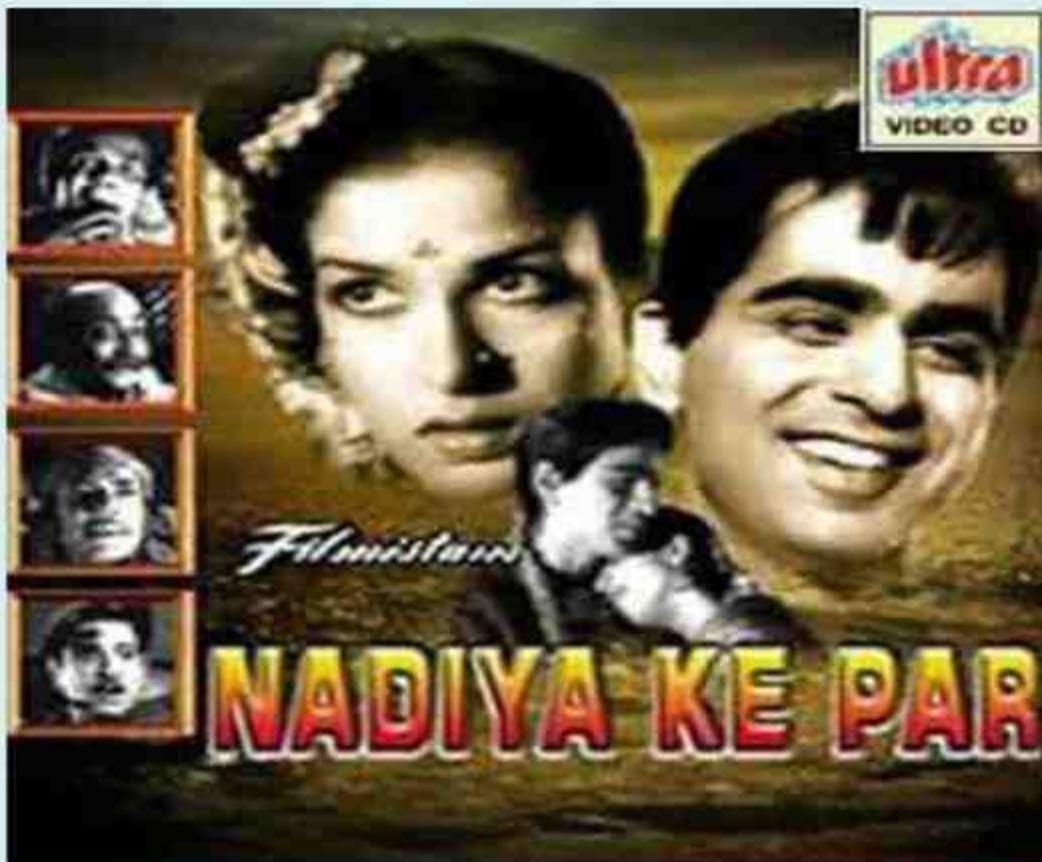
ओ गोरी ओ छोरि कहाँ
चली हो, कहाँ चली हो,
मैं हूँ चली अपने
साजन की गली हो,
साजन की गली हो,

छम छम छम बाजे
मोरी पाँव की पयलिया,
पलकों की ओट शर्मायी
हुयी अँखियाँ,
थड़के है छतियाँ,
कौन अलबेले की भाग
जागी हो, खूब सजी हो,
मैं हूँ चली अपने
साजन की गली हो,
ओ गोरी ओ छोरी
कहाँ चली हो,
कहाँ चली हो,
मैं हूँ चली अपने
साजन की गली हो,
साजन की गली हो,

अपने दिल की बात जरा
हमे भी बताओ न,
हाठो जी सताओ न,
साजन के दिल की
मैं दुनिया बसाउंगी,
उनकी बनूँगी उन्हें
अपना बनाऊँगी,
उनपे दिल लुटाउंगी,
दो दिलों के मिलने को
रात भली हो,
रात भली हो,
मैं हूँ चली अपने,
साजन की गली हो,

साजन की गली हो,
ओ गोरी ओ छोरी,
कहाँ चली हो।
कहाँ चली हो
मैं हूँ चली अपने
साजन की गली हो
साजन की गली हो.

स्वर-लता, सी.रामचन्द्र



दिल की खुशी गोरी
हमसे छुपाओ न,



गीत-अंखियाँ मिला के अंखिया

अंखिया मिलके अंखिया,
रोये दिनों रतिया,
हो न भूले बतिया
भूले न सुरतिया हो तोहर,
किया था भरोसा तुम पे,
तुम्ही ने भुलाया मुझको, ओ ओ ओ
तुम्ही ने हँसाया पिया,
तुम्ही ने रुलाया मुझको, ओ ओ ओ
तोहरे ही खातिर सजना,
हुई में बावरिया,
हो सावरिया मोरे, निरखु
डगरिया मैं तोहर,

दुनिया मिटने थी तो,
दुनिया बसाई क्यूँ थी,
नदिया किनारे अंखिया,
हमसे मिलायी क्यूँ थी,
नदिया किनारे अंखिया
हमसे मिलायी क्यूँ थी,
कछु न सुहावे मोहे,
कछु न सुहावे मोहे,
चैन नहीं आवे,
हो बुलावे तोहे अंखिया
बहावे जल की धार.

स्वर-सुरेन्द्र कौर

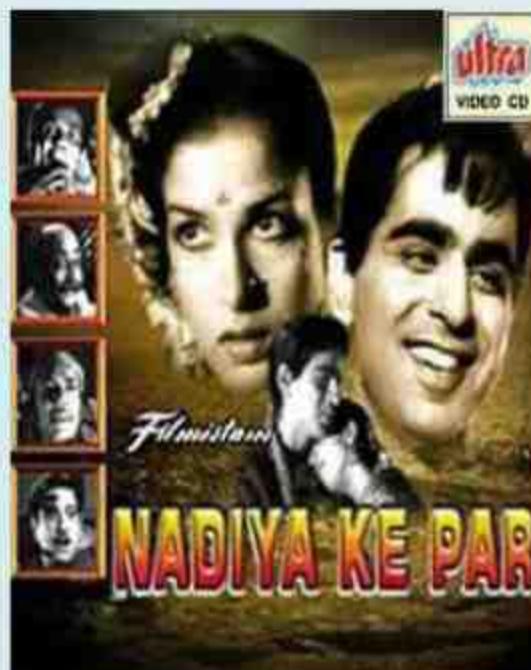
पी पी पी पुकारू
रोरो रहिया निहारू
पिया

हारी समझा समझा के
माने न मनाये जिया,
हो मने न मनाये
जिया
दिल में समाके बलमा,
जिया भरमा के,
हो बनाके अपने,
छतिया पे मारे वो
कटार



Filmistaan
NADIYA KE PAR

Produced & Directed by KISHORE SAH
Music C. RAJANANDA



निर्मल

यह एक सामाजिक फ़िल्म है और फ़िल्म शंकर थियेटर बम्बई द्वारा निर्मित है। इस फ़िल्म में निर्देशक एस. उपेन्द्र है। फ़िल्म में संगीत बुलो सी रानी और गीत श्री मोती बीए ने दिया है। इस फ़िल्म में संवाद भी श्री मोती बीए ने लिखा था। यह फ़िल्म 31 दिसम्बर 1951 को प्रदर्शित हुई थी। गीत के बोल इस प्रकार हैं-

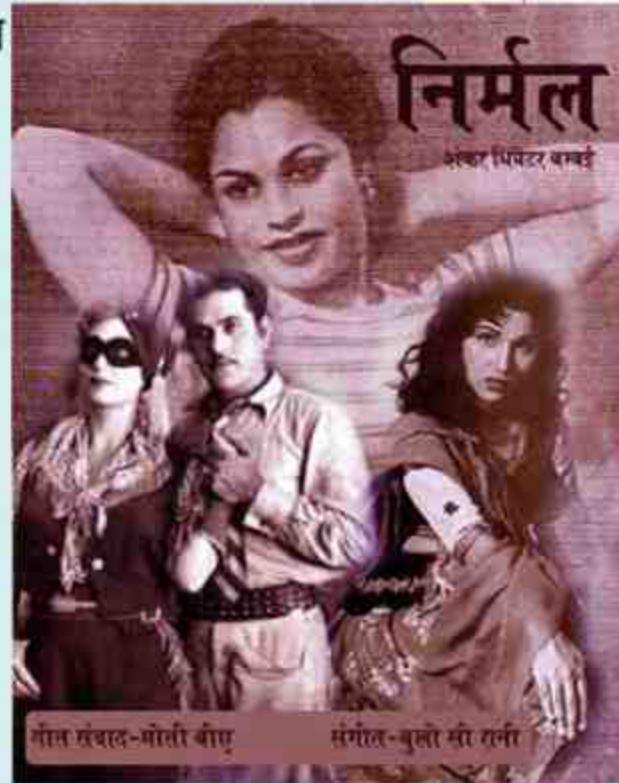
- 1 हँस ले गाले मौज उड़ाले
- 2 मेरी चढ़ती हुयी जवानी
- 3 तू मेरे प्यार की खिचड़ी पकायेगा
- 4 थी और मुलाकात वो
- 5 मेरे चारों ओर अँधेरा..... मेरे नयनों में
जल भर आये, वो नहीं आये
- 6 मेरी क्या है खता ये बतादें
- 7 तुम्हारे दिल की दुनिया को नजर में लेके जाऊँगा
- 8 भैंवरा बड़ा दीवाना

इस फ़िल्म में कलाकार पूर्णिमा, अमरनाथ, मिर्जा मुशर्रफ, श्याम कुमार, शान्ता कुवर, लीला कुमारी, उर्वशी इत्यादि थे।

गीत-हँस ले गा ले

स्वर-शमशाद बैगम

हँस ले गा ले मौज उड़ा ले, नहीं पछताना पड़ेगा,
दुनियों कैसी प्यारी प्यारी, रंगत इसकी न्यारी न्यारी,
जी भर लूटो मजे दीवाने, प्यारे मानो बात हमारी,
अभी मान लो बात हमारी, सचमुच भोली बातें उनकी
हो, तुझे आना पड़ेगा, हँस ले गा ले मौज उड़ा ले।
चंचल नैना छैल छबीली, देखो कली कली चटकीली,
चमके जिसपर जादूगर की मस्ती मैना, मेरी सूरत



भोली भाली, हँसी सूरत की भोली भाली
भोले भाले बलम तुमको हो नैना मिलाना
पड़ेगा, हो हँस ले गा ले मौज उड़ा ले,
कोई खोए कोई पाए कोई रोले कोईगाए,
मूरख है वो जो दुनियों को, अपने दिल
की फरियाद सुनाए, मेरे दिल की गली
में एक दिन हो, उनको आना पड़ेगा,
हो, हँस ले गा ले मौज उड़ा ले।



गीत-थी और मुलाकात वो

थी और मुलाकात वो
 अब और मुलाकात है,
 हाथों में हाथ हो
 कुछ आँखों से बात हो रे,
 भोले परदेशी तुम खठ न जाना
 एक बार और मुझे झलक दिखाना
 हम तुम्हारे साथ है,
 तुम हमारे साथ हो
 हाथों में हाथ हो
 कुछ आँखों से बात हो, हो रे
 प्रेम के हिंडोले में
 मैं तुमको झूला झुलाउँ
 झुलाउ झुलाउ
 खठे हुए बालम को
 हंस के मनाउँ, हो रे
 हम तुम्हारे साथ है, तुम हमारे
 साथ हो, हाथों में हाथ हो
 कुछ आँखों से बात हो, हो रे
 धड़कन में पिया तेरी,
 पिया तेरी याद समायी,
 तेरे लिए सपनो की रात सजायी
 आजा, हम तुम्हारे साथ है
 तुम हमारे साथ हो, हाथों में
 हाथ हो, कुछ आँखों से बात हो
 हो रे.

गीत-मेरे नयनों में जल भर आये

मेरे चारों तरफ अँधेरा, घटा रही मँडराय
 परदेशी की प्रीति में नैना भर भर आये
 मेरे नयनों में जल भर आये वो नहीं आये,
 छायी ओगन में उदासी, अँखिया दर्शन को है प्यासी,
 भूल गये क्यूँ मन की बातें, टूटा दिल रो रो के गये,
 वो नहीं आये, वो नहीं आये।
 मेरे नयनों में जल भर आये वो नहीं आये,
 वो नहीं आये
 कैसे आऊं पास मैं तिहारे, रो रो के दिल ये पुकारे,
 कब आवोगे मेरे प्यारे, बैठी हूँ मैं दीप जलाये,
 वो नहीं आये, वो नहीं आये।
 मेरे नयनों में जल भर आये वो नहीं आये,
 वो नहीं आये,

स्वर-मेरी क्या है खता ये बता दे

मेरी क्या है खता ये बता दे, फिर चाहे सुला दे मिटा दे,
 सजा दे, मेरी क्या है खता ये बता दे,
 सच है दिल मैने तुझको दिया, दिल के बदले तुने क्या है
 दिया, तुने क्या है दिया ये बता दे, फिर चाहे सुला दे
 याद है जो कसम तुने खायी थी, बेवफा क्या करें ये बताई
 थी, बेवफा अब ये तूँ भी बता दे, बेवफा हम है या तुम
 ये बता दे, फिर चाहे सुला दे,
 प्यार की मीठी मीठी वो बातें, चौदनी रातों की मुलाकातें,
 मेरी दुनियाँ मुझे लौटा दे, फिर चाहे सुला दे,
 जब है गलियों में जाना, तब से सीखा तुमने ऊँख मिलाना
 अपने दिल से वहम ये मिटा दे, फिर चाहे सुला दे,



गीत-तुम्हारे दिल की

तुम्हारे दिल की दुनिया को
नजर में लेके जाऊंगा,
करोगी याद कुछ ऐसी
निशानी देके जाऊंगा,
तुम्हारे हुस्न पर मिट कर,
दीवाना बनके आया हूँ,
तुम्हे भी इश्क में अपना
दीवाना कर के जाऊंगा,
तुम्हारे दिल की दुनिया को
नजर में लेके जाऊंगा,
सुनो ऐ रूप की रानी
कसम तेरी मोहब्बत की,
अगर जाना पड़ा मुझको
तुम्हे भी लेके जाऊंगा,
तुम्हारे दिल की दुनिया को
नजर में लेके जाऊंगा,
तुम्हे जब तक न देखा था
तमन्नाये न थी कोई,
मगर अब सब तमन्नाओं को
पूरा कर के जाऊंगा,
तुम्हारे दिल की दुनिया को
नजर में लेके जाऊंगा,
करोगी याद कुछ ऐसी
निशानी देके जाऊंगा,
तुम्हारे दिल की दुनिया.

गीत-भौरा बड़ा दीवाना

भौरा भौरा, बड़ा दीवाना, लुटे कली कली
का रंग, मधुबन में छाई हरियाली,
कली खिली है डाली डाली, देख कली को मस्त हो गयी,
भौरे की आँखे मतवाली, भौरा बड़ा मतलबी बड़ा सयाना,
दो दिन का है संग, वो लुटे कली कली का रंग
खिली हुई कलियों पर जाए, लचके खाकर गुल गुल गाए
जिसका रस पी डाला उसके, पास न जाए आँख चुराए,
भौरा यह है काला वो है गोरी, कोमल कोमल अंग,
लुटे कली कली का रंग, वो लुटे कली कली का रंग,
रंग भी काला दिल भी काला, रस पीकर उड़ जाने वाला,
इससे दिल न लगाना, साथ न है यह देने वाला,
दिल लेके यह दगा करेगा, यही इसका ढंग,
वो लुटे काली काली का रंग।

स्वर-शमशाद बेगम, गीतादल्ल,
जी एम दुर्गानी, श्याम कुमार,
तलत महमूद

रिकार्ड नं.- N36885,
887, 888, 886, 886,
887, 888, 885



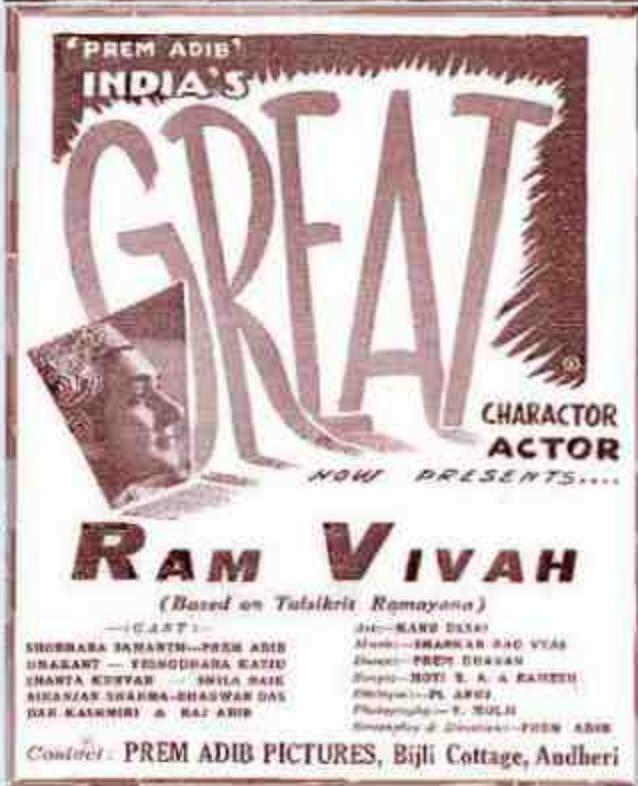
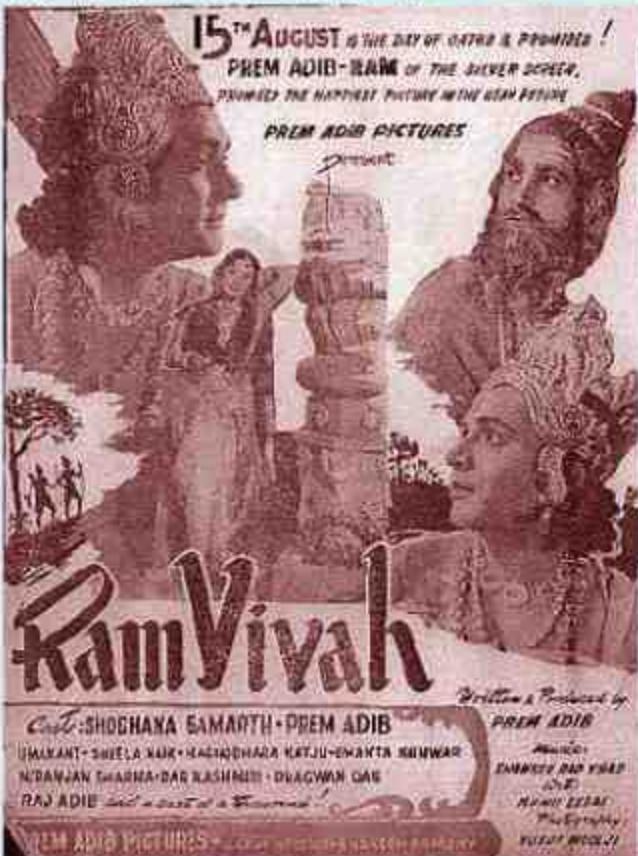
राम विवाह

यह फिल्म प्रेम अदीब पिक्चर्स द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 1 जनवरी 1949 को प्रदर्शित हुई थी। इस फिल्म के निर्माता और निर्देशक प्रेम अदीब थे। इस फिल्म में संगीत शंकर राव व्यास का है और 8 गीत मोती बीए का है। गीत के बोल इस प्रकार से हैं-

- 1 राम नाम जपते रहो
- 2 धन्य धन्य है अवधपुरी
- 3 मन झूले, झूले, झूले
- 4 जिसने है जीवन दान दिया
- 5 चरण धरो धीरे-धीरे
- 6 घर घर तोरण बैधायो
- 7 रूप अनूप सुहाय
- 8 हे चन्द्र बदन
- 9 राम हमारे लखन पियारे
- 10 गौरी पूजन चली जानकी

इस फिल्म के कलाकार हैं प्रेम अदीब, शोभना सामर्थ, उमाकान्त, यशोधरा, शीला नायक, भगवानदास, निरंजन शर्मा, राज अदीब इत्यादि।

इस फिल्म में कुल 10 गीत हैं जिसमें दो गीत रमेश शास्त्री जी के हैं। इस फिल्म के रिकार्ड्स एच एम वी कम्पनी ने बनाये थे। रिकार्ड्स के नम्बर इस प्रकार से हैं- N35994, N35996, N35994, N35994, N35995, N35994, N35997, N35996, N35998, N35998,

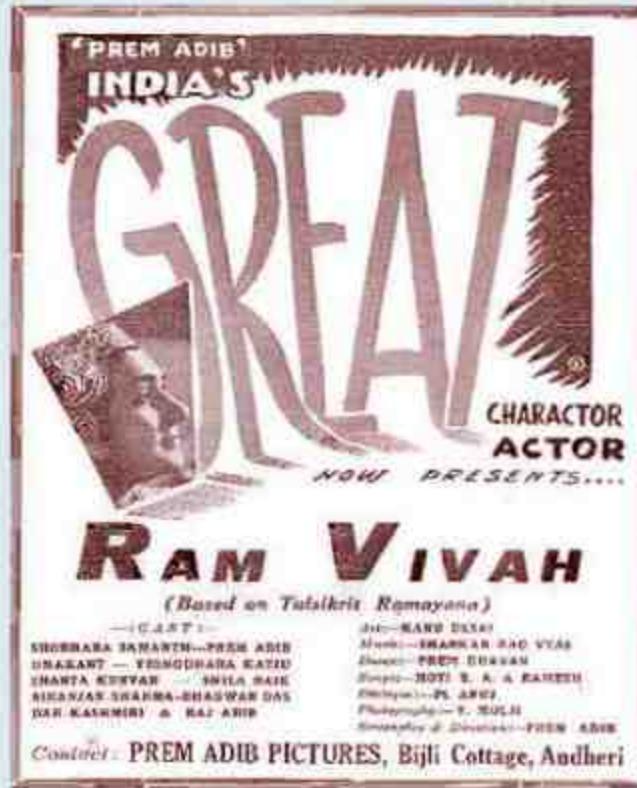


गीत-राम नाम जपते रहो

राम राम जपते रहो, जब लगि घट में प्राण,
 कबहूँ तो दीनदयाल के भनक पड़ेगी कान,
 त्रेता युग में दशरथ के घर रामचन्द्र ने जन्म लिया,
 विश्वामित्र के संग बनों में राम लखन ने गमन किया,
 सेवक बन गये राजा राम, जय रघुनन्दन जै सियाराम,
 एक बान से रामचन्द्र ने अधम ताडत्रका को मारा,
 चरण धूलि से दीनबन्धु ने गौतम नारी को तारा,
 पतित पावन सीताराम, जय रघुनन्दन जय सियाराम,
 जनकपुरी में धनुष को तोड़ा, व्याही सीता सुकुमारी,
 अवधपुरी में बजी बधाई, नाच उठी धरती सारी,
 परशुराम का तोड़ा मान, जय रघुनन्दन जय सियाराम,

गीत-धन्य धन्य है अवधपुरी, धन्य वहों की फुलवारी

धन्य धन्य है अवधपुरी, धन्य वहों की फुलवारी,
 जहाँ राम ने जन्म लिया है, धन्य वहों के नर नारी,
 अवधपुरी के उत्तर दिश सरयू की धारा बहती है,
 राजा दशरथ राज करे और प्रजा धैन से रहती है,
 अन्न धन से भरपूर अयोध्या, तीन लोक से है न्यारी,
 जहाँ राम ने जन्म लिया है धन्य वह के नर नारी।
 छम छम करती चली कामिनी, है सोलह सिंगार किये,
 आँखों में संसार लिए, हाथों में सुन्दर हार लिए,
 सतवंती है सभी नारियों, सत पर अपने बलिहारी,
 जहाँ राम ने जन्म लिया है, धन्य वह के नर नारी।
 राम लखन और भरत शत्रुघ्न चार रतन है राजा के,
 जिनमें सबसे बड़े राम है प्राण पियारे परजा के,
 राम लिए धनवान राक्षसों के मरने की है बारी
 जहाँ राम ने जन्म लिया है धन्य वह के नर नारी।



गीत-सीता का मन झूले

मन झूले सीता का मन झूले प्रेम के हिंडोलना,
 मन उसका डोले और तन उसका डोलना,
 कलियों का झूला ओर डोरी कमान की,
 प्रीतम का सपना और आशा मिलन की सखी,
 नैना तो बोले मुँह तब वो खोले ना,
 सीता का मन झूले प्रेम के हिंडोलना,
 अंग में उमंग लिए, झूले अकेली सखी,
 बाली उमिरिया बचाने को है सखी,
 जिये अंग अंग सखी रास रंग धोलना,
 सीता का मन झूले प्रेम के हिंडोलना।
 सीता का मन झूले प्रेम के हिंडोलना।

गीत-जिसने है जीवन दान दिया

जिसने है जीवन दान दिया हम क्यों न उसी का गान करें,
 हम क्यों न उसीके चरणों पर अपना जीवन बलिदान करें,
 दानव को मार भगाने को, रोता संसार बसाने को,
 जिसने हाथों में घनुष लिया, हम क्यों न उसीका मान करें,
 जिसने हमको अपनाया है, उजड़ा संसार बसाया है,
 जिसने हमको धनधान्य दिया, हम क्योंन उसीका गान करें,

भगवान, भगवान तुम्हारे द्वारेपर इक दुखिया नारी आयी है,
 अधेर मचा है दुनियों में सब ओर उदासी छायी है,
 मंदिर के दीप बुझे जाते, चुपके चुपके फिरते जाते,
 है रोक दो प्रभु आज सब, दिल आज हमारे घबराते,
 उद्धार करो, कल्याण करो, विपदा की मारी आयी हूँ,
 भगवान तुम्हारे द्वारे पर इक दुखिया नारी आयी है,



Contact: PREM ADIB PICTURES, Bijli Cottage, Andheri



गीत-सीता का मन झूले

चरन धरो धीरे धीरे जनक दुलारी,
 मिलेंगे पिया धीरे धीरे जनक दुलारी,
 सिया स्वयंवर में राजा सब दूर दूर से आये,
 वरमाला उनको पहनावो जो तुमको मन भाए,
 चरन धरो धीरे धीरे जनक दुलारी,

शंकर जी के दिव्य धनुष को कोई उठा न पाए,
 सिया स्वयंवर बहुत कठिन है काहे मान गँवाए,
 जिनके नाम मात्र से डोले धरती और आकाश,
 वो बाला त्रिलोक सुन्दरी पड़ा है तेरे पास,
 काहे को देर लगाए,

मैं लंका का राजा रावण अमृतधर है नाम,
 है कहों पर शिवधनुष लावो दिखलाऊं अपनी शान,
 उसे तोड़ तुझे अपनाऊं, मैं किसी के हाथ न आऊं,
 लंका नरेश भी हाथ लगे पछताये,
 जो बादल गरजे वो भी न बरस पाये,
 कौन कहों से आये,

ये राजकुमार अवध के, रामचन्द्र है नाम,
 जनक दुलारी, प्राण पियारी, इनको करो प्रणाम,
 हो राम तेरे मन भाये,
 चरन धरो धीरे धीरे जनक दुलारी,
 मिलेंगे पिया धीरे धीरे जनक दुलारी,
 चरन धरो धीरे धीरे जनक दुलारी।



गीत-हे चन्द्र बदन, चन्दा की किरण

हे चन्द्रबदन, चन्दा की किरण,
तुम किसका चित्र बनते हो,
मनन के भावों को रूप रंग से,
मन ही मन मुस्काती हो,
हे चन्द्रबदन, चन्दा की किरण

वो सूर्य मुखी, तुम चन्द्र मुखी,
आशा का दीप जलाती हो,
जब नैन मिले हो सूरज से,
क्यों चाँद से प्रीत लगाती हो,
हे चन्द्रबदन चन्दा की किरण

जब नैन मीले तो हृदय मिले,
जब रैन हुई बेचैन हुए
वो भी सुध बुध खो बैठा है,
तुम जिसको पास बुलाती हो,
हे चन्द्रबदन चन्दा की किरण

तुम जिसकी सरन वो श्याम वरन,
अर्पण है जिसपे तन मन धन,
है मन मंदिर में छिपा हुआ,
तुम जिसको देख लजाती हो,
हे चन्द्रबदन चन्दा की किरण
तुम किसका चित्र बनती हो
हे चन्द्रबदन चन्दा की किरण।



'PREM ADIB'
INDIA'S GREAT

RAM VIVAH
(Based on Tulsikrit Ramayana)

CAST:
SHOBHAKA SAMARTH—PREM ADIB
UNAKANT—YESHODHARA KATIJI
SHANTA KUNVAR—SHILA RAIK
NIRANJAN SHARMA—BHAGWAN DAS
DAR KASHMIRI & RAJ ADIB

CREDITS:
Prod.—KANU DESAI
Music—SHANKAR RAO VYAS
Dancer—PREM DHAVAN
Dancer—MOTI B. A. & KAMESH
Dancer—PL ANUJ
Photographer—V. MULI
Cinematog. & Direction—PREM ADIB

Contact: PREM ADIB PICTURES, Bijli Cottage, Andheri



eraksoldies

Published on Mar 13, 2018

I am thankful to Narsingh D Agnishi for providing broadcast details.

Happy Listening to all lovers of Radio Ceylon from Ashwani Kumar. YOU CAN JOIN OUR FACEBOOK GROUP - Radio Ceylon Aapka Purana Saathi (RCAPS)

<https://www.facebook.com/groups/rccyo/>

Presenter: Jyoti Parmar Ji

Part 2: Seldom Heard/Never Heard Songs [कम सुने अननुमो गीत]

- Shikar (1955) – Moti Sagar & Sudha Malhotra – bahaar dekh ke dil aur begaraar huya – Bulo C Rani (Indivai) बहार देख के दिल और बेग़रार हुया [Today is singer Moti Sagar's death anniversary]
- Ram Vivah (1949) – Raj Kumari – hey chandarvadan, chanda ki kiran, tum kis ka chitar banaati ho – Shankar Rao Vyas (Moti B A) हे चन्द्रबदन, चन्दा की किरण, तुम किस का चित्र बनाती हो
- Nirdosh (1950) – Meena Kapoor – dil ke tukRay tujhay siinay se laga loo.n aajaa – Shyam



फिल्म राम विवाह के गीत “‘धन्य धन्य हे अवधपुरी’” को कनाडा की मशहूर गायिका वन्दना विश्वास ने इसी वर्ष अपनी आवाज में गाकर इस गीत के साथ श्री मोती बीए को विशेष सम्मान दिया है।



फिल्म रामविवाह में श्री मोती बीए के आठ गीत हैं। जिसमें दो गीत “‘घर-घर तोरण बैधायो, कलश भरायो, रे सखी राम विवाह है आयो कि मंगल गावोरे’” स्वर- गीतादल्ल, राजकुमारी और दूसरा गीत “‘राम हमारे लखन पियारे, काहे छोड़े अयोध्या नगरी’” स्वर-राजकुमारी, गीतादल्ल अभी उपलब्ध नहीं हैं। उपलब्ध गीतों में “‘राम नाम जपते रहो, को मना डे, धन्य धन्य हे अवधपुरी को मना डे गीतादल्ल, सीता का मन झूले को राजकुमारी, जिसने है जीवन दान दिया को मना डे गीतादल्ल, चरण धरो धीरे धीरे को राजकुमारी, हे चन्द्रबदन चन्दा की किरण को राजकुमारी’” उपलब्ध है। इस फिल्म में दो गीत “‘रूप अनूप सुहाय और गौरी पूजन चली जानकी’” रेप्रेशन शास्त्री द्वारा लिखे गये हैं।

PREM ADIB INDIA'S GREAT CHARACTER ACTOR

RAM VIVAH

(Based on Valmiki's Ramayana)

PREM ADIB PRESENTS

RAM VIVAH

(Based on Valmiki's Ramayana)

PREM ADIB PICTURES

RAM VIVAH

(Based on Valmiki's Ramayana)

PREM ADIB PICTURES

RAM VIVAH

(Based on Valmiki's Ramayana)

PREM ADIB PICTURES

RAM VIVAH

(Based on Valmiki's Ramayana)

PREM ADIB PICTURES

RAM VIVAH

(Based on Valmiki's Ramayana)

PREM ADIB PICTURES

RAM VIVAH

(Based on Valmiki's Ramayana)



किसी की याद

यह एक सामाजिक फ़िल्म है। यह फ़िल्म पारोआर्ट कन्सर्न बम्बई द्वारा निर्मित थी। इस फ़िल्म के निर्देशक चतुर्भुज जोशी है। संगीतकार हंस राज बहल और गीतकार मोती बीए, के.के वर्मा, ताहिर लखनवी, कमर जलालाबादी हैं। इस फ़िल्म में कुल 10 गीत हैं, जिसमें 3 गीत मोती बीए के हैं। गीत के बोल इस प्रकार हैं-

- १ कभी ये साथ न छूटे
- २ तड़पता छोड़कर मुझको
- ३ वो जाने वाले

शेष गीत के.के वर्मा, ताहिर लखनवी और कमर जलालाबादी के हैं। इस फ़िल्म के कलाकार सुलोचना चटर्जी, जीवन, भारत भूषण, बद्री प्रसाद, पारो हैं।



★ PARO in 'Kisiki Yad' ★



गीत-कभी ये साथ न छूटे

कभी ये साथ न छूटे, हाथ से हाथ न छूटे,
जिए साथ साथ हम, मरे साथ साथ हम,
कभी ये साथ न छूटे, हाथ से हाथ न छूटे,

तुम्हारे संग रहूँ मैं, तुम्हारे दिल में बसूँ मैं,
तुम्हारे लब पे हसूँ मैं, भले ये दुनिया चुक जाये,
मगर ये हाथ न छूके, हाथ से हाथ न छूटे,
जिए साथ साथ हम मरे साथ साथ हम,
कभी ये साथ न छूटे, हाथ से हाथ न छूटे,

एक नन्ही सी कली बड़े नाजों से पली
चली पिया की गली मेरी प्रीत की लाज,
रखना जी, सखी ये ख्वाब न दूटे,

हाथ से हाथ न छूटे, जिए साथ साथ हम,
मरे साथ साथ हम, कभी ये साथ न छूटे,
हाथ से हाथ न छूटे,

थोड़े दूर दूर हम, सदा संग रहे हम,
हमारे प्रेम की पतंग उड़ी और डोर न छूटे,
हाथ से हाथ न छूटे, जिए साथ साथ हम,
मरे साथ साथ हम, कभी ये साथ न छूटे
हाथ से हाथ न छूटे.

स्वर-गीतादत्त, पारो, रफी
रिकार्ड नं. N36214



गीत-तड़पता छोड़कर मुझको

तड़पता छोड़ कर मुझको,
कहा तुम रह गए प्यारे,

मोहब्बत करने वालों को,
नहीं क्यों चौन मिलता है,

कहा तुम रह गए प्यारे,
चले आओ बुलाते हैं,

मोहब्बत करने वालों को,
नहीं क्यों चौन मिलता है,

ये आँसू दर्द के मारे,
ये आँसू दर्द के मारे,

वहाँ तुम हो यहाँ हम हैं,
जिये कैसे बता जा रे,

ओ मुझको भूलने वाले,
ओ मुझसे रुठने वाले,

जिए कैसे बता जा रे,
तड़पता छोड़ कर मुझको

ओ मुझको भूलने वाले,
ओ मुझसे रुठने वाले,

कहाँ तुम रह गए प्यारे
कहा तुम रह गए प्यारे

तुम्हारी याद में रो वे,
बेचारे चाँद और तारे,

लगाये आस बैठी हूँ
जलाये हूँ शमां दिल की

बेचारे चाँद और तारे,
तड़पता छोड़ कर मुझको,

हो मुझको भूलने वाले
इधर भूले से आजा रे.

कहा तुम रह गए प्यारे,
कहा तुम रह गए प्यारे,

स्वर-गीताराय
रिकार्ड नं. N36200



राजपूत (भारत की प्रथम जोगीरा वाली फिल्म)



यह फिल्म भारत की ऐसी हिन्दी फिल्म थी जिसमें भोजपुरी जोगीरा लिखा गया। इस फिल्म को जुबली पिक्चर्स बम्बई ने निर्मित किया था। इस फिल्म के निर्देशक लेखराज भाखड़ी थे और संगीतकार हंसराज बहल थे। इस फिल्म में जोगीरा का एक इतिहास है। 'जोगीरा, निर्माता लेखराज भाखड़ी को पसन्द था। उसके बोल टेढ़े होने के कारण और भोजपुरी विधा में होने के कारण हंसराज बहल ने इसपर संगीत देने से इन्कार कर दिया जिसको लेकर गीतकार मोती बीए और संगीतकार हंसराज बहल में विवाद हो गया। निर्माता ने इस गीत के लिए दूसरे संगीतकार हुस्नलाल भगतराम को हायर किया। इस प्रकार इस फिल्म में सिर्फ एक जोगीरा गीत के लिए एक संगीतकार को हायर करना पड़ा था। गीत सुपरहिट हुआ और इस फिल्म ने भारत का प्रथम फिल्मी जोगीरा होने वाली फिल्म का श्रेय प्राप्त किया जिसे सुरैया और जयराज पर फिल्माया गया। इस फिल्म में कुल 12 गीत हैं जिसमें सिर्फ 1 गीत जोगीरा ही श्री मोती बीए का लिखा हुआ है। शेष गीतों पर संगीत हंसराज बहल का है।

इस फिल्म के कलाकार सुरैया, जयराज, शकुन्तला, सप्त्रु, कुलदीप, रमेश ठाकुर, मास्ति, मुमताज, प्रकाश, उर्वशी और रणधीर थे।

इस प्रकार भारत के प्रथम जोगीरा को गाने का श्रेय शमशाद बेगम और मुहम्मद रफी को जाता है। इस रेकार्ड का न. GE8875 है।

इस फिल्म में अन्य गीतकार थे- कैफ इरफानी, भरत व्यास, असद भोपाली, वर्मा मलिक, इन्दीवर, राजेन्द्र कृष्ण, अंजुम जयपुरी।

इस फिल्म में एक गीत भरत व्यास का है "जाओ जाओ आ गया" जिसे तलत महमूद और मना डे ने एक साथ गाया है।





फिल्म-राजपूत गीत-भारत की प्रथम फिल्म में जोगीरा

हो, हो कौन समय में गेंदा फूले, कौन समय में बेला,
कौन समय में नैना लागे, कौन समय में मेला,
यारा यारा यारा यारा, ढोलक को खूब बजावो,
जानी को खूब नचावो, पेड़ा जिलेबी खावो, वाह जी वाह, वाह खेलाड़ी वाह ।

हो, हो अवधपुरी में गेंदा फूले, फागुन फूले बेला,
होली में दो नैना लड़ गये, लगे बसन्ती मेला,
यारा यारा यारा यारा, ढोलक को खूब बजावो,
जानी को खूब नचावो, पेड़ा जिलेबी खावो, वाह जी वाह, वाह खेलाड़ी वाह ।

हो, हो सोने जैसी सुन्दर तिरिया, औंख में काजल लावे,
छुप-छुप नैन कटारी मारे, काहे पास ना आवे,
यारा यारा यारा यारा, ढोलक को खूब बजावो,
जानी को खूब नचावो, पेड़ा जिलेबी खावो, वाह जी वाह, वाह खेलाड़ी वाह ।

हो, हो औंख में काजल लगा के तिरिया, पिया से मिलने जावे,
मरने वाले मरा करे वो हाथ कभी ना आवे,
यारा यारा यारा यारा, ढोलक को खूब बजावो,
जानी को खूब नचावो, पेड़ा जिलेबी खावो, वाह जी वाह, वाह खेलाड़ी वाह ।

स्वर-शमशाद बेगम और रफी संगीत-हुस्नलाल भगतराम रिकार्ड नं. GE8875



हिप हिप हुर्झ उर्फ़ चौबे जी

इस फिल्म का रिकार्ड यंग इण्डिया रिकार्ड कम्पनी ने बनाया था। यह एक सामाजिक फिल्म है। फिल्म को कश्मीर फिल्मस बम्बई ने बनाई थी। इस फिल्म के निर्देशक अरविन्द सेन राय और संगीतकार पण्डित हनुमान प्रसाद थे। इस फिल्म के गीत को गोपाल सिंह नेपाली और मोती बीए ने लिखा था जिसमें 3 गीत मोती बीए के थे जिसके बोल इस प्रकार से हैं-

- १ एक दिल तेरा एक दिल मेरा
- २ चुभ गए नैन वान मोरे दिल में
- ३ आवो जवानी हम गुजारे

शेष गीत गोपाल सिंह नेपाली ने दिया है।

इस फिल्म के कलाकार दीक्षित, बलवन्त सिंह, नवीन याज्ञिक, निरुपा राय, मंगला, प्रभुदयाल, कुमकुम, गुलाब, भूदो एडवानी, बेबी दुर्गा, मोहन, सीता देवी, राधा किशन और गोप थे।

गीत- एक दिल तेरा एक दिल मेरा

एक दिल तेरा एक दिल मेरा,
हाय तेरे प्रेम में तड़पे वो, तड़पे वो, तड़पे वो
ये दिल तूने, वो दिल मैने,
मिलेंगे दो दिल बिछड़े बिछड़े,
हाय मिलेंगे दो दिल बिछड़े बिछड़े,
क्या थी सीन जो मैं देखती हूँ,
दोनों के प्यार कट गये, दुनियों उजड़े,
गई मेरे सिंगार का, गया जमाना लूट का,
आखिर क्या है चाहती,



बस फिफटी फिफटी, बस फिफटी फिफटी,
हों हों फिफटी फिफटी, दिल वापस देदे,
सॉवरिया, ना ना ना ना दूर दूर हो
गए, मैं छिप जाऊँ, मैं तेरे हाथ न
आऊँ, मुझे देदे अपना दिल कोई लेके
जायेगा, दगा दे जायेगा,
मेरा छोटा सा दिया हाय नन्हा सा दिया
गलतफहमी में मत पड़ जाना,
दिल लेके मुझे है आना,
हाय मैं लुट गयी, हाय मैं लुट गयी,
दौड़ी दौड़ी दौड़ी दौड़ी क्या बात है,



हिप हिप हुर्झ उर्फ चौबे जी

पिछले पेज का शेष-

क्या बात है,
दिल देके भागा, दगा देके भागा,
कैसे बेदर्दी से दिल मोरा लागा,
मैं तो थाने में रपट लिखवाऊँगी,
ऐ बाबूजी, अपने बालम को कैद कराऊँगी, ऐ बाबूजी,
हल्लो हल्लो हल्लो हल्लो, दरोगा जी,
बोलो बोलो सेठानी जी, दिल देके भागा, दगा दे के
भागा, जानेमन मैं जाने न दूंगा, मैं रास्ता रोक लूंगा,
ओंखों से पानी बहता है, दिल रो रो के यह कहता है
जब तुम ही न पकड़ोगे चोर हमारा, दुनियों में कौन
हमारा, गली पार करके उसे याद करके, मैं लाऊँ
तुम्हारे अँगना, मेरा छोटा दिल लगे प्यारा, मुझे

भोला सा दिल लगे पियारा, अजी तुम छुप न सकोगे, आवाज दे कहो है, डण्डा मेरा जवो है,
मैं हूँ वहों वहों पर, मुखों का कॉरवो है, बर्बाद मैं यहों हूँ हाय दिल मेरा कहो हैं,
दिल हमारे पास है जलने वाले जला करें, डम डम डम डम डम
मारे कुलहाड़ी मर जाना, सपना किसी को दिखाना ना, डंडों से गये ना काम किया बन्दूक से,
क्यों न काम किया, देखो जी न मारो इसको, दूर हटो दूर हटो, ये दिल का चोर हमारा है,
इस भीड़ ने टुकड़े खूब किये, कोई यहों गिरा कोई वहों गिरा, हम प्रेम के कैदी को फॉसी
पर चढ़ा देगा, दिल देने की सजा कम है पब्लिक को बता देंगे, धीरे धीरे मेरा रो रहा है,
फॉसी पर न चढ़, जावो जावो हँसेंगे वो हँसेंगे तुमको, मेरे हाथ न आये बिछड़े हुए,
दो दिल आज मिल गये हैं मिल मिल के।



स्वर-जी एम दुर्गानी, राजकुमारी, जोहराबाई अम्बालावाली



गीत- चुभ गए चुभ गए

चुभ गए चुभ गए चुभ गए चुभ गए
नैन बान मोरे दिल में चुभ गए

जो चुभ जाय तो निकलना न जाने,
निकसे तो निकले प्राण मोरे दिल से,
चुभ गए चुभ गए चुभ गए चुभ गए
नैन बान मोरे दिल में चुभ गए

कैसे चलूँ मैं मोहे चल नहीं जाय रे,
छुप छुप के कोई नैन लड़ाये रे,
आफत में पड़ गयी जान,
चुभ गए चुभ गए चुभ गए चुभ गए
नैन बान मोरे दिल में चुभ गए

जिया मोरा धड़के, नैना मोर फरके,
रोम रोम और अंग अंग तरसे तड़पे,
अजी मैं तो बड़ी हैरान मोरे दिल में,
चुभ गए चुभ गए चुभ गए चुभ गए
नैन बान मोरे दिल में चुभ गए

चुभ गए चुभ गए चुभ गए चुभ गए
नैन बान मोरे दिल में चुभ गए ।

स्वर-गीताराय

गीत-जवानी हम गुजारे

आसरे हम तुम्हारे आसरे
तुम्हारे आसरे हम तुम्हारे आसरे
जबसे हुआ है मिलन मेरा मन है मगन
मुझको छोड़ अकेली कही जाओ न सजन
जवानी हम गुजारे गुजारे जवानी हम गुजारे
तुम्हारे आसरे हम तुम्हारे आसरे
मैं तो तरस रही हूँ फिर भी पिया न काहूँ
यह बदरी तुम पे है बरसने वाली
सुनो दिल की देव वनो, जल्दी न करो,
हाय जल्दी न करो,
तुम्हारे आसरे हम तुम्हारे आसरे
तुम आयी तो ले आयी उम्मीदों का सवेरा
हसी खुशी के हरएक पल और प्यार का सवेरा
तेरे राह का घरोंदा मैं न तोड़ू हाय मैं न तोड़ू
तुम्हारे आसरे हम तुम्हारे आसरे
जबसे हुआ है मिलन मेरा मन है मगन
मुझको छोड़ अकेली, कही जाओ न सजन
जवानी हम गुजारे गुजारे जवानी हम गुजारे
तुम्हारे आसरे हम तुम्हारे आसरे
तुम्हारे आसरे हम तुम्हारे आसरे
जवानी हम गुजारे गुजारे
जवानी हम गुजारे

स्वर-गीताराय, जोहरावाई अम्बालावाली,
शमशाद बेगम, जी एम दुर्गनी



इन्द्रासन

ग्रीन लैण्ड पिक्चर्स बम्बई द्वारा निर्मित फिल्म इन्द्रासन एक पौराणिक फिल्म है। इसके निर्देशक राजा नीने थे। इसमें संगीत प्रो. शंकर राव व्यास का था। इस फिल्म में मोती बीए के दो गीत हैं।

- १- मेरी अमर जवानी नाचे
- २- मोरी अंगियों पे छायी बहार

इस फिल्म में रन्जना, प्रेम अदीब, दुर्गा खोटे, पारो, ईश्वर लाल, नन्द किशोर आदि कलाकार मुख्य कलाकार थे।

गीत- मोरी अंगियों पे छायी बहार

छायी बहार बालमा,
मोरी अंगियों पे छायी बहार बालमा,
जरा अंखियन से अपने निहार बालमा,
मोरी अंगियों पे छायी बहार बालमा,

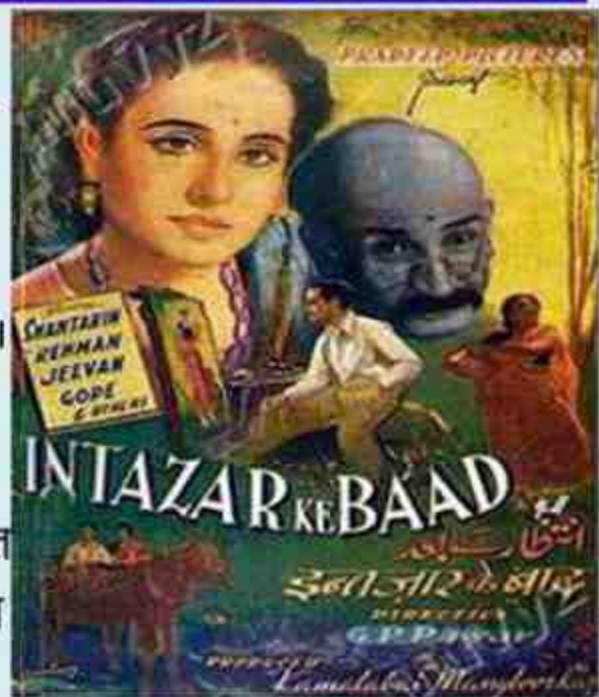
कलियों के अंगों पे छायी जवानी,
नदिया के बीच राजा बहता है पानी,
मार डाला की मार बालमा
मोरी अंगियों पे छायी बहार बालमा,

ऑखों की पानी से भींगी फुलवारी,
होठों पे हँसती हैं फूलों की क्यारी,
मोरी अँगना में निबुआ अनार बालमा,
मोरी अंगियों पे छायी बहार बालमा,

स्वर- आशा भोसले



'इन्तजार के बाद' ये फिल्म प्रदीप पिक्चर्स बम्बई, द्वारा बनाई गयी थी। इस फिल्म में मोती बीए का केवल एक गीत था। इस फिल्म के गीतकार



अजीज खान थे और निर्देशक जी पी पवार थे। इस फिल्म में कुल आठ गीत थे।



अमर आशा

सनराईज पिक्चर्स बम्बई द्वारा निर्मित इस फिल्म के निर्देशक बीए के चार गीत थे। इस फिल्म के संगीतकार शान्ती कुमार थे। इस फिल्म में मोती गया, सितारा, गुलाम मुहम्मद, प्रतिमा देवी, अमीर बानो, मुमताज आदि कलाकार थे। इस फिल्म में श्री मोती बीए के गीत थे-

- १-उई मॉ कैसे मैं फैशन बनाऊँ
- २-अपना घर पहचान बन्दे
- ३-ऑखों से मस्ती बरसा दे
- ४-जनम दिन आयो री मोरे

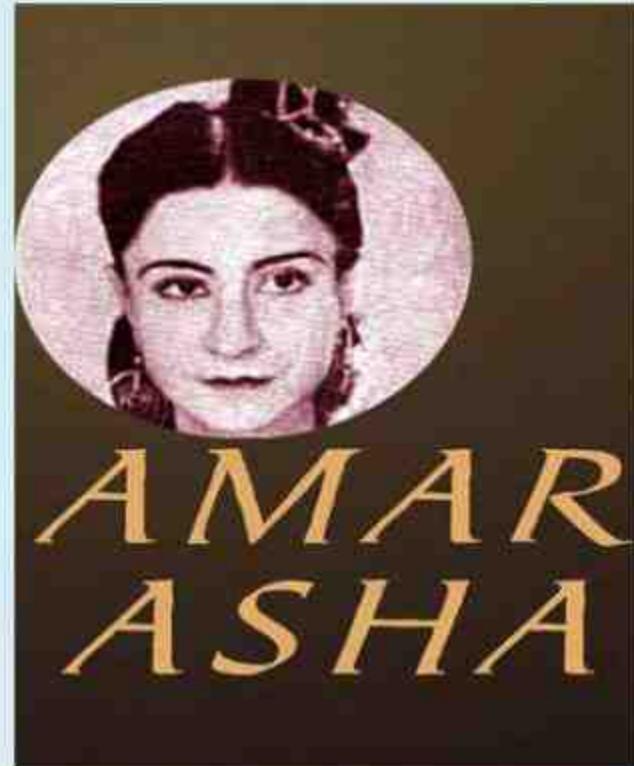
गीत-अपना घर पहचान बन्दे

अपना घर पहचान बन्दे,
अपना घर पहचान बन्दे,
इधर उधर की ठोकर खाएँ,
बात किसी की समझ न पाएँ,
तूँ इतना नादान बन्दे
अपना घर पहचान बन्दे,
झूठे जग से तूँ मोह बढ़ाये,
जीवन भर तूँ पाप कमाए,
अंत समय कुछ काम न आये,
सोने के हिरने के पीछे
तूँ इतना हैरान, बन्दे,
अपना घर पहचान बन्दे,
झूठी दुनियाँ, झूठी माया,
गल जाती मिट्टी की काया,

तूने इसमें मन
भरमाया,
नैन खोल के देख
जरा तूँ,
बुला रहे भगवान,
अपना घर पहचान,
स्वर-रफीक अहमद

गीत- उई मॉ

उई मॉ, कैसे मैं फैशन,
बढ़ाऊँ, मारे शरम मर
जाऊँ, प्यारे प्यारे हाठों
पे, लाली लगाके, पाउडर निशाना बनाया कैसे जख्मको भुलाऊँ
से चेहरेपर रौनक बढ़ाके उई मॉ, कैसे मैं फैशन, बढ़ाऊँ,
स्वर-रफीक अहमद, सितारा



1980 में अवकाश प्राप्त करने के बाद गीतकार श्री मोती बीए ने पुनः एक बार फिल्म जगत की ओर रुख किया। उनकी कुछ फिल्में और गीत आये, जो यहाँ प्रस्तुत हैं।



फिल्म-गजब भइलौं रामा (अप्रदर्शित)

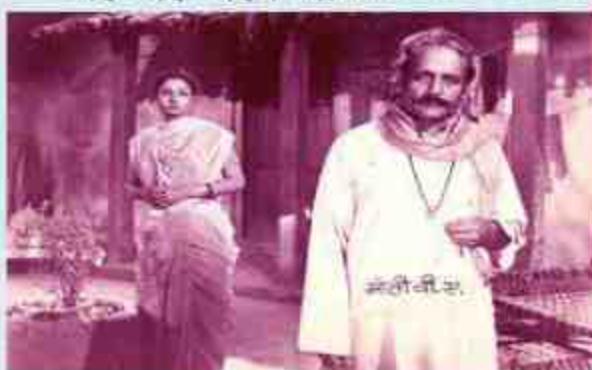
महें महें महके ले फुलवरिया,
बनठन चललू कहौं गुजरिया,
रुनझुन बाजेले पयेलिया,
चम-चम चमके ले टिकुलिया,
गोरिया तरसेला जियरा हमार,

झिरमिर झिरमिर बहति बयरिया,
सर सर सरके मोर चुनरिया,
अँखिया कजरा लगाऊँ,
लिलरा टिकुली सटाऊँ,
छैलर छाँड़ि द डगरिया हमार!
गोरिया तरसे ला.....

पुस्खा डोले रस के मातल,
महुवा गईल मदाय,
टेर बँसुरिया बँसवा झूमे,
अमवो गईल बउराय,
कोइलरि डारि-डारि गावे,
पपिहा पिउ पिउ बोलावें,
रतियाँ लागे न पलकिया हमार!
छैला छाँड़िद.....

बलमा मोरा बाँका छैला,
झूले नयन हिडोले,
अंग-अंग मोरे चुवे मदन रस,
दुनिया बोली बोले,
सुनि के जीउ जरि जाला,
तनिको सहि नाहीं जाला,
लोगवा बैरी भइल वा हमार !
गोरिया तरसेला.....

एइसन सुन्नरि बाडू गोरी,
मनवा गइल मोहाय,
सब केहू चाहत बाटे हमके,
गरवा लेई लगाय
एइमें केहू के न दोष,
हमके तोहरे भरोस,
गोरिया तोहरे से असरा हमार
छैला तूँही ए जवानी के सिंगार
महें महें महके ल.....



फिल्म-गजब भइलें रामा (अप्रदर्शित)



एइसन दुनिया एइसन लोग,
रामजी बनवले रहें ना,
रामजी बनवले रहे ना,
भरल रहे राम नदिया मे पानी,
बनल रहें गोरी तोहरी जवानी,
पानी मे मछरिया हाथ मे फँसरिया,
रामजी बनवले रहें ना !

एइसन दुनिया

बँसुरी बजावे पनघटवा सवरिया,
बहकि बहकि जाए गोरी के नजरिया,
कुआ मे गगरिया हाथ मे रसरिया,
रामजी बनवले रहें ना !

एइसन दुनिया

चिरई ले आवे राम चुनि-चुनि दाना,
उड़ि उड़ि फुदुकि फुदुकि गावे गाना,
खेतवा मे दनवां फेड़ मे खतोनवां,
रामजी बनवले रहें ना !

एइसन दुनिया

हँसति रहे राम दियना मे बाती,
पिया बिन जियरा जरे दिन राती,
गोरी के गवनवां पिया के भवनवां,
रामजी बनवले रहें ना !

एइसन दुनिया .

ससुरा से नइहर जाइबि
कवन मुँह देखइबि हो-
स्वामी डारि दीत नेह के नजरिया,
त थेघ लागि जाइत हो !

जिउ धुनि धुनि काम करीले,
हुकुम बजाई ले हो-
स्वामी, लात-गारी मीलेल ईनाम,
इहे त सुख पाइले हो!

स्वामी डारि दीत नेह के.....

हमरा बा जेकर आधार,
ओही के जब विचार ई हो,
स्वामी, केकरी भरोसे दिन काटबि,
जिनगी बिताइबि हो !

स्वामी डारि दीत नेह के.....

जब न अलम कवनो पाइबि,
हम कहों जाइबि हो,
स्वामी, लागल करेजवा मे,
अगिया के कइसे बुताइबि हो!

स्वामी डारि दीत नेह के.....



फिल्म-गजब भइलें रामा (अप्रदर्शित)



चिरई बड़ा जुलुम तू कइलू,
घर में खोंता लगवलू ना,
खोंता लगवलू पँखिया पसरलू,
हमके उजरलू ना,
चिरई बड़ा जुलुम.....

आगइलू इँहवा त रह लुकाके,
(ए चिरई जमाना खराब वा)
आगइलू इँहवा त रह लुकाके,
बचवो के दुनिया से राख चोराके,
बूझि-बूझि चरिह, ढेरमति उड़िह,
बड़ा पछतइबू ना,
चिरई बड़ा जुलुम.....

मान न मान चिरई,
बाति ई त सच वा,
हमरे महलिया पोसाए तोर बचवा,
हमके जुड़इबू तुँहु सुख पइबू,
लइका खेलइबू ना,
(चान मामा आरे आव, पारे आव,
नदिया किनारे आवे, बाबू की मुहँवा में धूटक)
चिरई बड़ा जुलुम.....

तोहरा पे कउवा बिलारि बाज झपटी,
फाँसि लई जाले में व्याध ह कपटी,
बड़ा छपटइबू, चोच फइलइबू,
आखिर बधइबू ना, चिरई बड़ा जुलुम.....

इस फिल्म में संगीत खीन्द्र जैन जी ने दिया है। स्वर 'मैंह मैंह कोले' में तलत महमूद हेमलता, 'एइसन दुनियाँ एइसन लोग' में खीन्द्र जैन, 'ससुरा से नईहर' और 'चिरई बड़ा जुलुम' में हेमलता का है।



मोरी अरज सुनी महराज हो,
साँवरे गिरधारी
प्रभु रख ल लाज हमार हो,
साँवरे गिरधारी

माथ नवाई रुरी सरन में
हमरा के राखी अपनी सरन में
जब राउर किरिपा हो जाई
सुख पाई हमार संसार हो
साँवरे गिरधारी!
मोरी अरज.....

पति सेवा में जिनिगी बीते
प्रेम रहे घर में सबही से
सुखी सदा परिवार सुवासित
अँगना अउर दुआर हो-
साँवरे गिरधारी! मोरी अरज.....

रुराँ हैं अन्तर जामी
बाति-हिया के सबके जानी
जिनिगी के बोझिल नइया
के तूँही खेवन हार हो-
साँवरे गिरधारी! मोरी अरज.....
प्रभु रख ल लाज हमार हो,
साँवरे गिरधारी

आजा आजा राजा, करेजा में समाजा
हो तोहे बिना निदिया ना लागे,
सून सून रानी, जवानी ह दीवानी,
ना जाने तोसे मनवा का माँगे,
देहिया के तूरत उठे पुरुवाई,
मस्ती में झूमें बदन अलसायी,
रहि रहि के हमके आवे अँगड़ाई,
भोले भाले सजना देखाव मति सपना,
दरद काँहे दिल का ना जाने!
ना जाने तोसे.....

अँखिया में तोहरी परनवा हमार बा,
उमड़ल जवानी गोरी टूटत करार बा,
तोहरी सुरतिया पे जिनिगी निसार बा,
जिनिगी निसार बा
बून भर पानी पियाद मोरी रानी,
कसम तोहे जियरा ना माने!
ना जाने तोसे

मीठी मीठी बतिया से जनि भरमाव,
जियरा जुड़ाव करेजवा लगाव,
हमरों पियासि पिया तूँही बुझाव, तूँही बुझाव
आजा आजा सइयाँ पढू मै तोरे पइयाँ,
तुम्हारे संग रसिया मन लागे !
ना जाने तोसे.....
आजा आजा राजा.....
तुम्हारे संग रसिया...



फिल्म-ठकुराईन

लामे के लाम पर न जइह परदेसी सँइया
हो जी हो परदेसी सँइया!
लामे के लाम पर

घरही में गंगा घरही में जमुना
घरही के घाट पर न हइह परदेसी सँइया
लामे के लाम पर

पकवा इनार पर निविया के गछिया
ओही की छाँह तर जुड़इह परदेसी सँइया
लामे के लाम पर

सोने के थारी में जवना परोसल
आसन जमा के भोग लगइह परदेसी सँइया
लामे के लाम पर

घरही के जोतिह घरही के कोडिह
दुसरा के खेत में न बोइह परदेसी सँइया
लामे के लाम पर



नसा शराब के होखे चाहे
जवानी के,
खेल समुझी का जमाना ए
आग-पानी के, (त तूँही समुझाद)
जब पनिया जवनिया के मेल होई,
तब नथुनी-झुलनिया के खेल होई,
आँखि के चोट ह करेजा ई छूवे,
सूरति पर लोगवा अनासे ना मूवे,
जब कोठरी में भरि दीया तेल होई,
तब नथुनी झुलनिया के खेल होई।
खेल जमि जाई जब त अगियो बढ़े लागी,
नसा के साथ साथ पनियो चढ़े लागी,
जबले रही जवानी कुलेल हाई-
चाहे काला पानी होई, चाहे जेल होई!
हो रूप आ जवानी पर नाहक गुमान बा,
बन्धक जवानी बा सूरति गुलाम बा,
जब गढ़डी के नोट हेला-हेल होई!
अब नथूनी- झुलनिया के खेल होई!

ठकुराईन फिल्म, राजेश फिल्मस
कम्बाइन, द्वारा निर्मित थी। इसके संगीत
-कार चॉट परदेशी थे। इसमें मोती बीए
के चार गीत थे। फिल्ममें आवाज चन्द्राणी
मुखर्जी, सुरेश वाडेकर, अनुराधा पौडवाल
दिलजीत कौर का है। इसमें सुजीत कुमार,
पद्मा खन्ना और नरोत्तम सोलन्की कला
-कार है। ये फिल्म अब उपलब्ध नहीं है।
इसके गाने उपलब्ध हैं।



फिल्म-चम्पा चमेली

तुनकत चाल चले दिलजनिया,
 लचकत जाए कमरिया ना,
 बोलिया सुन के तोर छएलवा,
 जरि-जरि जाए जियरवा ना,
 ददरी के मेला तोहके असो
 लेके जाइबि हो,
 किसिम किसिम के लँहगा-सारी
 तोहें पिन्हाइबि हो,
 हो गोरिया, चढ़लि जवनिया तोर
 कि जइसे धेरे बदरिया ना,
 बोलिया सुन के.....
 तुनकत चाल चले
 दिलजनिया.....
 बलमा बड़ा नादान दरदिया
 ना पहिचाने रे,
 मउज मजा के आगे कुछऊ
 दूसर न जाने रे,

इनके ठुनका लउके ला हमके
 तनिको सूझे डगरिया ना,
 तुनकत चाल चले दिलजनिया.....
 बोलिया सुन के.....
 तोहरी खातिर जनिया जल्दी
 डोलिया आई हो,
 साइति देखले दिन धइले से
 ना फरिआई हो,
 हो जनिया गड़ल करेजवा भीतर
 तोरी भोली सुरतिया ना,
 बोलिया सुनि के तोर छएलवा
 नाचे मनवा के मोरवा ना,
 तुनकत चाल चले दिलजनिया.....
 बोलिया सुन के.....
 तुनकत चाल चले दिलजनिया,
 लचकत जाए कमरिया ना ।



फिल्म- चम्पा चमेली

हेरि हेरि तोहके थकि गइली
 कइली बहुत गोहार,
 पता न लागल एह दुनिया में
 कहाँ लुकाइल प्यार,
 तनी दे द हमके प्यार तनी दे द,
 तनी देख आँखि उधार
 तनी दे द.....
 बहुत दूर से आइल बानी
 जोगी दरस भिखार,
 बिना प्यार के हमके लागे
 जिनगी बहुत बेकार,
 तनी दरसन मिले तोहार,
 तनी दरसन मीले तोहार,
 तनी दे द.....
 घर-घर धुमली सबसे पूछली
 केहू न बूझन हार,
 सगरे लोगवा भरमल ई ह

माया के संसार,
 तनी बूझ,
 तनी बूझ दरद हमार,
 तनी दे द,
 तनी दे द हमके प्यार.....
 हम अब खाली लवटबि नाहीं,
 बा पूरा विश्वास,
 अटकल जिउवा तोहरे खातिर
 लागल बाटे आस,
 तनी खोल,
 तनी खोल मनके दुआर
 तनी देद,
 तनी दे द हमके प्यार.....
 तनी देख आँखि उधार,
 तनी दे द.....



फिल्म- चम्पा चमेली

हम मारबि नजरिया के बान,
हमार केहू का करी,
मन पंछी भरेला उड़ान,
हमार केहू का करी,

कुसुमी चुनरिया सबूज रंग चोलिया,
अँखिया कजरवा लिलरवा टिकुलिया,
चली अँखिया के,
चली अँखिया के तीर कमान,
हमार केहू का करी!
हम मारबि.....

बढ़ेले उखिया मकइया रहरिया,
स्थिर न रहेले चंचल नजरिया,
हम खेत में,
हम खेत में गाड़बि मचान,
हमार केहू का करी !

हमार केहू का करी!
हम मारबि.....

पनिया उपर उतराइल गगरिया,
झोरे पवन झकझोरे लहरिया,
झकझोरे लहरिया,
हम नदिया में,
हम नदिया में पैंवरबि ऊतान,
हमार केहू का करी!

हम मारबि नजरिया के बान,
हमार केहू का करी,
मन पंछी भरेला उड़ान,
हमार केहू का करी,



फिल्म-चम्पा, चमेली गीत-जोगीरा

कड़क कड़कधिन कीड़ी बीड़ी बाकधिन
 तकई के ताकधिन मकई के लावा
 तक-तक-तक-तक ताकधिना धिन धिन
 ताकधिना, सर रर सर ररर सर रर
 जोग जी सर रर रर सररर सरर
 ढोलक को खूब बजाओ जोगानी को खूब
 नचाओ पेड़ा-जिलेबी खाओ
 सोना एइसन सुन्नरतिरिया आँखि
 में काजल लावे
 छिप-छिप नैन कटारी मारे कौहे
 हाथ ना आवे जोगी जी, सररर सररर
 आँखि में काजल लगा के तिरिया
 पिया से मिलने जावे
 मेरे बाला मरल करें वो हाथ
 कभी ना आवे जोगी जी सररर सररर
 ढोलक को खूब बजाओ जोगानी
 खूब नचाओ पेड़ा जिलेबी खाओ
 कौन फूल धरती पर फूले कौन
 फूल असमान, कौन फूल गंगा में
 फूले खुसी रहे भगवान, जोगी जी
 सररर सरर सररर.....
 फूल गुलाब खिले धरती पर सुरुज
 फूल असमान, कमल फूल गेंगा में
 फूले खुसी रहे भगवान जोगी जी
 सररर सरर सररर.....



छज्जे ऊपर ठाढ़ी गोरिया केकरी
 ओरिया झाँके,
 केकरे दिल पर बरछी मारे आँखि
 में आँखि मिलाके जोगी जी सररर सररर सररर
 जेकर गोइंया छैल छवीला गोरिया ओके झाँके
 ओकरे दिल पर बरछी मारे आँखि में आँखि
 मिलाके, सररर सररर सररर
 काहा गरजे काहा बरसे काहा लोगे पानी
 के बाबू के हुकुम लेके कौन नचावे जानी
 जोगी जी, सररर सररर सररर
 ऊँचे गरजे नीचे बरसे खाले लागे पानी
 बाबूजी के हुकुम लेके हम नचवली जानी
 जोगी जी, सररर सररर सररर
 ढोलक को खूब बजावो जोगानी को
 खूब नचाओ पेड़ा जिलेबी खाओ,
 जोगी जी धीरेधीरे जोगी जी धीरे धीरे,
 कही कि देख चली जा, चलीजा देख चली जा,
 ढोलक के ताल न टूटे, जानी के जान न टूटे,
 सदा आनन्द रहे एहि द्वारे,
 मोहन खेले होरी,
 कान्हा के हाथे कनक पिचुकारी,
 राधा के हाथें रोरी,
 सदा आनन्द रहे एहि द्वारे

स्वर-ऊषा मंगेशकर, उदित नारायण



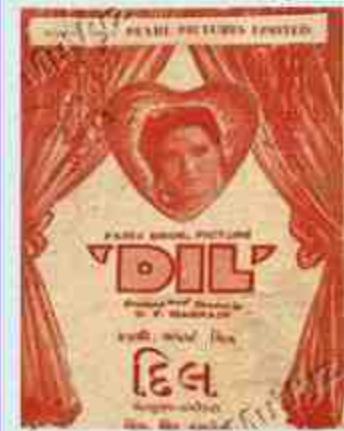
श्री मोती बीए से सम्बन्धित कुछ फिल्में



श्री मोती बीए की कुछ फिल्में ऐसी भी हैं जिनमें उनके गीत तो हैं पर घर पर आ जाने के बाद पुनः जाने में बहुत बिलम्ब मोती जी ने बार बार किया जिसका परिणाम ये हुआ कि इन्हें फिल्म कम्पनी ने नाम हटाने तक की भी चेतावनी दे डाली। इनकी आत्मकथा के अनुसार एक बार घर आ जाने पर घर की समस्याओं से निकल पाना बड़ा कठिन होता था। मन मानकर भाग्य पर सब छोड़ कर ये फिर अपने काम में जुट जाते थे। हम वो तमाम इनके पत्राजात और बातें अलग से “श्री मोती बीए की आत्मकथा” दो भागों में इसी के साथ एक पुस्तक के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

फिल्म शबनम जो फिल्मस्तान लिमिटेड बम्बई द्वारा निर्मित थी उसमें श्री मोती बीए के दो गीत थे। जिसमें एक गीत था, “आवो जंगल में मंगल मनाये चले हम, तुम बजाए जावो बंशी औ गाए चलें हम” ये गीत उनके द्वारा समय से स्टूडियो में न आ पाने कारण ये कहिये घर रह जाने के कारण रिकार्डेंग गीत फिल्म से कट गया। इस गीत पर संगीत एस डी बर्मन का था। फिल्मस्तान की फिल्म “आठ दिन” भी इनके हाथसे जाती रही कारण कम्पनी के गीतकार होने के बाद भी उस समय ये घर चले आये। फिल्म “चुनरिया, समाज को बदल डालो, रास्ता, मेरी बहन, जंगल में मंगल, संत तुलसीदास और दिल” में भी इनके गीत थे, पर वो कहों हैं, कटे तो कैसे कटे इस फिर प्रयास जारी है।

फिल्म ‘लड़की’ में इनके दो गीत थे। “वाह वाह नारी से नागिन भली” गीत पर आवाज ओम प्रकाश का था और संगीत आर. सुदर्शन का था। इसका एक गीत का पता तो चलता है पर दूसरे गीत पर खोज जारी है।



श्री मोती बीए फिल्मों में गीत भी गाये ? कुछ विवादास्पद फिल्में



श्री मोती बीए की कुछ फिल्में ऐसी भी हैं जिनमें उन्होने गीत गाये, आपको ये बात आसानी से गले नहीं उतरेगी। उनकी पहली फिल्म 'कैसे कहूँ' में गीत के धुन को बनाते समय जब संगीतकार मास्टर अमरनाथ ने कहा कि मोती बीए के इस गीत का धुन नहीं बन सकता। दरअसल गीतकार, संगीतकार के दिये हुए धुन पर गीत लिखते थे लेकिन मोती बीए अपनी धुन में लिखते ही नहीं थे बल्कि अपनी ही धुन में बहुत सुन्दर गाते भी थे। इनके गाने को सुनकर निर्माता रीझ जाते थे। श्री मोती बीए के इस विधा को कोई पुराना संगीतकार स्वीकार नहीं करता था। केवल संगीतकार रवीन्द्र जैन साहब ने इनके इस विधा का वेलकम किया था, इतना ही नहीं रवीन्द्र जैन साहब ने हेमलता से कहा कि देखो मोती जी के गीत का कोई धुन नहीं बनाना है बस उसे सुल लो, उनके साथ साजिन्दों को लेकर बैठ जाओ। इस प्रकार फिल्म 'गजब भईलें रामा' में रवीन्द्र जैन साहब ने अमर धुन तो दिया ही साथ ही साथ खुद भी श्री मोती बीए का एक गीत 'एइसन दुनियो एइसन लोग' को भी अपनी आवाज में गाकर रिकार्ड किया।

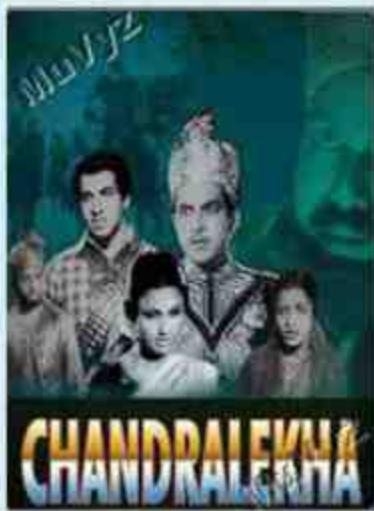
पंचोली आर्ट पिक्चर्स के मालिक दलसुख एम. पंचोली साहब ने कहा कि देखो धुन बन सके तो बनावो नहीं तो यह गीत ऐसे ही जायेगा जैसे मोती जी गाते हैं, और गीत रिकार्ड हो गया। यही बात किशोर साहू ने चितलकर रामचन्द्र से कहा और चितलकर रामचन्द्र ने बस मोती जी का वही धुन उतार दिया और फिल्म जगत में भोजपुरी गाने का फिल्म 'नदिया के पार' में प्रथमबार बीजारोपण हुआ।



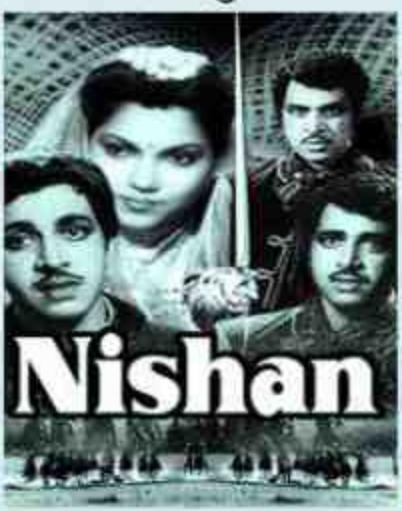
यही स्थिति फिल्म 'राजपूत' में हुआ। निर्देशक लेखराज भाखड़ी ने मोती बीए के जोगीरा के लिए नया संगीतकार 'हुस्नलाल भगतराम' को हायर किया। इस प्रकार प्रथम फिल्मी जोगीरा होने का श्रेय फिल्म राजपूत को मिला।



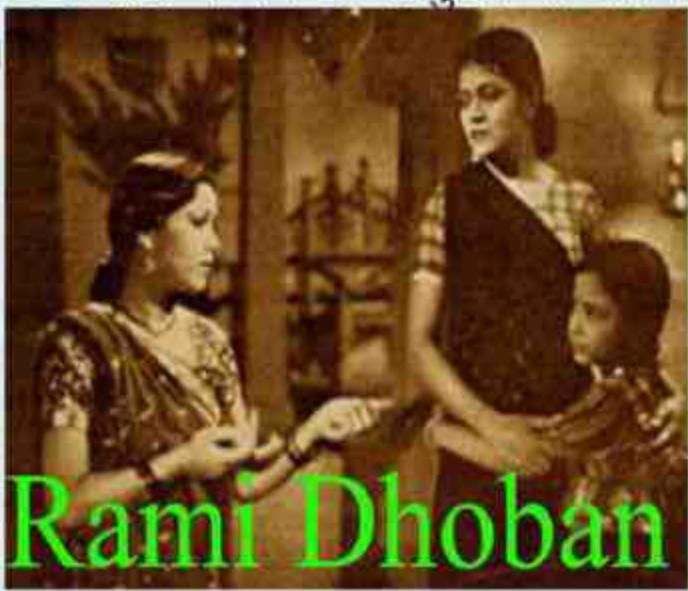
श्री मोती बीए की यह विधा बहुत लोकप्रिय रही और कई फिल्मों में उनके गीत सुनने को मिले। रास्ता फिल्म में शमशाद बेगम ने यह स्वीकारा है कि उस फिल्म में एक गीत में उनके साथ मेल व्यायस मोती बीए की थी। फिल्म 'चन्द्रलेखा' में उमा देवी 'दुन दुन' के साथ दो गीत पर मोती बीए की आवाज है। गीत के बोल हैं, "सॉझ की बेला, जिया अकेला, और बिछड़े दिल आज मिले हैं" इसी फिल्म में एक गीत जोहराबाई अम्बालावाली के साथ मोती बीए की आवाज है, इस गीत के बोल हैं, "मेरा हुस्न लूटने आया" इसी प्रकार श्री मोती बीए का एक गीत फिल्म 'रामी धोबन' में है जिसे मशहूर संगीत-कार हेमन्तकुमार ने गीतादत्त के साथ गाया है। गीत के बाल हैं, "पिया इन चरनन में बलि जाऊँ" इसी श्रृंखला में फिल्म 'मंगला' में श्री मोती बीए के गीत पर शमशाद बेगम ने आवाज दिया है। गीत के बोल हैं, "भोले भाले सनम" एक फिल्म है 'निशान' जिसमें श्री मोती बीए का एक गीत है, "मोरे अँगना में बालम आये" जिसे शमशाद बेगम ने गाया है। इसमें दो गीत ऐसे हैं जिसे जोहराबाई अम्बालावाली और मोती बीए ने गाया है, वो गीत इस प्रकार से हैं, "ये राजे जिन्दगी क्या है, और दूसरा गीत है, परदेश न जइहो मौसम सलोना है बरसात का" फिल्म 'खिड़की' का एक गीत है "कभी याद करके गली पार करके, चली आना हमारी अँगना" इस फिल्म में निर्देशन का कार्य श्री मोती बीए जी ने किया है। इसका प्रमाण हम इस पुस्तक में दे रहा हूँ। उनके फिल्म 'खिड़की' में निर्देशक के रूप में नियुक्ति का प्रमाण पत्र उनके आत्मकथा में भी हमने प्रस्तुत किया है।



CHANDRALEKHA



Nishan



Rami Dhoban



मोती बीए के गीतों को तोड़ मोड़ कर फिल्मों में रखे गये हैं।



श्री मोती बीए ने एक गीत फिल्म महल के निर्माण के समय अशोक कुमार गाया। गौगुली, स्वर्गीय संगीतकार खेमचन्द्र प्रकाश और पटकथा लेखक मरहूम एस. एच. कण्ठे साहब को यह गीत सुनाया था। यह गीत फिल्म में रख भी लिया गया था पर घर आजाने के कारण अन्दरूनी कारणों से यह गीत खारिज हो गया। यह गीत फिर कैसे मामूली अन्तर से अन्य फिल्मों में आ गया, यह हम आपको बताएंगे, लेकिन पहले वो गीत आप पढ़ लें-

तमन्ना कौन करे	13	14	15	16
<p>महानंद से जगाया इ जाहे हमीं भी तमां दीन भी विलीं भी बोरा में बैठे तारीक भी तमां दीन भी महानंद से....</p>	<p>हर गुल में है तमन्ना के कामों हर भीन में भीन से भूं हर लड़के हैं तम का जगाना भड़के भी तमां दीन भी महानंद से....</p>	<p>हर देवते नहीं इह वरदान है वरदान है इन्हें तमां दीन भूंदे से भी दुष्ट दीर्घियन हुआ हांवे भी तमां दीन भी महानंद से....</p>	<p>तमन्ना जी या बरदान हुआ भूंदीला नीं कला तुम्हे हुआ उद्धवों ने भी दान लोइया हांवे भी तमां दीन भी महानंद से....</p>	<p>हर गुल नामीं को दाना दाना न कर है वह हांवी इस हुए दुष्ट दीर्घियन से निर हांवे भी तमां दीन भी महानंद से....</p>
<p>महानंद से जगाया इ जाहे हमीं भी तमां दीन भी विलीं भी बोरा में बैठे तारीक भी तमां दीन भी महानंद से....</p>	<p>हर गुल में है तमन्ना के कामों हर भीन में भीन से भूं हर लड़के हैं तम का जगाना भड़के भी तमां दीन भी महानंद से....</p>	<p>हर देवते नहीं इह वरदान है वरदान है इन्हें तम का जगाना भूंदे से भी दुष्ट दीर्घियन हुआ हांवे भी तमां दीन भी महानंद से....</p>	<p>तमन्ना जी या बरदान हुआ भूंदीला नीं कला तुम्हे हुआ उद्धवों ने भी दान लोइया हांवे भी तमां दीन भी महानंद से....</p>	<p>हर गुल नामीं को दाना दाना न कर है वह हांवी इस हुए दुष्ट दीर्घियन से निर हांवे भी तमां दीन भी महानंद से....</p>

श्री मोती बी.ए. घर चले आये उनका ये लिखा हुआ गीत का उपयोग नाम बदलकर अन्य दो फिल्मों में किया गया। पहली बार इस गीत का प्रयोग १९४८ में फिल्म 'जिद्दी' में कुछ फेर बदलकर किया गया। पहले बदले हुए गीत के बोल देखें, "मरने की दुआएं क्यूं माँगूँ, जीने की तमन्ना कौन करे" इस बदले हुए गीत के गीतकार हैं, प्रोफेसर जज्बी। संगीतकार हैं खेमचन्द्र प्रकाश और आवाज है अशोक कुमार जी के भाई किशोर कुमार जी। यह गीत किशोर कुमार का प्रथम गीत कहा गया। किशोर कुमार जी को क्या पता था कि उनसे चोरी का गीत गवाया जा रहा है।

इस गीत को फिर फिल्म 'बावरा' १९५० में रफी की आवाज में प्रस्तुत किया गया। बोल थे, "साहिल जो डुबो दे कश्ती को, साहिल की तमन्ना कौन करे" गीतकार थे अमर एन. खन्ना संगीत था कृष्ण दयाल एम.ए. का। श्री मोती बीए के गीतों को चोरी चोरी इस्तेमाल करने की





सिलसिला अभी इतना ही नहीं था, श्री मोती बीए ने एक बड़ा ही व्यारा गीत अपने धुन में गाते थे। वो गीत था, “धीरे-धीरे गाड़ी चलाना, सजन घर जाना न फिर लौट के आना है” इस गीत को वो अक्सर स्टूडियो में सुनाया करते थे। यह गीत हैक होकर उन्हीं के धुन में फिल्म ‘मेला’ में “गाए जा गीत मिलन के, तू अपनी लगन के, सजन घर जाना है” आ गया। मोती जी ने कई अन्य सन्दर्भों सहित विस्तृत में इस त्रासदी को अपने आत्मकथा में लिखा है। गलत तरीके से उस गीत को अपना बना लेने का श्रेय गीतकार शकील बदायूँनी और संगीतकार नौशाद जी को जाता है।

सन्दर्भ से अलग एक तथ्य का जिक्र करना आवश्यक है। एक निर्माता ये हरीश सिन्हा जी, उन्होंने श्री मोती बीए का गीत १९७८ में लिया था फिल्म ‘देवरा बेईमान’ के लिये। ये फिल्म प्रदर्शित हुई कि नहीं ये पता नहीं चला।

श्री मोती बीए फिल्म निर्माण करना चाहते थे, पर निर्माण नहीं कर पाये।

श्री मोती बीए तीन फिल्मों के स्क्रिप्ट लिखकर तैयार कर लिये थे। अपनी कहानियों को वी. शान्ताराम और रामानन्द सागर को भी दिखा और सुना चुके थे। वो कहानियों थीं, ‘प्रेम की बैसुरिया, प्रेम प्रेम है (लब इज लब) और मातृ मन्दिर’ इन कहानियों के गीत भी वो लिख चुके थे। उनकी ये हार्दिक इच्छा थी कि उनकी फिल्में बन जाय लेकिन ये कार्य पूर्ण नहीं हो पाया।

श्री मोती बीए के सन्दर्भ में अभी बहुत सी बातें उनके चाहने वालों के बीच लाना शेष है। यह उनके फिल्मी गीतों का प्रथम भाग है। हम प्रयासरत हैं कि इसका दूसरा भाग भी आप तक पहुँचे, इसके लिये मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि शेष कार्य के लिये मुझे मार्गदर्शन दें, शक्ति दे और आपका स्नेह दें। इस पुस्तक को हम उनके प्रिय मित्र आर.एस. सिंह के गीत, “अँगन-इया बीचे तुलसी, लगइबो हरि” से समाप्त कर रहा हूँ। इस गीत को श्री मोती बीए ने अपने फिल्मी गीतों वाली बुकलेट में संकलित किया था।

आपका हार्दिक स्वागत।



-अंजनीकुमारउपाध्याय





गीत-अंगनईया बीचे तुलसी, लगड़बो हरि

अँगनईया बीचे तुलसी लगड़बो हरी,
अँगनईया बीचे तुलसी.....
मनईबो हरी, पइयाँ लागी मईया तुलसी,
अँगनईया बीचे तुलसी.....

नित नित मईया जी के नीरवा चढ़बो रामा
फल फूल अछत चननवा हरी!
अँगनईया बीचे तुलसी.....

जइसे जइसे तुलसी के बिरवा बढ़ी हे रामा
ओइसे बढ़ी अन घन सोनवा हरी!
अँगनईया बीचे तुलसी.....

मईया के थलवा में कटवों सोपारी रामा
सुबह होइहें सईया से मिलनवा हरी!
अँगनईया बीचे तुलसी.....

एही मईया तुलसी के पूजली गउरा दई
मन भावन पवली पहनव हरी!
अँगनईया बीचे तुलसी.....

जे नारी तुलसी के सेवा करी हे रामा
अमर रही माँगके सेनुरवा हरी !
अँगनईया बीचे तुलसी.....

